@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

# कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 13 मार्च 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 127 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

# पश्चिम एशिया में संकट के बीच तेल-गैस पर अटकलें

## • जहाजों की सुरक्षा पर सरकार ने दिया पहला बयान

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और समुद्री सुरक्षा को लेकर भारत और ईरान के बीच कूटनीतिक बातचीत जारी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि हाल के दिनों में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और ईरान के विदेश मंत्री के बीच तीन बार बातचीत हुई है। जायसवाल ने कहा कि दोनों नेताओं की हालिया बातचीत में समुद्री जहाजरानी की सुरक्षा और भारत की ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने हालांकि इस बातचीत के नतीजों या संभावित फैसलों पर अधिक जानकारी देने से इनकार करते हुए कहा कि इस समय इससे आगे कुछ कहना जल्दबाजी होगी। ईरान में मौजूदा हालात के बीच भारत सरकार वहां रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और वापसी को लेकर

सक्रिय रूप से सहायता प्रदान कर रही है। जायसवाल ने बताया कि इस समय ईरान में लगभग 9,000 भारतीय नागरिक मौजूद हैं, जिनमें छात्र, नाविक, कारोबारी, पेशेवर और कुछ तीर्थयात्री शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कई भारतीय नागरिक, खासकर छात्र, पहले ही ईरान से

> • विदेश मंत्रालय ने इस अवसर पर ईरान में मौजूद उन सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी है जो भूमि सीमा के रास्ते देश छोड़ना चाहते हैं कि वे भारतीय दूतावास द्वारा जारी एडवाइजरी का पालन करें और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

निकलकर अपने घर पहुंच चुके हैं। इसके अलावा तेहरान में रह रहे कई भारतीयों, जिनमें छात्र और तीर्थयात्री शामिल हैं। उन्हें एहतियातन ईरान के अन्य सुरक्षित स्थानों और शहरों में स्थानांतरित किया गया है।

**भारतीय दूतावास कर रही हर संभव मदद:** जायसवाल ने बताया कि जो भारतीय नागरिक ईरान छोड़कर लौटना चाहते हैं, उन्हें अजरबैजान और आर्मेनिया के रास्ते बाहर निकलने में भी मदद दी जा रही है। इसके लिए भारतीय दूतावास उनकी वीजा प्रक्रिया में सहायता कर रहा है और उन्हें जमीनी सीमाओं (लैंड बॉर्डर) को पार करने में भी मदद दी जा रही है। उन्होंने कहा कि कई भारतीय नागरिकों ने दूतावास से संपर्क किया है और उन्हें अजरबैजान और आर्मेनिया की सीमा पार कराने में सहायता दी गई है, जिसके बाद वे वहां से वाणिज्यिक उड़ानों के जरिए भारत वापस लौट रहे हैं।

# 'केवल इनकम के आधार पर ओबीसी क्रीमी लेयर का दर्जा नहीं'

### यूपीएससी में नियुक्तियों पर अदालत से राहत

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के क्रीमी लेयर से जुड़े मुकदमे में अहम टिप्पणी की। दो जजों की खंडपीठ ने आज अपने फैसले में कहा कि आरक्षण के इस मामले में अभ्यर्थी के क्रीमी लेयर का निर्धारण केवल माता-पिता या अभिभावकों की सैलरी के आधार पर नहीं किया जा सका। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने अपने फैसले में सरकार की अपील को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि क्रीमी लेयर दर्जा का निर्धारण करते समय माता-पिता या अभिभावकों के पदों और स्थिति को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

बेंच ने केंद्र सरकार की उन अपीलों को खारिज कर दिया, जो हाई कोर्ट के फैसलों के खिलाफ थीं। कोर्ट ने उन यूपीएससी उम्मीदवारों को बड़ी राहत दी है, जिन्हें सिविल सेवा परीक्षा पास करने के बावजूद

नौकरी नहीं दी गई थी। सरकार ने उनके माता-पिता की सैलरी को आधार मानकर उन्हें गलत तरीके से क्रीमी लेयर की श्रेणी में डाल दिया था। अदालत ने साफ किया कि अधिकारियों ने उम्मीदवारों को आरक्षण से बाहर करने के लिए गलत पैमाना अपनाया। जस्टिस महादेवन ने फैसले में लिखा कि कोई उम्मीदवार क्रीमी लेयर में आता है या नहीं, इसका फैसला केवल आय के आधार पर नहीं हो सकता।

यह पूरा विवाद उन उम्मीदवारों से जुड़ा था जिनके माता-पिता सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू), बैंकों या इसी तरह के संस्थानों में काम करते थे। सरकार ने 2004 के एक स्पष्टीकरण पत्र का सहारा लेकर उनकी सैलरी को आय में जोड़ दिया था। इस वजह से वे आरक्षण के लाभ से वंचित हो गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने 1993 के सरकारी आदेश का हवाला दिया। यह आदेश इंदिरा साहनी मामले के बाद बना था। इसमें स्पष्ट है कि क्रीमी लेयर तय करने के लिए माता-पिता का पद (जैसे ग्रुप ए या ग्रुप बी अधिकारी) मुख्य आधार है। इस नियम के तहत सैलरी और खेती से होने वाली कमाई को आय/संपत्ति टेस्ट में शामिल नहीं किया जाता। कोर्ट ने कहा कि 2004 का एक पत्र मुख्य नीति को नहीं बदल सकता। अदालत ने यह भी पाया कि सरकारी कर्मचारियों और पीएसयू कर्मचारियों के बीच भेदभाव करना गलत है। अगर सरकारी कर्मचारियों के बच्चों को पद के आधार पर छूट मिलती है, तो पीएसयू कर्मचारियों के बच्चों को केवल सैलरी के आधार पर आरक्षण से बाहर करना समानता के अधिकार का उल्लंघन है।

# विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगा राजस्थान - भजनलाल शर्मा

### • निवेश करने वाली उद्यमियों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी: सीएम

*'प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हर क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व कार्य'*

**एजेंसी**

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में विकास की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार ने निवेशपरक वातावरण, नवाचारों को प्रोत्साहन, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस तथा सिंगल विंडो क्लीयरेंस सहित विभिन्न ऐसे निर्णय किए हैं, जिससे प्रदेश में उद्योगों के लिए बेहतर वातावरण तैयार हुआ है। हम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 2047 तक 4.3 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि राजस्थान में निवेश करने वाली उद्यमियों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी तथा उनकी सभी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री गुरुवार को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) राजस्थान के वार्षिक सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए प्रदेश में योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। विकसित राजस्थान 2047 के

लक्ष्य को आधार मानकर ग्राम पंचायतों से लेकर नगर निकायों तक के समग्र विकास का रोडमैप तैयार किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत 2047 की परिकल्पना दी है। जिसे साकार करने में राजस्थान भी अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में हमारा देश विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद गरीब कल्याण, देश में आतंकवाद का खात्मा, आर्थिक विकास तथा भारत का दुनिया में गौरव बढ़ा है। देश में हर क्षेत्र में विकास के अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने विभिन्न योजनाओं, नवाचारों एवं कार्यक्रमों द्वारा प्रदेश में विकास को गति दी है। प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी को मजबूत करने के साथ ही सड़क नेटवर्क को भी सुदृढ़ किया गया है।

# नेताजी की अस्थियां भारत लाने की याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने किया इनकार

*'कहा-वारिस खुद आएं, तब सुनेंगे'*

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने टोक्यो के रेनको-जी मंदिर से नेताजी सुभाष चंद्र बोस की अस्थियों को भारत लाने की मांग वाली याचिका पर फिलहाल सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस मामले पर सुनवाई तो की जाएगी, लेकिन नेताजी के वारिस खुद कोर्ट में आकर याचिका दायर करें।

सीजेआई ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस देश के सबसे महान नेताओं में से एक थे, लेकिन कोर्ट इन याचिकाओं के पीछे के मकसद और उनके समय को अच्छी तरह समझता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना वारिस के कोर्ट आने पर इस तरह का फैसला नहीं लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वारिस को याचिका दायर करने दीजिए, हम उस पर सुनवाई करेंगे। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील ए.एम. सिंघवी ने कोर्ट को बताया कि

नेताजी का केवल एक ही जीवित वारिस है, उनकी बेटी अनीता बोस फाफ। फिलहाल याचिका को सुप्रीम कोर्ट से वापस ले लिया गया है।

याचिका में आरोप लगाया गया था कि केंद्र सरकार टोक्यो के रेनको-जी मंदिर से नेताजी की अस्थियां वापस लाने में नाकाम रही है, जिसके कारण उनकी बेटी अनीता बोस भारत में उनका सम्मानजनक अंतिम संस्कार नहीं कर पा रही हैं।

याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में हस्तक्षेप कर सरकार को निर्देश दे कि अस्थियों को भारत लाया जाए। रेनको-जी मंदिर में रखी अस्थियां 18 सितंबर 1945 से सुरक्षित हैं, जो नेताजी की मृत्यु के बाद वहां रखी गई थीं।

> • नेताजी की मौत 18 अगस्त 1945 को ताइवान में एक विमान दुर्घटना में होने की आधिकारिक रिपोर्ट है, लेकिन इस पर लंबे समय से विवाद चल रहा है। मुखर्जी आयोग समेत कई जांचों में अलग-अलग निष्कर्ष आए हैं और अस्थियों की डीएनए जांच की मांग भी समय-समय पर उठती रही है। नेताजी के परिवार के कुछ सदस्यों ने पहले भी अस्थियों को भारत लाने और उनका अंतिम संस्कार करने की अपील की है।

## पूर्वी गारो हिल्स में हिंसा के दूसरे दिन कर्फ्यू में दी गई तीन घंटे की ढील

**तुरा (मेघालय)।** मेघालय के पूर्वी गारो हिल्स जिले में अधिकारियों ने गुरुवार सुबह तीन घंटे के लिए कर्फ्यू में ढील दी। यह ढील गारो हिल्स ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल (जीएचएडीसी) चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान भड़की हिंसा के बाद कर्फ्यू लगाया गया था, स्थिति में सुधार के चलते कर्फ्यू में ढील दी गई। सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए पहले भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत लगाए गए कर्फ्यू में, निवासियों को जरूरी चीज़ें खरीदने की अनुमति देने के लिए सुबह 8 बजे से 11 बजे तक ढील दी गई। उपायुक्त आरपी मराक ने कहा कि यह अस्थायी ढील लोगों को जरूरत की चीज़ें खरीदने में सक्षम बनाने के लिए दी गई थी, जबकि सुरक्षा बल संवेदनशील इलाकों में कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं। मिठाई नहीं, ये चीज़ असली कारण है शुगर लेवल बढ़ने का!

# योगी ने श्रीरामलला के किए दर्शन

**एजेंसी**

**अयोध्या।** गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन किये। मुख्यमंत्री ने श्रीराम मंदिर परिसर में निर्माण कार्यों की प्रगति की की

जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अयोध्या पहुंचने पर सबसे पहले संकटमोचन हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन-पूजन किया और प्रदेश की सुख-शांति की कामना की। मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी में संतों से भी मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री यहां सबसे पहले महंत प्रेमदास महाराज से मिले। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अन्य संतों से भी मिलकर उनका हालचाल जाना। यहां से निकल कर मुख्यमंत्री श्रीराम मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने श्रीरामलला के दर्शन किए, आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा की। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी ने श्रीराम मंदिर

### परिसर में निर्माण कार्यों की प्रगति की ली जानकारी

परिसर के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और आगामी योजनाओं से अवगत कराया। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी का अयोध्या पहुंचने पर रामकथा पार्क हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान जनपद के प्रभारी मंत्री/कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचंद्र यादव, चंद्रभानु पासवान, अमित सिंह चौहान, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय आदि मौजूद रहे।

# उखरुल में बंधक बनाए गए 20 नागरिक रिहा

**एजेंसी**

**इंफाल (मणिपुर)।** उखरुल ज़िले के शांगकाई गांव में एक हथियारबंद गुट द्वारा कथित तौर पर बंधक बनाए गए 20 नागरिकों को, इलाके में कई घंटों के तनाव के बाद गुरुवार सुबह सुरक्षित रिहा कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार, उखरुल के इन बंधक यात्रियों को बचाया गया और सुबह करीब 4 बजे लिटान पुलिस स्टेशन में तांगखुल नागरिक समाज संगठनों को सौंप दिया गया। रिहाई के बाद, उन्होंने उखरुल के लिए अपनी वापसी की यात्रा शुरू कर दी। इस घटना ने उखरुल जिले के

कुछ हिस्सों में तनाव की स्थिति पैदा कर दी थी। बीते एक हथियारबंद गुट द्वारा कथित तौर पर लगभग 20 नागरिकों को बंधक बना लिया गया था। इस घटना के बाद, तांगखुल नागा लोंग (टीएनएल) जो एक प्रमुख नागा नागरिक संस्था है, ने राज्य और केंद्र सरकारों को दो घंटे का अल्टीमेटम जारी करते हुए नागरिकों को तत्काल बचाने की मांग की थी। मधुमेह का दुश्मन खोज लिया गया है। शुगर 4 तक कम हो जाती है।

# सदन की मर्यादा और परंपराओं को बनाए रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी: ओम बिरला

### 'नियमों और परंपराओं को लागू करना उनका कर्तव्य है।'

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के ध्वनिमत से खारिज होने के बाद गुरुवार को अध्यक्ष के आसन पर बैठे। बिरला ने कहा कि भारत के संसदीय इतिहास में तीसरी बार लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर संकल्प आया और इस पर दो दिनों तक 12 घंटे से अधिक चर्चा हुई। उनका हमेशा प्रयास रहा है कि सदन के भीतर प्रत्येक सदस्य नियमों और प्रक्रियाओं के तहत अपने विचार व्यक्त कर सके और सभी को पर्याप्त अवसर मिले। बिरला ने कहा कि यह सदन समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की आवाज बने। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 93 में अध्यक्ष के निर्वाचन का प्रावधान है और इस पावन सदन ने उन्हें दूसरी बार अध्यक्ष पद का दायित्व दिया। उनका प्रयास रहा है कि सदन की कार्यवाही निष्पक्षता, अनुशासन और संतुलन के

साथ संचालित हो। दस फरवरी को विपक्ष के कुछ सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया था और उन्होंने अपने नैतिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्रस्ताव के प्रस्तुतीकरण के साथ ही सदन की कार्यवाही से स्वयं को अलग कर लिया था। उन्होंने कहा कि इस चर्चा के दौरान अनेक विचार, दृष्टिकोण और भावनाएं सामने आईं और उन्होंने सभी को गंभीरता से सुना। उन्होंने सदन के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। बिरला ने स्पष्ट किया कि कुछ सदस्यों का मानना था कि प्रतिपक्ष के नेता सदन से ऊपर उठकर किसी भी विषय पर बोल सकते हैं, लेकिन यह किसी को विशेष अधिकार नहीं है। सदन नियमों से चलता है और ये नियम न सरकार ने बनाए हैं, न प्रतिपक्ष ने, बल्कि सदन ने बनाए हैं और सभी सदस्यों पर समान रूप से लागू होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री या मंत्रीगण भी यदि सदन में वक्तव्य देना चाहते हैं तो नियम 372 के तहत अध्यक्ष से अनुमति लेनी होती है। किसी सदस्य को नियमों से परे जाकर बोलने का विशेषाधिकार नहीं है।

# कृषि नीति और नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी बढ़े : राष्ट्रपति

### • संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2026 को 'इंटरनेशनल ईयर ऑफ द वुमन फार्मर' घोषित किया है।

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उन्हें नीति निर्माण, निर्णय-निर्धारण तथा नेतृत्व पदों में अधिक अवसर मिलना चाहिए। महिलाओं की व्यापक भागीदारी से कृषि क्षेत्र में लैंगिक समावेशी विकास को बढ़ावा मिलेगा। राष्ट्रपति गुरुवार को यहां ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑन द रोल ऑफ वीमेन इन एग्री-फूड सिस्टम्स (जीसीडब्ल्यूएएस-2026) के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाएं बुवाई, कटाई, प्रसंस्करण और फसलों को बाजार तक पहुंचाने सहित कृषि की लगभग हर गतिविधि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके अलावा वे मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, पशुपालन, वन उत्पादों के उपयोग और कृषि आधारित उद्यमों के संचालन में भी लगातार योगदान दे रही हैं। महिलाएं

कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में अमूल्य योगदान देती हैं। उन्होंने बताया कि राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में कुल छात्रों में 50 प्रतिशत से अधिक और अन्य विश्वविद्यालयों में 60 प्रतिशत से अधिक छात्राएं हैं, जो शैक्षणिक प्रदर्शन में भी उत्कृष्ट हैं। ऐसे में सरकार, समाज और कृषि क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों की जिम्मेदारी है कि इन प्रतिभाशाली छात्राओं को प्रोत्साहन और समर्थन प्रदान किया जाए, ताकि वे कृषि और खाद्य उत्पादन के क्षेत्र में नेतृत्व कर सकें। राष्ट्रपति ने कहा कि मातृत्व में नेतृत्व की भावना निहित होती है, लेकिन अक्सर इसे घर की सीमाओं तक ही सीमित मान लिया जाता है। इस सोच को बदलते हुए महिलाओं को कृषि क्षेत्र में नेतृत्व देने के लिए आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2026 को 'इंटरनेशनल ईयर ऑफ द वुमन फार्मर' घोषित किया है। इसका उद्देश्य कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखला में लैंगिक अंतर को कम करना और महिलाओं की नेतृत्व भूमिका को बढ़ावा देना है।राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाओं को भूमि के औपचारिक स्वामित्व, तकनीकी ज्ञान, वित्तीय संसाधनों और अन्य सहयोगी व्यवस्थाओं से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि पिछले दशक में भारत ने महिलाओं को कृषि क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए कई पहल की हैं।

# वायु सेना प्रमुख ने फ्रंटलाइन फाइटर बेस से मिग-29 यूपीजी में अकेले उड़ान भरी

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने वायु सेना की ऑपरेशनल तैयारियों का जायजा लेने के लिए गुरुवार को पश्चिमी एयर कमान के तहत फ्रंटलाइन फाइटर बेस से उड़ान भरी। उन्होंने मल्टी-रोल एयरक्राफ्ट मिग-29 यूपीजी को अकेले उड़ाया और वायु सेना की लड़ाकू क्षमताओं का आकलन किया। एयर चीफ मार्शल सिंह 5,000 घंटे से ज्यादा उड़ान भरने वाले बहुत अनुभवी पायलट हैं, जिन्हें प्रायोगिक परीक्षण पायलट के तौर पर विशेषज्ञता और मिग-29 अपग्रेड प्रोजेक्ट में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है।

भारतीय वायु सेना ने अपने उन्नत मिग-29 यूपीजी लड़ाकू विमानों को श्रीनगर में तैनात किया है। 2019 में सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान पाकिस्तानी हवाई हमले को देखते हुए यह तैनाती की गई है। इसी के साथ वायु सेना मिग-29 यूपीजी का कुल तकनीकी जीवन (टीटीएल) 10 वर्षों तक बढ़ाने की योजना बना रही है। अभी मिग-29 लड़ाकू विमानों का टीटीएल 40 साल है, जिसे दूसरा जीवन विस्तार देकर 50 साल किये जाने पर विचार किया किया जा रहा है। पहले से ही लड़ाकू स्क्वाड्रन की संख्या

कम होने और बेड़े में शामिल होने वाले विमानों की धीमी प्रगति को देखते हुए मिग-29 के बेड़े को अधिकतम समय तक सेवा में प्रभावी रखना जरूरी हो गया है।

## दिल्ली में भारत-इजरायल संयुक्त डिफेंस फैसिलिटी में आग की खबर झूठी

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में ईरान की ओर से जारी भीषण हमलों के बीच फर्जी खबरें और झूठे दावे तेजी से देखने को मिल रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय की फैक्ट चेक यूनिट और पीआईबी लगातार इन झूठी खबरों की पोल खोल रहे हैं। ताजा मामले में दिल्ली में भारत और इजरायल की संयुक्त डिफेंस फैसिलिटी में आग लगने की झूठी खबर फैलाई गई। फर्जी खबर में कहा गया कि दिल्ली में भारत-इजरायल की संयुक्त डिफेंस फैसिलिटी में भीषण आग लग गई, जिससे दोनों देशों के कई वर्कर मारे गए। भारतीय मीडिया में ईरान के समर्थकों पर आरोप लगाया जा रहा है। इसके अलावा एक अन्य फर्जी खबर में कहा गया कि भारत-इजरायल के सहयोग से नई दिल्ली में बनाई गई।

## प्रधानमंत्री कहां हैं? एलपीजी की कमी पर ध्यान देने के बजाए वे चुनाव रैलियां कर रहे हैं- राउत

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने गुरुवार को केरल और तमिलनाडु में रैलियां करने के लिए पीएम मोदी की आलोचना की और उनसे व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की कमी पर ध्यान देने की मांग की। संजय राउत ने केंद्र सरकार से पश्चिम एशिया संघर्ष से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा की मांग की। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री कहां हैं? वे केरल और तमिलनाडु में चुनाव प्रचार कर रहे हैं और वे अपने विरोधियों के खिलाफ जिन शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वे प्रधानमंत्री पद की गरिमा के अनुरूप नहीं हैं। राउत ने कहा कि पीएम मोदी ईरान-इजराइल संघर्ष के प्रभाव पर चर्चा नहीं कर रहे हैं। एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कमी के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। यह स्थिति लोगों में भय पैदा कर रही है। होटल और रेस्तरां बंद हो रहे हैं। मोदी सरकार ने इस पर कुछ नहीं कहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश ऐसे नेतृत्व के हाथों में है। यह घटनाक्रम गुरुवार को केरल और तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पीएम मोदी की जनसभाओं के बाद सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार भारतीयों के हितों को सर्वोपरि रखने के उसी दृष्टिकोण का पालन करेगी और घबराने या अफवाहों पर ध्यान देने की कोई जरुरत नहीं। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित है। हम इंडिया फर्स्ट की विचारधारा में विश्वास रखते हैं। बता दें पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के मद्देनजर व्यावसायिक एलपीजी गैस सिलेंडरों की कमी हो गई है, जिसके बाद केंद्र ने घरेलू खपत को प्राथमिकता देते हुए जरुरी वस्तु अधिनियम लागू किया है।

## टल गया बड़ा संकट...कुकी समुदाय ने नागा समुदाय के सभी 21 नागरिकों बातचीत के बाद छोड़ा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले में कुकी समुदाय के ग्रामीणों और सशस्त्र लोगों द्वारा हिरासत में लिए गए नागा समुदाय के सभी 21 नागरिकों को बातचीत के बाद छोड़ दिया गया। इंफाल पुलिस अधिकारी ने बताया कि उखरुल-इम्फाल मार्ग पर तीन वाहनों में यात्रा कर रहे तंगखुल नागा समुदाय के नागरिकों को शांगकाई में कुकी गांव वालों और हथियारबंद लोगों ने बंधक बनाया था। राज्य सरकार के अधिकारियों और नागा एवं कुकी समुदायों के नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ) के नेताओं के बीच गहन बातचीत और विचार-विमर्श के बाद सुबह बंधकों को रिहा किया गया। रिहाई के बाद नागरिकों को लिटान पुलिस स्टेशन ले जाया गया और बाद में उन्हें उनके परिवारों से मिला दिया गया। 21 लोगों को बंधक बनाने के कारण तंगखुल नागा बहुल उखरुल जिले में विशेष रूप से कुकी बहुल कांगपोकपी जिले से सटे इलाकों में तनाव बना रहा। सुरक्षा बलों ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए तलाशी और क्षेत्र नियंत्रण अभियान चलाए। इसके पहले मणिपुर में तंगखुल नागाओं की सर्वोच्च संस्था, तंगखुल नागा लोंग (कार्यकारी समिति) ने उखरुल जिले के कुकी-बहुल गांव शांगकाई में हिरासत में लिए गए 20 से अधिक नागा नागरिकों की सुरक्षित रिहाई की मांग करते हुए दो घंटे का अल्टीमेटम जारी किया था। तंगखुल मणिपुर की सबसे बड़ी नागा जनजाति है और मुख्य रूप से राज्य के पांच से छह जिलों में पाई जाती है।

## एलपीजी संकट पर कांग्रेस पर हमलावार कंगना.... जनता को गुमराह करने की साजिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में एलपीजी संकट को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रानोत ने विपक्ष के विरोध प्रदर्शन पर निशाना साधकर कहा कि जनता को गुमराह करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में महंगाई बढ़ रही है, लेकिन भारत में लगातार नई परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। रनौत ने भरोसा जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को कथित एलपीजी संकट से उसी तरह बाहर निकलने वाले हैं, जैसे उन्होंने कोविड महामारी के दौरान देश का नेतृत्व किया था। मंडी से सांसद कंगना रनौत ने कहा कि एलपीजी की स्थिति को लेकर केंद्र सरकार ने पूर्ण आश्वासन दिया है, लेकिन विपक्ष दहशत फैलाकर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि जनता को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर विश्वास रखना चाहिए, क्योंकि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी भारत लगातार प्रगति कर रहा है। वहीं दूसरी ओर, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के नेताओं ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन जारी रखा। विपक्ष का आरोप है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण देश में एलपीजी की कमी की स्थिति पैदा हो रही है और इस पर संसद में विस्तृत चर्चा होनी चाहिए।

## घरेलू फ्लाइटों पर एयर इंडिया ने 399 रुपये सरचार्ज की बढ़ोतरी की

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पर ईरान-इस्राइल युद्ध का असर दिख रहा है। अब उड़ानें महंगी हो गई हैं। घरेलू फ्लाइटों पर एयर इंडिया ने 399 रुपये सरचार्ज की बढ़ोतरी कर दी है। बढ़ा हुआ सरचार्ज आज यानी गुरुवार से लागू हो गया है। अन्य एयरलाइंस की ओर से इस लेकर तैयारियां चल रही हैं। सरचार्ज बढ़ोत्तरी के बाद इंटरनेशनल फ्लाइट्स पर 1200 रुपये तक अधिक चुकाना पड़ सकता है। खाड़ी संकट ने लोगों के जीवन पर अब खासा असर डालना शुरू किया है। दरअसल, ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमले और पलटवार ने खाड़ी देशों में तनाव को भड़का दिया है। इस युद्ध के कारण तेल-गैस को लेकर देश में पैनिक जैसी स्थिति है। वहीं, अब एयर ट्रैवल भी महंगा होता जा रहा है। इराक का एयरस्पेस पूरी तरह बंद किए जाने से अमेरिका यूरोप की कनेक्टिंग फ्लाइट के भी काफी महंगी होने के आसार हैं। लखनऊ एयरपोर्ट पर तैनात एक एयरलाइंस के अधिकारी के अनुसार, युद्ध के बाद भी इराक के एक सिरे से होते हुए इंटरनेशनल फ्लाइट्स जा रही थीं।

# गुजरात आ रहे जहाज पर ईरानी हमलों के बाद भड़का भारत कहा- अब ऐसी घटनाएं न हों

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** होर्मुज जलडमरूमध्य में थाईलैंड के एक मालवाहक जहाज पर हुए हमले के बाद भारत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पश्चिम एशिया में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाए जाने की बढ़ती घटनाओं पर भारत ने गहरी चिंता जताते हुए इन हमलों को तुरंत रोकने की मांग की है। यह विवाद तब गहराया जब गुजरात के कांडला बंदरगाह की ओर आ रहे एक जहाज मयूरी नारी पर ईरानी सेना के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) द्वारा हमला किए जाने की खबर आई।

विदेश मंत्रालय ने इस घटना पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि भारत वाणिज्यिक जहाजों को सैन्य संघर्ष का हिस्सा बनाने की कड़ी निंदा करता है। मंत्रालय के अनुसार, 11 मार्च को होर्मुज जलडमरूमध्य में थाई जहाज मयूरी नारी पर हमला हुआ, जो भारत के कांडला आ रहा था। अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर नौवहन और व्यापार की स्वतंत्रता में किसी भी प्रकार की बाधा स्वीकार्य नहीं है। मंत्रालय ने इस बात पर भी जोर दिया कि इन संघर्षों में अब तक

कई भारतीय नागरिकों सहित कई निर्दोष लोगों की जान जा चुकी है। हमलों की बढ़ती तीव्रता और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा को लेकर भारत ने स्पष्ट किया कि निर्दोष नागरिकों को खतरे में डालना अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है।

रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन जहाजों पर गोले दागे गए। थाईलैंड के ध्वज वाले जहाज मयूरी नारी ने बुधवार सुबह संयुक्त अरब अमीरात के खलीफा बंदरगाह से अपनी यात्रा शुरू की थी। सुबह करीब 11 बजे इस पर हमला हुआ। रॉयल थाई नेवी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चालक दल के 20 सदस्यों को बचाकर ओमान पहुँचाया है, जबकि तीन अन्य सदस्यों की तलाश अभी भी जारी है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा गलियारा है, जहाँ से वैश्विक कच्चे तेल की 20 प्रतिशत आपूर्ति होती है। इन हमलों के कारण यह मार्ग बाधित होने का खतरा पैदा हो गया है, जिससे वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति और कीमतों पर असर पड़ सकता है। इस बीच, भारत सरकार ने खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले लगभग एक करोड़ भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पुष्टि की कि हालिया संकट के दौरान एक पोत पर हुए हमले में दो भारतीयों की मौत हुई है और एक लापता है। वर्तमान में ईरान में लगभग 9,000 भारतीय नागरिक मौजूद हैं, जिनके साथ भारतीय दूतावास लगातार संपर्क में है। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इस क्षेत्र के विभिन्न देशों के नेताओं और अपने समकक्षों के साथ निरंतर संवाद कर रहे हैं ताकि स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सके।

## महाराष्ट्र में विधान भवन को बम से उड़ाने की धमकी, मीडिया को नहीं जाने दिया अंदर

**-गहन तलाशी के बाद झूठी निकली धमकी, ईमेल भेजने वाली की तलाश शुरु**

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र राज्य विधानसभा परिसर, विधान भवन को उड़ाने की धमकी देने वाले ईमेल के बाद गुरुवार को सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए, जिसके चलते बजट सत्र के दौरान जांच शुरू होने तक मीडियाकर्मियों और आम जनता को अंदर नहीं जाने दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को अधिकारियों को एक चिंताजनक ईमेल मिला, जिसमें दक्षिण मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित विधान भवन में बम विस्फोट की स्पष्ट चेतावनी दी गई थी। राज्य विधानसभा और विधान परिषद में गरमागरम राजनीतिक बहसों के बीच बजट पर सक्रिय रूप से विचार-विमर्श चल रहा था। अंदर मौजूद विधायक कड़ी निगरानी में कार्यवाही जारी रखे रहे, शुरुआत में उन्हें बाहरी अराजकता की जानकारी नहीं थी, क्योंकि इस खतरे ने महाराष्ट्र की विधायी संस्था के केंद्र में स्थित इस प्रतिष्ठित भवन में सामान्य आवागमन को बाधित कर दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक विधान भवन में बम निरोधक दस्ते ने गहन तलाशी के बाद परिसर को सुरक्षित घोषित कर दिया और धमकी को झूठी बताया। अब धमकी भरा ईमेल भेजने वाले व्यक्ति को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। सदन की कार्यवाही सुबह 11:00 बजे फिर शुरू हुई, जिससे बजट सत्र बिना किसी देरी के जारी रहा। महाराष्ट्र के गृह मंत्री पंकज भोइर ने खुलासा किया कि गुरुवार सुबह 6:27 बजे विधान भवन, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और हाईकोर्ट को निशाना बनाते हुए बम विस्फोट की चेतावनी वाला एक धमकी भरा ईमेल मिला था। जांच से पता चलता है कि ईमेल फर्जी था।

## आंध्र प्रदेश के घरों में खौल रही सफेद मौत, मिलावटी दूध से अब तक 12 की गई जान

**-इस घटना ने पूरे राज्य को हिला कर रख दिया, दूध विक्रेता हिरासत में जांच शुरु**

**गोदावरी (एजेंसी)।** आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले के अस्पताल के वार्डों में तड़पते बुजुर्ग, पेशाब रुकने से फूलते शरीर और उल्टियों के बीच अपनी आखिरी सांसें गिनते मासूमों ने पूरे राज्य को हिला कर रख दिया है। यह सब बुरे सपने से कम नहीं है। जहां सुबह की चाय और बच्चों का दूध धीमा जहर बनकर घरों में दाखिल हुआ। वरलक्ष्मी मिल्क डेरी से निकले उस मिलावटी दूध ने देखते ही देखते 12 घरों के चिराग बुझा दिए। यह महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि नृशंस सामूहिक हत्या जैसा है, जहां मुनाफे के लालच में दूध में घातक रसायन मिलाया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस खौफनाक कांड ने साबित कर दिया है कि हमारी खाद्य सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। आज 12 मौतें हुई हैं, लेकिन सवाल यह है कि इस वक्त कितने और घरों में यह सफेद मौत घूम रही है? पूरा इलाका श्मशान जैसी शांति और गहरे तनाव की चपेट में है, जहां हर दरवाजा खटखटाने वाला दूधवाला अब एक कातिल नजर आ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक इस समूह की पहचान सबसे पहले 22 फरवरी को हुई थी, जब कई बुजुर्ग व्यक्तियों को पेशाब न आना, उल्टी, पेट दर्द और अन्य दिक्कतों के चलते अस्पतालों में भर्ती कराया गया था।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कई विभागों में कार्रवाई शुरू कर दी गई है। नैदानिक ??जांच में रक्त में यूरिया और सीरम क्रिएटिनिन का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया, जो विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आने का संकेत देता है। शुरूआती जांच से पता चला है कि कोरुकोंडा मंडल के नरसपुरम गांव में स्थित वरलक्ष्मी मिल्क डेरी से 106 परिवारों को आपूर्ति किया जाने वाला दूध इसका स्रोत हो सकता है। आपूर्ति तुरंत रोक दी गई है। इलाके में आपातकालीन चिकित्सा शिविर स्थापित किये गए हैं और चिकित्सकों और विशेषज्ञों का एक दल तैनात किया गया है। डेरी से आवश्यक नमूने लिए गए हैं और संदिग्ध दूध विक्रेता अड्डाला गणेश्वरराव (33) को हिरासत में लिया है। डेरी को सील कर दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# जनसंख्या दर में भारी गिरावट के कारण जापान से भी ज्यादा बुरे हालात में सिक्किम

### भारत की जनसंख्या 2050 तक तेजी से बूढ़ी होगी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश कम फर्टिलिटी दर को लेकर परेशान है। इसका बड़ा कारण है कि भारत की जनसंख्या 2050 तक तेजी से बूढ़ी होगी। तब 60 साल से अधिक उम्र वालों की तादाद कुल जनसंख्या का लगभग 20 प्रतिशत होगा है। आजादी के 100वें साल तक देश में बच्चों से ज्यादा बुजुर्ग हो जाएंगे। सबसे बड़ी चुनौती सिक्किम में है। वहां जापान से भी बच्चे कम पैदा हो रहे हैं। सरकार करीब 4 बरस से प्रयास कर रही है, पर हालात नहीं सुधर रहे। देश की कुल जन्म दर (टीएफआर) 2.1 के स्थिर स्तर के मुकाबले 1.9-2.0 के बीच है, जबकि सिक्किम में यह बेहद निचले स्तर 1.1 तक पहुंच गई है। इसका मतलब है कि औसतन हर महिला 1.1 बच्चे को जन्म दे रही है। 2005-06 में यह 2.0 थी, 2015-16 में 1.2 और 2025-26 में 1.1 तक आ गई। इस गिरावट के चलते सिक्किम का हाल जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों से भी गंभीर हो गया है। अब सरकार नैशनल रिसर्च इंस्टीट्यूशन के साथ साझेदारी कर यह समझने की कोशिश कर रही है कि फर्टिलिटी क्यों कम हो रही है। सिक्किम जैसी स्थिति दुनिया के कई देशों की है। इसके बाद सिक्किम सरकार ने जन्म दर बढ़ाने के लिए कई प्रयास किए हैं। 2022 में शुरू की गई वात्सल्य योजना के तहत बांझपन जैसी समस्याओं से जूझ रहे दंपतियों को आईवीएफ जैसे महंगे उपचार के लिए 3 लाख रुपये की मदद दी गई। योजना शुरू होने के बाद 38 महिलाओं ने पंजीकरण कराया, जिससे स्पष्ट हुआ कि स्वास्थ्य कारण भी टीआरएफ घटने में योगदान दे रहे हैं।

इतना ही नहीं सिकिम्म सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए प्रोत्साहन नीति भी लागू की गई। दूसरे बच्चे पर वेतन वृद्धि, तीसरे बच्चे पर अतिरिक्त वेतन, महिला कर्मचारियों के लिए एक साल की मैटरनिटी लीव और पुरुषों को पैटरनिटी लीव दी गई। बच्चों की देखभाल के लिए अटेंडेंट की व्यवस्था की गई। निजी क्षेत्र में भी महिलाओं को दूसरे बच्चे पर 5,000 रुपये और तीसरे बच्चे पर 10,000 रुपये मासिक वित्तीय सहायता का प्रावधान है।

विश्व स्तर पर भी जन्म दर बढ़ाने की चुनौतियां आम हैं। सिंगापुर में टीआरएफ 1.0 के आसपास है, जबकि दक्षिण कोरिया में यह 0.7 तक गिर गई। इन देशों में लंबे समय से बेबी बोनस, टैक्स रिबेट, सस्ती चाइल्ड केयर और हाउसिंग इंसेंटिव जैसी नीतियां लागू हैं, लेकिन परिणाम सीमित रहे हैं। हंगरी को थोड़ी सफलता मिली है, जहां 2011 में टीआरएफ 1.23 था और सरकार ने हाउसिंग सब्सिडी, कम ब्याज पर कर्ज और चार या अधिक बच्चों वाली महिलाओं के लिए आयकर छूट जैसी नीतियां लागू कीं। 10 साल बाद टीआरएफ 1.5 तक बढ़ा, लेकिन यह भी रिप्लेसमेंट लेवल से कम है। जनसंख्या संतुलन बनाए रखने और बूढ़ी आबादी के बढ़ते बोझ को संभालने के लिए जन्मदर बढ़ाने के प्रयासों को और प्रभावी, समग्र और दीर्घकालिक रणनीतियों के साथ लागू करना होगा। इसके लिए स्वास्थ्य, वित्तीय प्रोत्साहन और सामाजिक समर्थन सभी आवश्यक हैं।

## फारूक अब्दुल्ला पर हमला: सुरक्षा घेरा तोड़कर पहुंचा था हमलावर, 20 साल से बना रहा था योजना

**जम्मू (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला बुधवार को एक भीषण हमले में बाल-बाल बच गए। जम्मू के बाहरी इलाके ग्रेटर कैलाश स्थित होटल रॉयल पार्क में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान एक सशस्त्र हमलावर ने उन पर बेहद करीब से निशाना साधने की कोशिश की। हालांकि, मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों की त्वरित कार्रवाई और मुस्तैदी के कारण एक बड़ी अनहोनी टल गई, लेकिन इस दौरान हमलावर की बंदूक से एक राउंड फायरिंग भी हुई जिससे समारोह में अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस ने हमलावर की पहचान 63 वर्षीय कमल सिंह जमवाल के रूप में की है, जो जम्मू के पुरानी मंडी इलाके का निवासी है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने सुरक्षा एजेंसियों के सामने जो खुलासे किए, वे चौंकाने वाले हैं। जमवाल ने दावा किया कि वह पिछले दो दशकों से फारूक अब्दुल्ला की हत्या की योजना बना रहा था और इसे अपना व्यक्तिगत एजेंडा बताया। आरोपी के पास से एक लोडेड पिस्तौल बरामद हुई है, जिसे उसने अपनी लाइसेंसी बंदूक बताया है। अधिकारियों के अनुसार, घटना के समय आरोपी नशे में धुत था और उसने खुद को एक अज्ञात जागरण मंच का अध्यक्ष भी बताया है। यह सनसनीखेज घटना

उस समय हुई जब फारूक अब्दुल्ला और केंद्र शासित प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी एक पार्टी नेता के बेटे के विवाह समारोह से वापस लौट रहे थे। सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि हमलावर पीछे से डॉ. अब्दुल्ला के बिल्कुल करीब पहुंच गया और उन पर बंदूक तान दी। इससे पहले कि वह घातक वार कर पाता, अब्दुल्ला की जेड प्लस सुरक्षा में तैनात क्लोज प्रोटेक्शन टीम ने फुर्ती दिखाते हुए उसे दबोच लिया। इस दौरान वहां मौजूद कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों ने आरोपी की जमकर धुनाई भी की। इस घटना ने जम्मू-कश्मीर में वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था की खामियों को उजागर कर दिया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस चूक पर गहरा दुख और आश्चर्य व्यक्त किया है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर एक व्यक्ति जेड प्लस सुरक्षा वाले पूर्व मुख्यमंत्री के इतने करीब लोडेड पिस्तौल के साथ कैसे पहुंच गया? वहीं, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने भी इसे सुरक्षा में भारी लापरवाही करार देते हुए कहा कि जब पूर्व सीएम, डिप्टी सीएम और सलाहकार एक ही स्थान पर मौजूद हों, तो ऐसी घटना सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलती है। फिलहाल जम्मू पुलिस ने मामला दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी आतंकी संलिप्तता से इनकार किया है, लेकिन इस बात की गहराई से तफ्तीश की जा रही है कि आरोपी हथियार के साथ सुरक्षा घेरे को भेदकर अंदर दाखिल होने में कैसे कामयाब रहा।

## मोनालिसा और फरमान खान की शादी पर विवाद शुरु, पति ने हर एक सवाल का दिया जवाब

**मुंबई (एजेंसी)।** प्रयागराज महाकुंभ के दौरान रुद्राक्ष की माला बेचते हुए अपनी सादगी और खूबसूरती से रातों-रात इंटरनेट सनसनी बनीं मोनालिसा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अपनी कजरारी आंखों और मुस्कान से लाखों प्रशंसकों का दिल जीतने वाली मोनालिसा ने अपने करियर की औपचारिक शुरुआत से पहले ही वैवाहिक जीवन में कदम रख दिया है। बुधवार को उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड और सह-अभिनेता फरमान खान के साथ शादी रचाई।

अपनी प्रेम कहानी का खुलासा करते हुए फरमान ने बताया कि वे दोनों एक फिल्म में साथ काम कर रहे थे, जहां से उनकी बातचीत शुरू हुई। फरमान के अनुसार, मोनालिसा ने ही उन्हें पहले प्रपोज किया था। उन्होंने कहा, हमारा प्यार महज 6 महीने पुराना है, लेकिन यह जुड़ाव 60 साल के बराबर महसूस होता है, इसलिए हमने साथ रहने का फैसला किया। शादी के बाद मोनालिसा ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि उन्हें केरल और वहां के लोग बहुत पसंद आए हैं। फरमान ने यह भी संकेत दिया कि यदि

मोनालिसा को यहां का वातावरण रास आता है, तो वे केरल में ही बसने पर विचार कर सकते हैं। फिलहाल इस नवविवाहित जोड़े ने केरल के स्थानीय लोगों और पुलिस प्रशासन को उनके कठिन समय में सहयोग करने के लिए शुक्रिया अदा किया है।

चूंकि फरमान मुस्लिम समुदाय से संबंध रखते हैं, इसलिए मोनालिसा के माता-पिता इस अंतरधार्मिक रिश्ते के सख्त खिलाफ थे। हालांकि, अपने प्यार को मुकम्मल करने के लिए मोनालिसा ने परिवार से बगावत का रास्ता चुना और घर छोड़कर शादी करने का फैसला किया। मोनालिसा और फरमान ने कानून का सहारा लेते हुए पहले केरल में सिविल मैरिज की और फिर तिरुवनंतपुरम के प्रसिद्ध अरुमनूर नैनार मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज के साथ विवाह बंधन में बंधे। इस दौरान पुलिस सुरक्षा के बीच फरमान ने मोनालिसा की मांग में सिंदूर भरा। इंटरनेट पर वायरल हो रही तस्वीरों में मोनालिसा लाल साड़ी, गले में वरमाला और मांग में सिंदूर लगाए बेहद खुश नजर आ रही हैं। इस शादी के बाद सोशल मीडिया पर एक विवाद भी खड़ा हो गया, जिसमें दावा किया गया कि मोनालिसा अभी नाबालिग हैं। इन खबरों पर लगाम लगाते हुए उनके पति फरमान खान ने सार्वजनिक रूप से मैरिज सर्टिफिकेट और आधार कार्ड दिखाते हुए स्पष्ट किया कि मोनालिसा 18 वर्ष से अधिक की हैं और पूरी तरह वयस्क हैं। उन्होंने मीडिया से कहा कि गलत खबरें फैलाई जा रही हैं कि वह मैच्योर नहीं हैं, जबकि कानूनी दस्तावेजों में उनकी जन्मतिथि इसका प्रमाण है।

# बिहार चुनाव में बीजेपी के बटुए से निकले 146.71 करोड़... जीते सबसे ज्यादा 89 विधायक

**-कांग्रेस ने 35.07 करोड़ रुपये खर्च किए, जीते सिर्फ 6 विधायक**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जीतने के लिए बीजेपी ने सभी पार्टियों से ज्यादा खर्च किया है। बीजेपी ने 146.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। वहीं कांग्रेस ने कुल 35.07 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। बीजेपी ने जमा पूंजी का 2 फीसदी खर्च किया, जबकि कांग्रेस ने अपनी कुल जमा पूंजी का 28 फीसदी पैसा खर्च किया है। बीजेपी ने बीते बिहार विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार ज्यादा पैसा खर्च किया। 2020 में बीजेपी ने करीब 54 करोड़ खर्च किए थे, लेकिन इस बार 146.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

बिहार में बीजेपी को पैसा खर्च करने का फल भी मिला। राज्य में 89 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस ने बीजेपी की तुलना में भले ही पैसा कम खर्च किया हो, लेकिन अपनी जमा पूंजी का बहुत बड़ा हिस्सा बिहार में खर्च किया।

चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बाद अपने खर्च की हिसाब देती हैं। इसके तहत बिहार चुनाव में खर्च किए पैसे का लेखा-जोखा सियासी दलों ने चुनाव आयोग को दिया हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी ने बिहार चुनाव खर्च की रिपोर्ट 10 फरवरी को चुनाव आयोग को सौंपी है, जिसमें पार्टी ने बताया है कि उसने 146.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। वहीं, बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने कुल 35 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, तब सीपीआई (एम) ने महज 26.75 लाख रुपये खर्च किए हैं। बहुजन समाज पार्टी ने बिहार चुनाव में सिर्फ 9.01 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। आरजेडी और जेडीयू सहित दूसरे दलों के खर्च का लेखा-जोखा अभी चुनाव आयोग को उपलब्ध नहीं कराया हैं।

बीजेपी ने चुनाव प्रचार के विज्ञापन पर खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा गूगल इंडिया लिमिटेड पर किया, जिसे पार्टी ने 14.27 करोड़ रुपये दिए। इसके अलावा बीजेपी ने अपने उम्मीदवारों पर 29.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जिसमें पार्टी ने उन्हें चुनाव लड़ने के लिए आर्थिक मदद के तौर पर दिया है। कांग्रेस ने बिहार चुनाव में खर्च किए गए 35 करोड़ रुपये में से 12.83 करोड़ रुपये स्टार कैंपेनर्स की यात्रा पर दिए। इसके अलावा कांग्रेस ने सोशल मीडिया कैंपने के लिए 11.24 करोड़ रुपये खर्च किए। इसके अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की बिहार में निकाली गई वोटर अधिकार यात्रा पर भी खर्च किए।

रिपोर्ट से पता चलता है कि बीते साल नवंबर में बिहार चुनाव खत्म होने पर बीजेपी का क्लोजिंग बैलेंस 7,088.58 करोड़ रुपये था। इसके मुताबिक चुनाव से पूर्व बीजेपी के पास 7235.26 करोड़ रुपये था, जिसमें से 146.71 करोड़ खर्च किया। इसके बाद 7,088.58 करोड़ रुपये बचे थे। इस तरह बीजेपी ने अपनी जमापूंजी का करीब 2 फीसदी पैसा ही बिहार चुनाव में खर्च किया है। वहीं, कांग्रेस के पास बिहार चुनाव के बाद कुल 89.13 करोड़ रुपये बचे थे। कांग्रेस ने चुनाव में 35.07 करोड़

रुपये खर्च किए हैं। इस लिहाज से कांग्रेस के चुनाव से पहले 124.2 करोड़ रुपये था, जिसमें से 35.07 करोड़ रुपये खर्च करने का मतलब साफ है कि पार्टी ने अपनी जमापूंजी का 28.23 फीसदी पैसा बिहार चुनाव में खर्च किया।

बिहार विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने सबसे ज्यादा 89 विधायक जीतने में सफल रही, जबकि कांग्रेस को महज 6 सीटें मिली हैं। बिहार चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस के द्वारा खर्च किए गए पैसे को विधायकों की संख्या के लिहाज से बीजेपी को एक विधायक 1 करोड़ 64 लाख का पड़ा। वहीं कांग्रेस के सिर्फ 6 विधायक जीते हैं, इसके बाद कांग्रेस को एक विधायक 5 करोड़ 83 लाख का पड़ा।

# रोमांच की रेस में जिंदगी की दौड़ हार गए पांच दोस्त

**कौमी पत्रिका**

गुरुग्राम। रफ्तार और रोमांच के शौक ने पांच दोस्तों की जान ले ली। थार में सवार इन युवकों और युवतियों की मौत इस कदर खौफनाक थी कि इनके शरीर के टुकड़े इधर-उधर बिखर गए और गाड़ी के परखचे उड़ गए। परिजनों को यकीन भी नहीं था कि जिस वक्त वह अपने घरों में चैन की नींद सो रहे हैं ठीक उसी पल हरियाणा के गुरुग्राम में एनएच-48 पर उनके बच्चे उन्हें जीवन में न भूलने वाला दर्द दे जाएंगे। पुलिस के अनुसार, क्षतिग्रस्त थार में सवार सभी दोस्तों को निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर जिस जगह हादसा हुआ है उससे करीब 200-250 मीटर पहले ही इबोला क्लब से निकलकर सभी दोस्त थार गाड़ी से एनएच-48 की सर्विस लेन से हाईवे पर पहुंचे थे। हाईवे पर करीब 140 की स्पीड़ से गुजरती थार सर्विस लेन के पास पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरा में कैद हुई है। वीडियो में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि थार गाड़ी की रफ्तार हाईवे पर 60 से 70 स्पीड में चल रहे अन्य वाहनों से करीब दोगुनी थी। कुछ लोग आशंका जता रहे हैं कि गौतम की होने वाली शादी को देखते हुए कहीं यह सभी दोस्त उससे बैचलर पार्टी लेने के लिए तो कहीं नहीं जा रहे थे। हालांकि यह सब कयास ही है। हादसे में एकमात्र बचे कपिल के होश में आने के बाद ही पता चलेगा सभी



कहां, क्यों और किसलिए जा रहे थे। हादसे में गंभीर रूप से घायल कपिल शर्मा के बयान देने की स्थिति में नहीं होने की वजह से पुलिस अब तक नहीं जान पाई है कि गाड़ी कौन चला रहा था। क्या किसी ने उसे तेज रफ्तार में गाड़ी चलाने से रोका नहीं और ये लोग नोएडा की ओर जाने वाले थे या उनका अन्य किसी स्थान पर घूमने का प्लान था। पुलिस का कहना है कि कपिल के होश में आने पर ही कई बातों से पर्दा उठेगा। सिग्नेचर टावर के पास इबोला क्लब से वापस जाते समय सभी छह युवक-युवतियां थार गाड़ी से निकले थे। इसके बाद वे दिल्ली-जयपुर हाईवे पर झाड़सा की ओर चले। दिल्ली-जयपुर हाईवे (एनएच-48) पर शनिवार सुबह हुए थार गाड़ी हादसे में सोनीपत के मोहाना गांव निवासी गौतम की मौत हो गई। गौतम की शादी की शहनाई बजने से पहले ही अर्थी उठानी पड़ी। गौतम के परिवार वालों ने बताया कि एक नवंबर को गौतम की शादी होनी थी। शादी की घर में जोर-शोर से तैयारियां चल रही थीं। गौतम के एक बड़ा भाई व एक बहन है, दोनों की शादी हो चुकी है। शनिवार को मोहाना गांव से गुरुग्राम पहुंचे गौतम के भाई गोविंद ने बताया कि सुबह नौ बजे पुलिस ने हादसे के बारे में सूचना दी तो परिवार एकदम से सकते में आ गया। गोविंद ने बिखलते हुए बताया कि घर पर गौतम की शादी का कार्ड छपने व बांटने, कपड़े व गहने खरीदने सहित अन्य कार्य किए जा रहे थे लेकिन इस हादसे से उनकी खुशियां ही उजाड़ दीं। शुक्रवार दोपहर करीब 12.30 बजे गौतम से कॉल पर बात हुई थी। गौतम जीजा ने बताया कि कुछ समय पहले ही गौतम नोएडा स्थित सैमसंग कंपनी में जॉब पर लगा था। गुरुग्राम में रफ्तार और रोमांच के शौक ने पांच दोस्तों की जान ले ली। एनएच-48 पर दिल्ली से जयपुर की ओर जाने वाली लेन पर बेकाबू थार ने शनिवार सुबह कई परिवारों के सपनों को रौंद दिया। परिवार वालों को भी नहीं पता था कि जिन बेटे-बेटियों को पढ़ा-लिखाकर अच्छी नौकरी या बिजनेस के लिए तैयार कर रहे थे, वे अब सिर्फ यादों में रह जाएंगे। गाड़ी की हालत को देकर अंदाजा ही लगाया जा सकता है कि रफ्तार कितनी होगी। पुलिस के अनुसार, पूरी तरह से क्षतिग्रस्त थार में उसमें सवार सभी दोस्त फंस गए थे। उनको बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर जिस जगह पर हादसा हुआ है उससे करीब 200-250 मीटर पहले ही इबोला क्लब से निकलकर सभी थार गाड़ी से एनएच-48 की सर्विस लेन से हाईवे पर पहुंचे थे। हाईवे पर तेज रफ्तार में गुजरती थार गाड़ी सर्विस लेन के पास पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरा में साफ दिखाई दे रही है। वीडियो में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि थार गाड़ी की रफ्तार हाईवे पर चल रहे अन्य वाहनों से दोगुनी थी। पुलिस की जांच में सामने आया है कि सिग्नेचर टावर के पास इबोला क्लब से वापस जाते समय सभी छह युवक-युवतियां थार गाड़ी से निकले थे। इसके बाद वे दिल्ली-जयपुर हाईवे पर झाड़सा की ओर चले। अभी इस बात का पता नहीं चला है कि क्लब से निकलने के बाद सभी युवा नोएडा की ओर जाने वाले थे या उनका अन्य किसी स्थान पर घूमने जाने का प्लान था। पुलिस का कहना है कि हादसे में गंभीर रूप से घायल कपिल शर्मा के बयान दर्ज नहीं किए जा सके हैं। उनकी हालत में थोड़ा सुधार होने के बाद ही बयान दर्ज किए जाएंगे और हादसे के सही कारणों का पता चल सकेगा।

## ड्रग्स सप्लाई में नाइजीरियाई और एक महिला समेत छह गिरफ्तार

दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने ड्रग्स सप्लाई करने वाले दो नाइजीरियाई नागरिक और महिला समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को दिल्ली, ग्रेनो और बेंगलुरु से पकड़ा गया है। इनके कब्जे से लगभग 21 करोड़ रुपये के मूल्य का 7 किग्रा मेथमफेटामाइन बरामद की गई है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया, 19 जुलाई को एक सूचना मिली कि केरल में एनडीपीएस के विभिन्न मामलों में वांछित सुहैल दिल्ली से बेंगलुरु, केरल और दक्षिण भारत के विभिन्न हिस्सों में प्रतिबंधित मादक पदार्थों की सप्लाई करता है। टीम ने दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के एक बीएनबी गेस्ट हाउस से केरल के कन्नूर निवासी सुहैल और सुजिन को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 5950 ग्राम मेथमफेटामाइन बरामद किया गया। जांच में पता लगा कि आरोपी व्हाट्सएप पर बातचीत के लिए नाइजीरिया का नंबर का इस्तेमाल कर रहा था। इसके बाद पुलिस ने दिल्ली के छतरपुर इलाके में रहने वाले अफ्रीकी नागरिक टोबी डेको को गिरफ्तार कर लिया।

## युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर तमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था। पुलिस के मुताबिक रविवार को बाबू जग जीवन राम अस्पताल से वारदात की सूचना मिली थी।

## रंजिश में युवक पर चलाई गोली, बाल बाल बचा

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है। वहीं, गोलीबारी करने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं। जिस जगह पर घटना हुई है वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। घटना के बाद से नामजद सभी आरोपी अपने घर से गायब हैं। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए इनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

# शराब के लिए पैसे मांगने पर मुंहबोले चाचा को भतीजे ने सिर पर ईंट मारकर मौत के घाट उतारा

कानपुर। कल्याणपुर में शराब के लिए पैसे मांगने पर मुंहबोले चाचा को भतीजे ने सिर पर ईंट मारकर मौत के घाट उतार दिया। नशे में धुत चाचा ने भतीजे से दो तीन बार पैसे की मांग की जब भतीजे ने पैसे देने से मना किया तो उसने भतीजे पर ईंट से हमला कर दिया। इसी दौरान भतीजे ने भी उस पर ईंट से कई वार कर दिए। जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक एसीपी कल्याणपुर ऑफिस में सफाई का काम करता था। कुछ दिन पहले काम छोड़ दिया था। शनिवार को पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया गया। कल्याणपुर के नानकारी में बीते मंगलवार शाम को सोनू बाल्मिक (30) की बारासिरोही में एक खाली प्लॉट में खून से लथपथ हालत में पड़ा था। सोनू एसीपी कल्याणपुर ऑफिस में सफाई का काम करता था। हमलावर उसे मरा समझकर मौके पर छोड़कर फरार हो गया था। बुधवार सुबह क्रिकेट खेल रहे बच्चों ने घायल सोनू को पड़ा देखा, जिसके बाद परिजनों को सूचना दी गई। परिजन सोनू को हैलट ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। मृतक के पिता रामवीर ने बेटे की हत्या की आशंका जताते हुए तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि वारदात को सोनू के मुंहबोले भतीजे अतुल वाल्मीकि ने अंजाम दिया था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह सोनू को लंबे समय से जानता था। उसे चाचा कहता था। मंगलवार शाम दोनों की मुलाकात शराब की दुकान पर हुई थी। सोनू ने शराब पीने के लिए पैसे मांगे, जिसे देने से उसने इनकार कर दिया। इस पर सोनू गाली-गलौज करते हुए पास के खाली प्लॉट में जाकर बैठ गया। जब वह वहां पहुंचा तो सोनू ने फिर गालियां दीं। इसके बाद ईंट से हमला कर दिया। उसके बाद आक्रोश में अतुल ने भी पास में पड़ी ईंट से सोनू के सिर पर कई वार कर दिए। खून बहता देख वह घबरा गया और मौके से फरार हो गया था। डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच में शराब को लेकर अतल वाल्मीकि से विवाद की बात सामने आई थी।जिसके बाद अतुल वाल्मीकि को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है और उसे जेल भेज दिया गया।

## हथियार के मुख्य आपूर्तिकर्ता समेत छह गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी जिले में हथियार मुहैया करने वाले मुख्य आपूर्तिकर्ता समेत छह बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चार पिस्टल और छह कारतूस बरामद किए हैं। जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि निहाल विहार इलाके में निलोठी-मीराबाग रोड पर खट्टा के पास एक युवक के हथियार लेकर घूमने की जानकारी मिली। 26 सितंबर को पुलिस ने वहां छापा मारकर निहाल विहार निवासी रवि को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से पुलिस ने दो पिस्टल और चार कारतूस बरामद किए। रवि ने पूछताछ में बताया कि उसने आयुष से हथियार खरीदे थे। पुलिस ने 27 सितंबर को निहाल विहार निवासी आयुष और दीपक को गिरफ्तार कर लिया। दो अक्तूबर को गंदा नाला पुलिया के पास से बागपत यूपी निवासी संजय को और निहाल विहार निवासी विपुल और गाजियाबाद यूपी निवासी ऋषभ पाल को गिरफ्तार कर लिया।

## द्वारका में 40 फीसदी छूट के साथ उठाएं गोल्फ का आनंद

नई दिल्ली। डीडीए (दिल्ली विकास प्राधिकरण) ने गोल्फ प्रेमियों के लिए एक खास उत्सव सीजन ऑफर की घोषणा की है। इसके तहत द्वारका गोल्फ कोर्स (सेक्टर-24) में सभी श्रेणियों की टेन्योर मेंबरशिप और ग्रीन फीस पर 40 फीसदी छूट दी जा रही है। यह ऑफर सीमित अवधि के लिए है और पहले 1000 सदस्यों के लिए पहले आओ, पहले पाओ, के आधार पर उपलब्ध होगा। डीडीए के अनुसार योजना के तहत सरकारी कर्मचारियों के लिए तीन साल की मेंबरशिप अब 1.20 लाख और पांच साल की मेंबरशिप 1.80 लाख रुपये में मिलेगी। गैर-सरकारी सदस्यों के लिए यह शुल्क 3.60 लाख (3 साल) और 5.40 लाख (5 साल) के लिए निर्धारित किया गया है। द्वारका के सेक्टर-24 में स्थित यह 18-होल गोल्फ कोर्स 7377 गज में फैला है और 158 एकड़ में विशाल हरित क्षेत्रों के साथ देश का सबसे लंबा गोल्फ कोर्स है।

## पड़ोसियों के झगड़े से शुरू मुकदमा बच्चों को पिज्जा बांटने पर खत्म

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने पड़ोसियों के बीच पालतू जानवरों के रखरखाव को लेकर हुए विवाद में एक अनोखा आदेश जारी किया है। न्यायमूर्ति अरुण मोंगा ने दोनों पक्षों द्वारा दर्ज क्रॉस एफआईआर को रद्द करने की शर्त पर उन्हें संयुक्त रूप से संस्कार आश्रम के बच्चों को पिज्जा बांटने का निर्देश दिया है। इसमें जीटीबी अस्पताल के पास स्थित संस्कार आश्रम के बच्चों, कर्मचारियों और अन्य स्टाफ को मिक्स वेजिटेबल पिज्जा और अमूल छाछ का टेट्रा पैक परोसना शामिल है। मानसरोवर पार्क इलाके में मामूली विवाद से शुरू झगड़े में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि पड़ोसियों के बीच निजी विवाद था, जो पालतू जानवरों के संचालन से संबंधित था। दोनों पक्षों ने एक जुलाई को समझौता कर लिया था। कोर्ट ने माना कि आपराधिक कार्यवाही जारी रखना कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा और इससे पड़ोसियों के बीच शत्रुता बढ़ सकती है। कोर्ट को पता चला कि एक शिकायतकर्ता पिज्जा बनाने और बेचने के व्यवसाय में हैं। इसलिए, आदेश दिया गया कि पिज्जा उसी शिकायतकर्ता द्वारा तैयार किए जाएंगे और दोनों पक्ष मिलकर उन्हें परोसेंगे। प्रत्येक बच्चे, अटेंडेंट और स्टाफ को एक पिज्जा और एक अमूल छाछ दी जाएगी। मेनू की सॉफ्ट कॉपी जांच अधिकारी के व्हाट्सएप पर भेजी गई है, ताकि पिज्जा की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

## ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। जालसाज ठगी के लिए मलयेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव नंगला गालू निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ित के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेंद्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क इंफॉर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के लिए कहा। आरोपी ने पीड़ित से वियतनाम के वीजा के लिए 10 हजार रुपये ले लिए। पीड़ित वीजा मिलने पर वियतनाम पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने ऑस्ट्रेलियाई वीजा के लिए बैंक बैलेंस दिखाने का बहाना बनाकर पीड़ित से 3 हजार डालर यानि (करीब 3.12 लाख रुपये) की मांग की। पैसे ट्रांसफर होते ही आरोपियों ने धर्मेंद्र को ब्लॉक कर दिया।


**NAME CHANGE**

I, KAMESHWAR SAH is a real father of No JC- 393199P Rank NBSUB Name ASHOK KUMAR presently residing VILL - KURTHA PO - KURTHA PS - KURTHA TEH - JEHANABAD DISTT – ARWAL, BIHAR-804421 have changed my name from KAMESHWAR SAW to KAMESHWAR SAH for all future purposes. Vide Affidavit Dated 12/03/2026 Before Notary Public New Delhi.

**NAME CHANGE**

I hitherto known as AMRIT SHARMA D/O Girish Kumar R/O RZH-137, GALI NO-5, SOLANKI CHOWK, PALAM GAON, Raj Nagar Part 2, South West Delhi, Delhi-110077, have changed my name and shall hereafter be known as AMRITA SHARMA.

**NAME CHANGE**

I DEVKI SHARMA W/O PUSHKAR DATT SHARMA R/O RZ-520A/407 GALI NO-15F SHIVPURI WEST SAGARPUR DELHI 110046 Changed my name to DEVKI DEVI SHARMA

**NAME CHANGE**

I PUSHKAR DUTT SHARMA S/O KEDAR DATT R/O RZ-520A/407 GALI NO-15F SHIVPURI WEST SAGARPUR DELHI 110046 Changed my name to PUSHKAR DATT SHARMA

**NAME CHANGE**

I, Angelina D/o S Anthony R/o 398, 2nd Floor, Hanuman Mandir Road, Chirag Delhi, Delhi-110017 have changed my name to Anjalina for all future purposes.

**NAME CHANGE**

It is for general information that I, SANGITA W/O DOODH NATH D/O PARAS NATH YADAV R/O 66, BLOCK A, LIONS ENCLAVE, VIKAS NAGAR, DELHI-110059, declare that name of mine and my husband has been wrongly written as SUNITA DEVI and DUDHNATH in my Aadhaar Card-308587025513. And the name of mine has been wrongly written as SUNITA DEVI in my PAN Card-DUNPD0501F. The actual name of mine and my husband are SANGITA and DOODH NATH respectively which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**

I DHARAMVIR SINGH S/O HOSHIYAR SINGH R/O VPO DOBH ROHTAK HARYANA 124001 have changed my name to DHARMBIR SUHAG Permanently for all Future purpose

**NAME CHANGE**

I, Munee Davi legally mother of JC-782973M Nb Sub (DW) SANJAY SINGH YADAV, Presently residing at Village - Durga Ka Pura, PO - Kajoo, Tehsil-Chayal, District-Kaushambi, State Uttar Pradesh declare that I have changed my name from Munee Davi to Munni Devi vide affidavit No IN UP49968378584886Y dated 11Mar 2026.

**NAME CHANGE**

It is for general information that I ALAM ARA BEGUM W/O SK MAHINUDDIN R/O J-3/24 D Khirki Extension, 4th Floor, Malviya Nagar, South Delhi, Delhi-110017 declare that name of mine has been wrongly written as SK ALEMARA BEGUM in my minor son SK ABDUL KAYEAS aged 14 years in his school record and Birth certificate No-MCDOLIR-0114-006364777. The actual name of mine is ALAM ARA BEGUM.

**NAME CHANGE**

I hitherto known as GULSHAN KUMAR ARORA alias GULSHAN KUMAR S/o KARAM CHAND, R/o HOUSE NO-A-187, DOUBLE STOREY, KALKAJI, DELHI-110019 have changed my name and shall hereafter be known as GULSHAN KUMAR. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

**NAME CHANGE**

I, BIBHA PATHARI LOING wife of JC-423614H, Rank-SUB, Name-SAMINDRA LOING residing at VILL-GUTUNG BALI GAON, PO-MOHURA MUKH, BONQUAL, DIST-GOLAGHAT, ASSAM-785619, have changed my name from BIBHA PATHARI LOING to BIBHA PATHORI LOING for all future purposes vide Affidavit dated 12/03/2025 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

It is for general information that I, Simran Devkumar D/o Kochiyel Devkumar R/o A-402, Shaurya Apartments, Plot No-B9/7B, Sector-62, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, declare that name of my mother has been wrongly written as Geetika in my 10th Class School Certificates Cum Marksheet. The actual name of my mother is Geetika Kurar, which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**

I hitherto known as MANVENDRA S/o UDAYBHAN, R/o 126, Tiwaripur Bagiya, Jajmau, Shiwans Tenray, Kanpur Nagar, Uttar Pradesh-208010, have changed my name and shall hereafter be known as MANVENDRA SINGH, for all future purposes.

**NAME CHANGE**

I hitherto known as SARLA DEVI D/o MANNI LAL, and W/o HANSRAJ, R/o House No. 888, B-Block, Sangam Vihar, Loni Dehat, PO: Loni, Distt. Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102, have changed my name and shall hereafter be known as SAROJ, for all future purposes.

**NAME CHANGE**

I, MANZOOR UL HAQ S/O SAMI UL HAQUE R/O HOUSE NO. 3675-3679, THIRD FLOOR, QAZI APARTMENT, NETAJI SUBHASH MARG, DARYA GANJ, NEW DELHI - 110002, HAVE CHANGED MY NAME FROM MANZOOR UL HAQ TO MANZOOR UL HAQUE FOR ALL PURPOSES.

**NAME CHANGE**

I hitherto known as BHAVISHYA S/O MOHAN SINGH R/O H.NO. 88, RATI RAM COLONY, BAHAITA HAJEEPUR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH - 201102 have changed my name and shall hereafter be known as ARYAN.

**NAME CHANGE**

I hitherto known as Vinesh W/o Mahakar R/o 483, Saidpur Husainpur Deelna, Modinagar, Saidpur, Govindpuri, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201201 have changed my name and shall hereafter be known as Binesh.

**NAME CHANGE**

I, SUMEET KUMAR S/o BALKISHAN R/o 1330, Pana Paposian, Mamoor Pur, Narela, North West Delhi, Delhi - 110040 have changed the name of my minor son ARNAV aged 12 years and he shall hereafter be known as ARNAV ARYA.

**NAME CHANGE**

I, SOURAV KUMAR S/o BAL KISHAN R/o House No. 1330, Pana Paposian, Narela, North West Delhi, Delhi - 110040 have changed the name of my minor son MANVIK aged 7 years and he shall hereafter be known as MANVIK ARYA.

**NAME CHANGE**

I, SUMEET KUMAR S/o BALKISHAN R/o 1330, Pana Paposian, Mamoor Pur, Narela, North West Delhi, Delhi - 110040 have changed the name of my minor daughter AASHVI aged 6 years and she shall hereafter be known as AASHVI ARYA .

**NAME CHANGE**

I hitherto known as SUSHIL RANI alias SUSHIL KAPOOR D/o NARAIN DASS DHINGRA W/o RAMMI KAPOOR R/o A 901, Crescent Apartments, Sector - 18 A, Plot No. 2 , Dwarka N.S.I.T Dwarka , Sector - 18 , South West Delhi, Delhi - 110078 have changed my name and shall hereafter be known as SUSHIL KAPOOR.

**NAME CHANGE**

I hitherto known as SHOBHANA SHARMA D/o Late Shri INDER PAL KAPOOR W/o AJAY BEDI R/o WZ-251/Q, First Floor, Virender Nagar, Street Number – 1, Near by Dilli Haat, Janakpuri, West Delhi, Delhi – 110058 have changed my name and shall hereafter be known as SHOBHANA BEDI.

**NAME CHANGE**

I, SHALESH SHARMA S/o JOGINDER PAL SHARMA R/o H.No - B - 8 - 1st Floor , Street No - 8 , South Anarkali , VTC : Krishna Nagar , Dist : East Delhi , Delhi - 110051 have changed the name of my minor daughter DHWANI SHARMA aged 13 years and she shall hereafter be known as DHAWANI SHARMA .

**NAME CHANGE**

I, KAMLA DEVI is a real mother of No JC- 393199P Rank NBSUB Name ASHOK KUMAR presently residing VILL - KURTHA PO - KURTHA PS - KURTHA TEH - JEHANABAD DISTT – ARWAL, BIHAR-804421 have changed my name from KAMALA DEVI TO KAMLA DEVI for all future purposes. Vide Affidavit Dated 12/03/2026 before Notary Public New Delhi.

**NAME CHANGE**

I, Priyanka Vohra D/o Tilak Singh Vohra, R/o HL-15, L-Block, Jail Road, Hari Nagar, Delhi-110064 have changed my name to Priyanka Kaur Vohra.

**NAME CHANGE**

I, VINAY KUMAR RAY S/O KAMLESH RAY R/O HOUSE NO-4, KANWAR INDUSTRIAL VILLAGE, NEHAR PAAR, SECTOR-95, GREATER FARIDABAD, BADARPUR SAID (111), FARIDABAD, HARYANA-121101 HAVE CHANGED MY NAME TO VINAY RAY FOR ALL FUTURE PURPOSES

**NAME CHANGE**

I Shitla Prasad Mishra S/o Raj Karan Mishra R/o B - 28, Kushak No.1, Qadipur, Burari, Delhi - 110036 have changed my name to Shitala Prasad Mishra for all future purposes.

**NAME CHANGE**

I, RAJBAHADUR YADAV, legally father of JC-782973M Nb Sub (DW) SANJAY SINGH YADAV, Presently residing at Village - Durga Ka Pura, PO - Kajoo, Tehsil-Chayal, District-Kaushambi, State Uttar Pradesh declare that I have changed my name from RAJBAHADUR YADAV to RAJBAHADUR vide affidavit No IN UP49966347260793Y dated 11Mar 2026.


**NAME CHANGE**

I, Munee Davi legally mother of JC-782973M Nb Sub (DW) SANJAY SINGH YADAV, Presently residing at Village - Durga Ka Pura, PO - Kajoo, Tehsil-Chayal, District-Kaushambi, State Uttar Pradesh declare that I have changed my name from Munee Davi to Munni Devi vide affidavit No IN UP49968378584886Y dated 11Mar 2026.


**NAME CHANGE**

I, Pooja D/o Narender R/o M-117, M-Block, Uttam Nagar, D K Mohan Garden, Delhi-110059 have changed my name to Pooja Kapoor.

**सार्वजनिक सूचना**

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री पवन कुमार की पत्नी श्रीमती विभा देवी, खसरा संख्या 60 में स्थित खसरा नगर के संपत्ति क्रमांक 238 और 239 (30 वर्ग गज क्षेत्रफल) को श्री पवन कुमार के पुत्र श्री विश्वभर झा द्वारा निष्पादित दिनांक 25.02.2026 के पंजीकृत पारिवारिक अनुबंध के अनुसार श्रीमती मंजू देवी को बेचा जा रहा है। इस संपत्ति का वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान सूचना के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

**Rahul Raj, Advocate,**
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi, Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

**NAME CHANGE**

I, BHATERI DEVI Mother of JC-472529K Rank-SUB/HONY LT Name-TULSI RAM residing at SANJARPUR (16), REWARI, HARYANA-123501, have changed my name from BHATERI DEVI to BHETERI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 12/03/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I,Mohammad Khalid S/O Mohd Ali R/O B-633, B block resettlement colony khayala delhi 110018, Changed my name to Mohd Khalid.

**NAME CHANGE**

I, SARASWATHI A Mother of PRADEEPAN E (Service No JC-594101M SUBEDAR MAJOR UNIT -JAK LI REGT CENTRE C/O 56 APO) Resident of VILL-MADAYI, PO-VENGARA, TEHSIL AND DISTRICT- KANNUR, KERALA in my son service record my Name & DOB written wrong as SARASWATHI and DOB as 45 years instead of SARASWATHI A and DOB as 01/11/1954 Now I am applying for correction vide E Stamp No KL047308607202526E concern please note.

**NAME CHANGE**

I, KRISHNAN T Father of PRADEEPAN E (Service No JC-594101M SUBEDAR MAJOR UNIT JAK LI REGT CENTRE C/O 56 APO) Resident of VILL-MADAYI, PO-VENGARA, TEHSIL AND DISTRICT KANNUR, KERALA in my son service record my Name & DOB written wrong as T KRISHNAN and DOB as 49 years instead of KRISHNAN T and DOB as 17/05/1949 Now I am applying for correction vide E Stamp No KL047309867202526E concern please note.

**NAME CHANGE**

I, hitherto known as PARUL RAIZADA alias PARUL CHOPRA W/O VIPUL CHOPRA D/O ANIL RAIZADA R/O E-41, GREATER KAILASH-1, GREATER KAILASH, SOUTH DELHI, DELHI-110048 have changed my name and shall hereafter be known as PARUL CHOPRA.

**NAME CHANGE**

I hitherto known as SPARSH S/O DALIP KUMAR R/O 319/2, Paschim Puri, West Delhi, Delhi-110063 have changed my name and shall hereafter be known as SPARSH SETH.

**LOST AND FOUND**

"I, SURENDER KUMAR SHARMA R/o D-58-B, GALI No.3, LAXMI NAGAR, DELHI-110092, INFORM THAT TWO FILES CONTAINING ORIGINAL GPA, AGREEMENT TO SALE, WILL DEED, AFFIDAVIT, PAYMENT RECEIPT AND ALL OTHER DOCUMENTS PERTAINING TO MY RESIDENCDE D-58-B, GALI No.3, PURCHASED ON 12-12-2002 AND FLAT D-197 (FIRST FLOOR) GALI NO.9, PURCHASED ON 21-05-1996 BOTH IN LAXMI NAGAR, DELHI-110092 HAVE BEEN LOST/MISPLACED. FINDER PLEASE INFORM ON MOB. 9899238182"

**NAME CHANGE**

I,VINAY S/O Vishambhar Nath Srivastava R/o B-701 Max Height Dream Home Apartment Sector-61 Kundali-Haryana, have changed my name to VINAY KUMAR SRIVASTAVA Permanently

**NAME CHANGE**

I,ANJANA W/O Vinay Kumar Srivastava R/o B-701 Max Height Dream Home Apartment Sector-61 Kundali- Haryana, have changed my name to ANJANA SRIVASTAVA Permanently

**NAME CHANGE**

I MOHINDER KUMAR S/O ARJUN LAL R/O G-75 GALI NO-5 VISHWASH PARK UTTAM NAGAR DELHI-110059 have changed my name to MAHENDER GUPTA Permanently for all Future purpose

**NAME CHANGE**

I DHURUV S/O RAKESH KUMAR R/O H.NO 10841/44 GALI PHOOL WALI MANAK PURA, KAROL BAGH, CENTRAL DELHI, 110005 have changed my name to DHRUV Permanently for all Future purpose

**NAME CHANGE**

I GUR PRASAD SINGH REENA S/O SARDAR SINGH REENA R/O H.NO -B- 605, PLOT NO -02 SANSAD VIHAR SECTOR -3 DWARKA DELHI-110075 have changed my name to GURPARSHAD SINGH REENA Permanently for all Futurey

**NAME CHANGE**

I, Jyoti Kumar S/o Rajendra Prasad Sharma, R/o Flat No.-412, Tower-B, Marvel Homes Apartment, Plot No.-B-17, Sector-61, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, have changed the name of my minor Daughter Shivangi Singh, aged 17 years and She shall hereafter be known as Shivanshi Singh.

**अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**

**धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए**

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आसिफ उर्फ सोनू पुत्र शाहिद निवासी मकान नंबर डी-350, शहीद नगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उ.प्र.** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 607/2021, धारा 25 आर्म्स एक्ट, थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **आसिफ उर्फ सोनू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **आसिफ उर्फ सोनू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 607/2021, धारा 25 आर्म्स एक्ट, थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **आसिफ उर्फ सोनू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.04.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

**आदेशानुसार**
**श्री वैभव गर्ग**
**न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-11**
**केंद्रीय, कोर्ट नं. 138, प्रथम तल**
**तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली-110054**

**DP/3112/N/2026**



**कौमी पत्रिका**

**संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर**
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

**Corporate Office:**
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

**E - mail address :**
qpatrika@gmail.com
**Website:** www.qaumipatrika.in

**R.N.I. No.**
**UP-HIN/2007/21472**

**Legal Advisors:**
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

## ग्रीनफील्ड कनेक्टिविटी योजना से हरियाणा को मिलेगा लाभ

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने केंद्र सरकार द्वारा ग्रीनफील्ड कनेक्टिविटी परियोजना के लिए 3630.77 करोड़ रुपये मंजूर किए जाने के फैसले का स्वागत किया है। इस परियोजना से हरियाणा को काफी लाभ मिलेगा। केंद्र सरकार के फैसले के बाद सोशल मीडिया एक्स पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने लिखा कि केंद्रीय केबिनेट द्वारा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे से जोडऩे वाली ग्रीनफील्ड कनेक्टिविटी परियोजना हेतु 3,630.77 करोड़ की संशोधित लागत को दी गई स्वीकृति अत्यंत स्वागतयोग्य है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश के मध्य 31.42 किमी लंबा यह अत्याधुनिक कॉरिडोर, जिसमें फरीदाबाद क्षेत्र में 11 किमी का एलिवेटेड सेक्शन भी शामिल है, हरियाणा के एनसीआर क्षेत्र के लिए विकास के नए अवसर लेकर आएगा। इससे आवागमन सुगम होने के साथ औद्योगिक विकास, निवेश, लॉजिस्टिक्स और रोजगार सृजन को भी नई गति मिलेगी।

## हरियाणा के औद्योगिक क्षेत्रों में तैनात होंगी एंबुलेंस

**चंडीगढ़।** हरियाणा में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने की दिशा में राज्यपाल एवं हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष प्रोफेसर असीम कुमार घोष गुरुवार को लोकभवन से रेडक्रॉस की नई एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी ने बताया कि वर्ष 2025 में राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने हरियाणा रेडक्रॉस मुख्यालय का दौरा किया था, तब उन्होंने रेडक्रॉस सेवाओं को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से 10 एंबुलेंस उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। उसी घोषणा के अनुरूप अब इन नई एंबुलेंसों को लोकभवन से हरी झंडी दिखाई जाएगी। इन एंबुलेंसों को औद्योगिक एसोसिएशनों को सौंपा जाएगा ताकि वहां कार्यरत श्रमिकों को आपातकालीन स्थिति में समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इसके साथ ही श्रमिकों को दुर्घटना या अचानक स्वास्थ्य खराब होने की स्थिति में तुरंत अस्पताल पहुंचाने की सुविधा मिल सके। औद्योगिक क्षेत्रों में अक्सर कार्य के दौरान दुर्घटनाओं या स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों की संभावना रहती है। अंकुश मिगलानी ने कहा कि नई एंबुलेंस मिलने से आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं का दायरा और मजबूत होगा तथा जरूरतमंदों को समय पर मदद उपलब्ध कराना और आसान हो जाएगा।

## हरियाणा सरकार का दावा पेट्रोल, डीज़ल व एलपीजी की आपूर्ति सामान्य

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में बुधवार को खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में वर्तमान में मिडिल ईस्ट में उत्पन्न युद्ध जैसी परिस्थितियों के कारण एलपीजी गैस की आपूर्ति बाधित होने संबंधी फैल रही अफवाहों की स्थिति पर चर्चा की गई। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू, महानिदेशक अंशज सिंह तथा ऑयल कंपनियों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान अधिकारियों ने अवगत करवाया कि भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी एक आदेश में प्राथमिक क्षेत्रों के लिए घरेलू एलपीजी की आपूर्ति तथा उसके समुचित एवं समान वितरण एवं उपलब्धता सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा - निर्देश जारी किये गए हैं। ऑयल कंपनियों के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि वर्तमान में पेट्रोल, डीज़ल एवं घरेलू एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य है तथा ऑयल कंपनियों के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त गैस की आपूर्ति निरंतर रूप से प्राप्त हो रही है। कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति में अस्थाई रूप से बाधा आ रही है। कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति में प्राथमिकता शिक्षण संस्थानों और अस्पतालों को दी जा रही है और शेष आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए ऑयल कंपनियां लगातार प्रयास कर रही हैं। सरकार द्वारा यह भी सुनिश्चित किया गया है कि घरेलू एलपीजी गैस की निर्बाध आपूर्ति बनी रहे तथा किसी भी प्रकार की चोरी या कालाबाज़ारी पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से राज्य के सभी उपायुक्तों, पुलिस अधीक्षकों और जिला खाद्य एवं आपूर्ति तथा पूर्ती नियंत्रकों को आवश्यक दिशा - निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

## हिसार में डीएफएससी ने बुलाई एजेंसी संचालकों की आपात बैठक, कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई बंद

**हिसार।** जिले में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई बंद होने से होटल, ढाबा और रेस्टोरेंट संचालकों के सामने संकट खड़ा हो गया है। गैस एजेंसियों के अनुसार फिलहाल कंपनियों की ओर से कमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति रोक दी गई है, जिससे कारोबार प्रभावित होने लगा है। इसी तरह घरेलू गैस सिलेंडर अब करीब 25 दिन के अंतराल पर ही मिल पाएगा। ऐसे में कई होटल संचालकों को वैकल्पिक इंतजाम करने पड़ रहे हैं। स्थिति को देखते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक (डीएफएसई) अमित शेखावत ने जिले की सभी गैस वितरक एजेंसियों की आपात बैठक बुलाकर उन्हें आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में कंपनियों से सप्लाई की स्थिति, स्टॉक और उपभोक्ताओं को होने वाली परेशानी पर चर्चा की जाएगी। उधार, गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई रुकने से सबसे ज्यादा असर होटल, ढाबा और रेस्टोरेंट कारोबार पर पड़ रहा है।

# हरियाणा और कनाडा नवाचार व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मजबूत साझेदारी स्थापित कर सकते हैं : नायब सैनी

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने आवास संत कबीर कुटीर पर इंडो-कनाडा चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रशांत श्रीवास्तव के नेतृत्व में आए एक प्रतिनिधिमंडल के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा कनाडा के साथ बढ़ते सहयोग को एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में वे देश और क्षेत्र तेजी से प्रगति कर रहे हैं, जो ज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर आधारित साझेदारियां स्थापित कर रहे हैं। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा और कनाडा कई ऐसे क्षेत्रों में मिलकर काम कर सकते हैं, जिनसे साझा प्रगति और सतत विकास का एक मजबूत मॉडल तैयार किया जा सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और स्मार्ट गवर्नेंस में संभावित सहयोग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार प्रशासन को अधिक

पारदर्शी, कुशल और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए डिजिटल और एआई आधारित समाधानों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कनाडा वैश्विक स्तर पर अग्रणी देशों में से एक है और स्मार्ट गवर्नेंस, डेटा-आधारित निर्णय प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाओं तथा कृषि क्षेत्र के लिए एआई आधारित समाधानों जैसे क्षेत्रों में सहयोग से शासन और जनसेवा वितरण को और सशक्त बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने शिक्षा और कौशल विकास के महत्व पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य हरियाणा के युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। कनाडा की एप्लाइड लर्निंग, पॉलिटेक्निक शिक्षा और सिमुलेशन आधारित प्रशिक्षण प्रणाली अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हैं। संयुक्त डिग्री कार्यक्रम, कौशल विकास कार्यक्रम, एक्सपिरियंस लर्निंग और इंडस्ट्री इंटिग्रेटिड पाठ्यक्रम जैसे क्षेत्रों में साझेदारी से युवाओं के लिए नए अवसर सृजित हो सकते हैं।

कृषि और एग्री-टेक के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रिसिजन फार्मिंग, पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट, फूड प्रोसेसिंग और कोल्ड-चेन इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में सहयोग से हरियाणा के किसानों की उत्पादकता और आय दोनों को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप, नवाचार और तकनीकी उद्यमिता भी परस्पर सहयोग के लिए एक बड़ा क्षेत्र है।

## गोहाना धन्यवाद विकास रैली में भविष्य की योजनाओं का खाका तैयार: डा. अरविंद

एजेंसी

**सोनीपत।** सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत और पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि 29 मार्च को गोहाना की नई सब्जी मंडी में आयोजित होने वाली गोहाना विधानसभा धन्यवाद एवं विकास रैली भविष्य के गोहाना के विकास का खाका तय करेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस अवसर पर आगामी दशकों की आवश्यकताओं के अनुरूप कई विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने बडौता बाइपास स्थित लोक निर्माण विभाग केविश्राम गृह में जिला प्रशासन् और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में आगामी रैली की तैयारियों तथा गोहाना विधानसभा क्षेत्र की विकास परियोजनाओं पर विस्तृतमंथन् किया गया। बैठक में उपायुक्त सुशील सारवान ने मंत्री का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। बैठक के दौरान गोहाना शहर तथा ग्रामीण क्षेत्र से जुडे लगभग दर्जनभर प्रमुख बिन्दुओं पर चर्चा हुई। नई योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि रैली के माध्यम से क्षेत्र के लोगों की सहूलियत बढाने, सामाजिक-आर्थिक स्तर मजबूत करने तथा सम्मान बढाने से जुडी योजनाओं की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के हाथों विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कराने के प्रयास किए जा रहे हैं, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं होगी। उपायुक्त सुशील सारवान ने भी अधिकारियों को निर्देश दिए कि 29 मार्च से पहले सभी आवश्यक रिपोर्ट और व्यवहार्यता विवरण तैयार कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि घोषणाओं से जुडी परियोजनाओं की निगरानी वह स्वयं करेंगे। बैठक में नगर आयुक्त हर्षित कुमार, उपमण्डल अधिकारी अंजलि श्रोतिय, पुलिस आयुक्त भारती डबास, उपमण्डल अधिकारी निर्मल नागर, आहुलाना चीनी मिल की प्रबन्ध निदेशक अंकिता वर्मा, सोनीपत चीनी मिल के प्रबन्ध निदेशक संजय कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

## अब प्रदेश के जिलों में होंगी कांग्रेस के जिला प्रधानों की बैठकें

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने संगठन की मजबूती के लिए अब जिलों में बैठक करने का निर्णय लिया है। इस कड़ी में उन्होंने राज्य के सभी 33 जिला प्रधानों की बैठक गुरुवार को अंबाला शहर में बुलाई है। इस बैठक में जिलाध्यक्षों द्वारा अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा करने के साथ ही भविष्य की योजनाओं पर चर्चा होगी। हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह द्वारा ली जाने वाली जिला प्रधानों की इस बैठक में प्रदेश सह प्रभारी जितेंद्र बघेल और प्रफुल्ल गुडधे शामिल होंगे। राज्यसभा चुनाव के मद्देनजर दो दिन तक चंडीगढ़ में रहने के बाद प्रदेश प्रभारी बीके हरिप्रसाद दो दिनों के लिए वापस दिल्ली लौट गये हैं। जिलाध्यक्षों को बैठक में पिछले माह किए गए कार्यों, आंदोलन तथा जनहित के कार्यों का पूरा विवरण लाने को कहा गया है। बैठक में संगठन को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए जिलाध्यक्षों के सुझाव लिए जाएंगे। साथ ही विधायकों द्वारा जिलाध्यक्षों की कार्यप्रणाली को लेकर मिले फीडबैक पर भी चर्चा होगी। प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के अनुसार अब जिला प्रधानों की राज्य स्तरीय बैठक हर माह जिलों में आयोजित हुआ करेगी। इस दौरान उन्होंने राज्य में तेल और एलपीजी के संकट पर चिंता जाहिर की। राव ने कहा कि खाड़ी युद्ध (विशेष रूप से अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष) का असर अब भारत में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। कच्चे तेल और एलपीजी की अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति प्रभावित होने से ऊर्जा संकट गहरा गया है, जिसका सीधा प्रभाव आम उपभोक्ता पर पड़ रहा है।

# खंड स्तर पर लगेंगे विशेष कैंप, लंबित इंतकाल-जमाबंदी का होगा निपटारा

एजेंसी

**कैथल।** जिले में लंबित पड़े इंतकाल (म्यूटेशन) और जमाबंदी के मामलों के निपटारे के लिए अब खंड स्तर पर विशेष कैंप लगाए जाएंगे। उपायुक्त अपराजिता ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनहित से जुड़े इन मामलों का जल्द और पारदर्शी तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाए। लघु सचिवालय स्थित सभागार में राजस्व विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेते हुए डीसी अपराजिता ने स्पष्ट कहा कि राजस्व कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जिला राजस्व अधिकारी, तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष कैंप आयोजित कर लंबित इंतकाल और जमाबंदी के मामलों का समयबद्ध निपटान करें।

डीसी ने कहा कि राजस्व से जुड़े कार्य सीधे तौर पर किसानों और आम नागरिकों से जुड़े होते हैं, इसलिए इन कार्यों में तेजी और पारदर्शिता बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि विशेष कैंप लगाए जाने से लोगों को बार-बार तहसील के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और मौके पर ही उनके मामलों का समाधान हो सकेगा। बैठक में सभी उपमंडल अधिकारियों (एसडीएम) को भी अपने-अपने क्षेत्रों में राजस्व कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए। डीसी ने कहा कि एसडीएम यह सुनिश्चित करें कि निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी लंबित मामलों का समाधान हो। उन्होंने गिरदावरी कार्य को प्राथमिकता के आधार पर समय पर पूरा करने तथा एग्रीस्टैक पंजीकरण की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा परिवार पहचान पत्र से जुड़े आय सत्यापन जैसे कार्यों को भी तय समय सीमा में पूरा करने पर जोर दिया गया। डीसी अपराजिता ने अधिकारियों से कहा कि तहसील में आने वाले नागरिकों के साथ शालीन व्यवहार किया जाए और उन्हें पारदर्शी व सुगम सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि आमजन को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

# शहीद मोहित की प्रतिमा से युवाओं को मिलेगी देश भक्ति की प्रेरणा : धनखड़

एजेंसी

**चंडीगढ़।** भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने क्षेत्र के गांव लड़ायन में शहीद मोहित जाखड़ की प्रतिमा का अनावरण कर भावपूर्ण माहौल में पुष्प चक्र अर्पित कर उनकी शहादत को नमन किया। धनखड़ ने शहीद मोहित जाखड़ के पिता जी धर्मवीर व माता शकुंतला देवी का शॉल भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने कहा कि मोहित ने मां भारती के सेवा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान देकर क्षेत्र की गौरशाली परम्परा को आगे बढ़ाया है। हम सभी को पूरे देश के साथ मोहित की शहादत पर गर्व रहेगा। धनखड़ ने कहा कि हरियाणा हरि की धरा है , यहां वीरों के सीने शौर्य चक्रों से सजते हैं और खिलाडिय़ों के सीने ओलंपिक मेडल से । हर गांव में वीर योद्धाओं की प्रतिमाएं युवाओं में देश भक्ति का नया जोश पैदा करती हैं । धनखड़ ने कहा कि देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों की बदौलत ही आज हम सुरक्षित जीवन जी रहे हैं।

शहीद मोहित जाखड़ का बलिदान सदैव युवाओं को देशभक्ति और राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

धनखड़ ने कहा कि मोहित के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। गांव में स्थापित की गई शहीद मोहित जाखड़ की प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को मां भारती की समर्पण भाव से सेवा करने और साहस की प्रेरणा देती रहेगी।

धनखड़ ने कहा कि पीएम मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सरकार के लिए शहीदों का सम्मान सर्वोपरि है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहीदों को सम्मान में ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक स्थापित किया है। सैनिकों-पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को पूरा मान सम्मान दिया जा रहा है। धनखड़ ने कहा कि झज्जर वीरों की भूमि है। सबसे ज्यादा जवान इसी क्षेत्र से हैं। मां भारती के लिए शहादत देने में भी हमारे बहादुर सैनिक आगे हैं। उल्लेखनीय है कि मोहित जाखड़ वर्ष 2018 में भारतीय नौसेना में भर्ती हुए थे। आठ अप्रैल 2023 को ड्यूटी के दौरान शहीद हुए थे। मोहित अपने पीछे माता पिता सहित एक बहन मोनिका को छोड़ गए। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता संजय कबलाना, ब्लॉक समिति चेयरमैन दीपक कुमार, सैनिक बोर्ड से एक्स कैप्टन सत्यपाल, लीलाराम, कर्नल प्रेमसिंह, सूबेदार सुरेंद्र सिंह, धरमवीर सिंह, सतबीर सिंह, सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन विनोद बाढशा, संदीप हसनपुर, सरपंच प्रतिनिधि बिरसिंह, एक्स सरपंच राजरूप जाखड़, राकेश जाखड़, सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

## पंजाब विधानसभा में एलपीजी मुद्दे पर हंगामा, केंद्र सरकार के विरूद्ध निंदा प्रस्ताव पेश

ज्योति दर्पण

**चंडीगढ़।** पंजाब विधानसभा में प्रदेश में हो रही एलपीजी की दिक्कत का मुद्दा उठा। इस संबंध में खाद्य आपूर्ति मंत्री लालचंद कटारूचक्क ने केंद्र सरकार के विरूद्ध निंदा प्रस्ताव भी पेश किया। सदन में भाजपा के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। इस प्रस्ताव पर वोटिंग होगी।

गैस सिलेंडरों की आपूर्ति बाधित होने पर मंत्री लाल चंद कटारुचक ने कहा कि इजराइल और ईरान के बीच चल रही जंग का असर अब दिखने लगा है। उन्होंने कहा कि गैस की सप्लाई प्रभावित हो रही है और कमर्शियल गैस की सप्लाई में कटौती भी शुरू हो गई है। साथ ही पंजाब में गेहूं का सीजन शुरू होने वाला है, जिससे आगे और संकट पैदा हो सकता है। मंत्री ने यह भी कहा कि गोदामों में पहले से ही जगह कम है, क्योंकि चावल का उठान धीमा चल रहा है। गेहूं की पैकिंग के लिए आमतौर पर जूट के बैग इस्तेमाल किए जाते हैं, जो बांग्लादेश से आते हैं। इस बार जरूरत के मुकाबले केवल तीन लाख बैग ही मिले हैं। इसलिए दो लाख प्लास्टिक बैग की व्यवस्था करने को कहा गया है।

कटारूचक ने बताया कि गैस के दामों में बढ़ोतरी भी की गई है, जिसका असर रेस्टोरेंट सहित अन्य क्षेत्रों की सप्लाई पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि चेन्नई और मुंबई में पहले ही दिक्कतें सामने आने लगी हैं। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पेश करने की बात भी कही। शिक्षामंत्री हरजोत सिंह बैंस ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया।आम आदमी पार्टी के विधायक शैरी कलसी ने कहा कि आज लोगों को सच्चाई बताने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उन्हें अभी तक तीन-चार लोगों के फोन आ चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गैस संकट के मुद्दे पर बीजेपी सरकार चुप बैठी है। सरकार को बताना चाहिए कि गैस की किल्लत के बारे में लोगों को सही जानकारी कौन देगा। इस दौरान सदन में बीजेपी के खिलाफ नारेबाजी भी हुई।

## गुरुग्राम विश्वविद्यालय में नो मोर पाकिस्तान विषय पर हुई संगोष्ठी

एजेंसी

**गुरुग्राम।** राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच एवं गुरुग्राम विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में गुरुग्राम विश्वविद्यालय परिसर में नो मोर पाकिस्तान विषय पर एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य देश की राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक जागरूकता तथा राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रति समाज विशेषकर युवाओं को जागरुक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय कौशिक ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा और मजबूती के लिए समाज के प्रत्येक नागरिक का जागरूक और जिम्मेदार होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि युवाओं को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सकारात्मक सोच और जिम्मेदारी के साथ समाज में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। अति विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सेवानिवृत आईजी राजपाल सिंह ने कहा कि देश की सुरक्षा केवल सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में जागरूकता, एकता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। मुख्य वक्ता विक्रमादित्य सिंह (राष्ट्रीय संगठन महामंत्री) ने अपने संबोधन में कहा

कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रवाद की भावना को सुदृढ़ करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। संगोष्ठी में डॉ. नीरा वर्मा (डीन अकादमिक अफेयर्स, गुरुग्राम विश्वविद्यालय) ने भी छात्रों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सद्भावना संगठन विभाग प्रमुख डॉ. अशोक दिवाकर ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर कार्य करना होगा।

## पीएम श्री स्कूलों को गोद लेंगे एचसीएस अधिकारी

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा में कार्यरत एचसीएस कैडर के अधिकारी अब पीएम श्री स्कूलों को गोद लेंगे। एक अधिकारी के लिए कम से कम एक स्कूल को गोद लेना अनिवार्य होगा। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने पीएम श्री (प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) योजना की बैठक लेते हुए यह जानकारी दी। कोई अधिकारी अगर एक से अधिक स्कूल की निगरानी कर सकेगा तो उसके लिए भी इनकार नहीं किया जाएगा। प्रदेश में योजना के विभिन्न चरणों के तहत कुल 250 पीएम श्री स्कूलों का चयन किया गया है। प्रथम चरण में 124 जबकि दूसरे चरण में 111 स्कूलों को शामिल किया गया। तीसरे चरण में 6 और पांचवें चरण में 9 स्कूलों का चयन किया गया। इस तरह योजना के माध्यम से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों को व्यापक रूप से शामिल किया गया है।राज्य के 143 विकास खंडों में से 137 खंडों को इस योजना के अंतर्गत कवर किया जा चुका है। इस योजना के लिए वर्ष 2025-26 हेतु 191.69 करोड़ रुपये का अनुमोदित बजट है, जिसमें से 95.87 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है और अब तक 29.78 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके है । उन्होंने बताया कि प्रत्येक पीएम श्री स्कूल को बुनियादी ढांचे की मजबूती के लिए दो साल तक 2 करोड़ की राशि दी जाएगी। केन्द्र सरकार द्वारा दी जाने वाली इस राशि में 21 प्रमुख घटक कवर होंगे, जिनका उद्देश्य सरकारी स्कूलों को आधुनिक शिक्षा केंद्रों के तौर पर विकसित करना है। इन स्कूलों की बुनियादी तथा शैक्षणिक जरूरतों का आकलन करने और कार्यों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्तों और अतिरिक्त उपायुक्तों की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समितियों का गठन किया जाए। अनुराग रस्तोगी ने कहा कि इन स्कूलों में सभी शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक पद प्राथमिकता आधार पर भरे जाएं। उन्होंने कहा कि पीएम श्री पहल सरकारी स्कूलों को आदर्श संस्थानों में बदलने और पूरे राज्य में शिक्षा की समग्र गुणवत्ता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

# हरियाणा में 100 स्वास्थ्य संस्थान बने फर्स्ट रेफरल यूनिट : आरती सिंह राव

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार ने नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के तहत प्रदेश में द्वितीयक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 100 स्वास्थ्य संस्थानों को फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) के रूप में नामित किया है। इस पहल का उद्देश्य विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि गंभीर मामलों में मरीजों को त्वरित उपचार मिल सके। उन्होंने बताया कि इन एफआरयू को 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने के लिए विकसित किया जा रहा है। इन केंद्रों पर प्रसूति सेवाएं, नवजात शिशु देखभाल तथा रक्त भंडारण जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे माताओं और नवजात शिशुओं से जुड़ी आपात स्थितियों में तुरंत और प्रभावी चिकित्सा सहायता मिल सकेगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ये फर्स्ट रेफरल यूनिट प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और तृतीयक अस्पतालों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य

करेंगी। सरकार द्वारा इन केंद्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, विशेषज्ञ चिकित्सा स्टाफ की तैनाती करने और रेफरल व्यवस्था को तेज व प्रभावी बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि इस पहल के माध्यम से राज्य सरकार का लक्ष्य हरियाणा में मातृ और नवजात मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाना है। इन एफआरयू के सुदृढ़ होने से गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध होगा, जिससे पूरे राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार होगा। प्रदेश में जिन 100 स्वास्थ्य संस्थानों को फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) के रूप में नामित किया है उनमें अंबाला जिला के 5 संस्थान हैं।

इनके अलावा, भिवानी के 4, चरखी दादरी के 2, फरीदाबाद के 5, फतेहाबाद के भी 5, गुरुग्राम के 4, हिसार के 5, झज्जर के 6, जींद के 6, कैथल के 4, करनाल के 6, कुरुक्षेत्र के 5, महेंद्रगढ़ के 4, नूंह के 5, पलवल के 4, पंचकूला के 4, पानीपत के 4, रेवाड़ी के 4, रोहतक के 4, सिरसा के 5, सोनीपत के 5 तथा यमुनानगर जिला के 4 सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को एफआरयू के तौर पर नामित किया गया है।

# धान से पहले हरी खाद-दलहन बिजाई पर 1000 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन, 15 अप्रैल तक पंजीकरण

एजेंसी

**कैथल।** किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहित करने और मिट्टी की सेहत सुधारने हेतु कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने नई योजना शुरू की है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत धान की रोपाई से पहले खेत में हरी खाद (ढैंचा) या दलहनी फसलों की बिजाई करने वाले किसानों को 1000 रुपये प्रति एकड़ की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। कृषि उपनिदेशक डॉ. रविंद्र सिंह ने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। पंजीकरण प्रक्रिया मार्च के पहले सप्ताह से शुरू हो चुकी है और किसान 15 अप्रैल तक अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। योजना के तहत ढैंचा के अलावा समर मूंग, उड़द, लोबिया, मोठ, अरहर, सोयाबीन और ग्वार जैसी दलहन फसलें भी शामिल की गई हैं। किसान इन फसलों के बीज खुले बाजार से खरीदकर बिजाई कर सकते हैं। प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने के लिए किसानों को पोर्टल पर अपनी फसल की फोटो भी अपलोड करनी होगी। डॉ. रविंद्र सिंह ने बताया कि पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद 16 अप्रैल से 15 मई के बीच कृषि विभाग के अधिकारी खेतों में जाकर फसल का भौतिक सत्यापन करेंगे। सत्यापन के बाद पात्र किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से सीधे प्रोत्साहन राशि भेज दी जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि प्रदेश सरकार ने इस योजना के तहत पूरे हरियाणा में 4.50 लाख एकड़ क्षेत्र का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें से कैथल जिले के लिए 25 हजार एकड़ का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने कहा कि हरी खाद और दलहन फसलों की बिजाई से मिट्टी में जैविक कार्बन की मात्रा बढ़ती है और भूमि की उर्वरता में सुधार होता है। इससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है और फसल की पैदावार भी बेहतर होती है।

# एसबीआई और एमयूएफजी बैंक ने वित्तीय साझेदारी पर हस्ताक्षर किए

**- दोनों बैंक भारतीय मिड-कॉर्पोरेट्स और एमएसएमई को जापानी कॉर्पोरेट नेटवर्क से जोड़ने में सहयोग करेंगे**

**नई दिल्ली ।**

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और जापान का एमयूएफजी बैंक ने रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। यह समझौता मुख्य रूप से विलय और अधिग्रहण (एमएंडए), विमानन और रियल एस्टेट फाइनेंस क्षेत्रों पर केंद्रित है। दोनों बैंक भारतीय मिड-कॉर्पोरेट्स और एमएसएमई को जापानी कॉर्पोरेट नेटवर्क से जोड़ने में सहयोग करेंगे। एसबीआई ने बताया कि नए आरबीआई दिशानिर्देशों के तहत उसकी ऋण देने की अधिकतम सीमा लगभग 94,000 करोड़ रुपए है। साझेदारी के तहत दोनों बैंक एमएंडए एडवाइजरी, ट्रेड फाइनेंस और रिटेल बैंकिंग सॉल्यूशंस पर सहयोग करेंगे। इसके अलावा, जापानी कॉर्पोरेट-आधारित संभावित आयात-निर्यात लेन-देन की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। एसबीआई की भारतीय बाजार में गहरी पकड़ और एमयूएफजी के वैश्विक नेटवर्क का संयोजन इस साझेदारी को खास बनाता है। दोनों बैंक अपनी पूरक क्षमताओं का उपयोग करके सीमा-पार पूंजी प्रवाह को आसान बनाएंगे। इससे न केवल नए वित्तीय अवसर उत्पन्न होंगे, बल्कि भारत और जापान की अर्थव्यवस्थाओं में स्थायी विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। एसबीआई के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि बैंक जापानी ऋणदाताओं के साथ एमएंडए फाइनेंसिंग पर चर्चा कर रहा था। एमयूएफजी बैंक के भारत और श्रीलंका क्षेत्रीय कार्यकारी ताकुया सेनो ने कहा कि भारत विश्व स्तर पर सबसे आकर्षक विकास बाजारों में से एक है। साझेदारी के माध्यम से, एमयूएफजी भारत में इनबाउंड निवेश और भारतीय कॉर्पोरेट्स के आउटबाउंड विस्तार दोनों का समर्थन करेगा।

## टेक्सास में नई रिफाइनरी की घोषणा, रिलायंस के निवेश का दावा

**अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 300 अरब डॉलर के करार का किया जिक्र**

**वाशिंगटन ।**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने टेक्सास के ब्राउंसे विले में नई रिफाइनरी स्थापित किए जाने की घोषणा की है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बताया कि इस परियोजना में रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के निवेश से लगभग 300 अरब डॉलर का करार किया गया है। इस निवेश के तहत ब्राउंजविल में एक बड़ी रिफाइनरी स्थापित करने की योजना बताई गई है। हालांकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस परियोजना को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। ट्रंप के अनुसार, इस रिफाइनरी का निर्माण अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग (एएफआर) नामक कंपनी द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना अमेरिका में पिछले लगभग 50 वर्षों में बनने वाली पहली नई रिफाइनरी होगी। ट्रंप का कहना है कि इस रिफाइनरी के शुरू होने से ऊर्जा निर्यात में वृद्धि होगी, बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा होंगे और आसपास के क्षेत्रों की आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। यह घोषणा ऐसे समय में सामने आई है जब इं डिया और अमे रिका के बीच फरवरी 2026 में एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत भारत ने अगले पांच वर्षों में ईंधन सहित लगभग 500 अरब डॉलर के अमेरिकी उत्पाद खरीदने की मंशा जताई थी, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिल सकती है।

## होर्मुज संकट के बीच भारत ने बढ़ाए वैकल्पिक ईंधन स्रोत

**ईरान-अमेरिका-इजरायल तनाव से बंद हुआ होर्मुज मार्ग, भारत अन्य रास्तों से तेल-गैस मंगा रहा**

**नई दिल्ली ।** पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के कारण रणनीतिक समुद्री मार्ग स्ट्रेट आफ होर्मुज बंद होने से भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ा है। इस स्थिति से निपटने के लिए भारत ने वैकल्पिक समुद्री मार्गों से कच्चा तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) मंगाने की व्यवस्था तेज कर दी है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि अगले कुछ दिनों में कच्चे तेल के दो कार्गो जहाज भारत पहुंचने वाले हैं, जबकि एलएनजी के दो अन्य जहाज भी रास्ते में हैं। उन्होंने कहा कि पहले भारत के कुल कच्चे तेल आयात का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज मार्ग से अलग रास्तों से आता था, जो अब बढ़कर करीब 70 प्रतिशत हो गया है। सरकार ने घरेलू जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तेल कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। 5 मार्च को जारी आदेश के बाद भारतीय रिफाइनरियों ने एलपीजी उत्पादन लगभग 25 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। साथ ही पेट्रोकेमिकल उद्योग के लिए इस्तेमाल होने वाले प्रोपेन और ब्यूटेन का उपयोग फिलहाल रोक दिया गया है ताकि घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है, जिनमें से करीब 90 प्रतिशत आपूर्ति सामान्यतः होर्मुज मार्ग से होती है। प्राकृतिक गैस की कुल खपत लगभग 18.9 करोड़ मानक घन मीटर प्रतिदिन है, लेकिन भारत के प्रमुख एलएनजी आपूर्तिकर्ता कतर इनर्जी के उत्पादन रुकने से करीब 4.6 करोड़ मानक घन मीटर की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इस बीच विदेश मंत्रालय के अनुसार संघर्ष क्षेत्र में एक वाणिज्यिक जहाज पर हमले में दो भारतीय नाविकों की मौत हो गई है, जबकि एक अन्य लापता है। फिलहाल परे सियन गल्फ क्षेत्र में भारतीय झंडे वाले 28 जहाज और 700 से अधिक भारतीय नाविक मौजूद हैं। सरकार का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और घबराने की जरूरत नहीं है।

## भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर खतरा, एसएंडपी की चेतावनी

**- भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार केवल 10 दिन की खपत के लिए पर्याप्त**

**नई दिल्ली ।**

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चेतावनी दी कि भारत की अर्थव्यवस्था ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से जोखिम में है। भारत अपने कच्चे तेल की लगभग 88 फीसदी जरूरतें आयात करता है और यह विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है। देश में प्रतिदिन 58 लाख बैरल तेल की खपत होती है, जिसमें से 25-27 लाख बैरल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज मार्ग से आता है। एलपीजी और एलएनजी का भी एक बड़ा हिस्सा इसी मार्ग पर निर्भर है। भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार केवल 10 दिन की खपत के लिए पर्याप्त हैं, जबकि वाणिज्यिक भंडार 65 दिन का ही समर्थन कर सकता है। एलपीजी और एलएनजी का भंडार और भी कम है, क्रमशः केवल 25-30 दिन और 10-12 दिन की जरूरतें पूरी कर पाता है। सीमित भंडार के कारण, वैश्विक आपूर्ति संकट या कीमतों में उतार-चढ़ाव का प्रभाव सीधे देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। भारत समुद्री मार्गों पर अत्यधिक निर्भर है, लेकिन कुछ विविधीकरण किया जा रहा है। रूस से 11 लाख बैरल प्रतिदिन का आयात जारी है, जबकि वेनेजुएला से हाल ही में 1.42 लाख बैरल प्रतिदिन का आयात फिर से शुरू हुआ। यह कदम आपूर्ति संकट के समय विकल्प प्रदान करने की दिशा में है। एसएंडपी का कहना है कि ऊर्जा आयात पर अधिक निर्भरता वाले एशियाई देशों में आर्थिक जोखिम अधिक है।

# आईईए का ऐतिहासिक फैसला, 400 मिलियन बैरल तेल बाजार में रिलीज़

**- कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने की संभावना**

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में तनाव और कच्चे तेल की आपूर्ति पर दबाव के बीच इंटरनेशनल इनर्जी एजेंसी (आईईए) ने इतिहास में सबसे बड़ा कदम उठाया है। एजेंसी के 32 सदस्य देशों ने मिलकर 400 मिलियन बैरल कच्चा तेल रणनीतिक भंडार से बाजार में जारी करने का निर्णय लिया। यह आईईए द्वारा अब तक किया गया सबसे बड़ा ऑयल रिलीज़ है। विशेषज्ञों के अनुसार इस कदम से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने की संभावना है। आईईए के प्रस्ताव को मंगलवार को सदस्य देशों की बैठक में पेश किया गया और बुधवार को सभी 32 देशों ने सर्वसम्मति से समर्थन दिया। अगर कोई भी देश वीटो करता, तो प्रस्ताव पारित नहीं होता। अमेरिका और जापान इस पहल में सबसे बड़ा योगदान देंगे, जबकि यूरोपीय देशों और जर्मनी ने भी भागीदारी की पुष्टि की है। हाल ही में कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जो चार साल का उच्चतम स्तर है। वैश्विक स्तर पर लगभग 20 मिलियन बैरल प्रतिदिन की सप्लाई बाधित होने का अनुमान है। आईईए सदस्य देश एक महीने में करीब 100 मिलियन बैरल तेल बाजार में उतारने की योजना बना रहे हैं, जिससे रोजाना लगभग 3.3 मिलियन बैरल तेल उपलब्ध हो सकेगा। इस कदम से ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतों में राहत मिलने की उम्मीद है। आईईए का मुख्यालय पे रिस, फ्रांस में है और यह वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर रखने के लिए रणनीतिक फैसले लेती है। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान आईईए ने 182 मिलियन बैरल तेल जारी किया था, लेकिन यह अब तक का सबसे बड़ा रिलीज़ है।

## रुपया गिरावट पर बंद

**मुंबई ।**

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की गिरावट के साथ ही 92.20 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया 31 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.32 पर पहुंच गया। पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष के कारण विदेशी पूंजी की निकासी, वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और डॉलर के मजबूत रुख से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार घरेलू शेयर बाजारों में सत्र की कमजोर शुरुआत ने स्थानीय मुद्रा पर और दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.25 पर खुला। फिर और गिरावट के साथ 92.32 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 31 पैसे कम है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.01 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.47 पर रहा।

## अल्फाग्रेप को मिली सेबी से म्यूचुअल फंड कारोबार की मंजूरी

**नई दिल्ली ।** निवेश कंपनी अल्फाग्रेप को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से म्यूचुअल फंड कारोबार शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। इस कदम के साथ कंपनी खुदरा परिसंपत्ति प्रबंधन क्षेत्र में प्रवेश करेगी और आम निवेशकों को उन्नत निवेश उत्पादों तक पहुंच प्रदान करेगी। कंपनी का उद्देश्य है कि म्यूचुअल फंड के माध्यम से एल्गोरिदम और तकनीकी निवेश उपकरण को व्यापक निवेशकों तक पहुंचाया जाए। यह निवेश मुख्य रूप से उन उत्पादों पर आधारित होगा, जो अब तक संस्थागत निवेशकों और उच्च संपत्ति वाले व्यक्तियों के लिए ही सीमित थे। म्यूचुअल फंड इकाई का संचालन अल्फाग्रेप इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड करेगी। यह इकाई फरवरी 2026 तक अपने विशेष वैकल्पिक निवेश कोष और खंड प्रबंधन सेवाओं के प्लेटफॉर्म के माध्यम से 2,000 करोड़ रुपये से अधिक परिसंपत्तियों का प्रबंधन कर रही है। कंपनी का संचालन गिफ्ट सिटी में भी होता है। नए म्यूचुअल फंड कारोबार का फोकस परिमाणात्मक इक्विटी और मिश्रित निवेश रणनीतियों पर होगा। इसमें उन्नत गणितीय मॉडल, कृत्रिम मेधा (AI) और मशीन लर्निंग का उपयोग किया जाएगा। इसका उद्देश्य है निवेशकों को अधिक संगठित और रणनीतिक निवेश विकल्प प्रदान करना।

## लखनऊ में एलपीजी संकट, चूल्हे बुझे, लकड़ी-कोयले की मांग बढ़ी

**- शादियों और दावतों का बिगड़ा बजट, बड़े रेस्टोरेंट्स ने अपने मेन्यू को आधा किया**

**लखनऊ ।** नवाबों के शहर लखनऊ में एलपीजी (गैस) सिलेंडर की किल्लत ने आम जनता की परेशानियां बढ़ा दी हैं। शहर में गैस न मिलने के कारण घरों के चूल्हे बुझ गए हैं और लोग अब लकड़ी व कोयले पर खाना बनाने को मजबूर हैं। स्ट्रीट फूड वेंडर्स, ढाबा मालिक और टिफिन सेवाएं भी गैस की कमी से प्रभावित हैं। बाजार में लकड़ी और कोयले की मांग में 50-60 फीसदी की वृद्धि हुई है। पिछले दो दिनों में लगभग 450 नई मिट्टी की भट्टियों की मांग दर्ज की गई है। शहर के बड़े रेस्टोरेंट्स ने अपने मेन्यू को आधा कर दिया है, केवल चुनिंदा व्यंजन ही बन पा रहे हैं। शादी-शादी में रोजाना 1200-1500 कार्यक्रमों के लिए कैटरर्स को लकड़ी की आग पर खाना पकाना पड़ रहा है। इससे न केवल समय बढ़ा है बल्कि लागत भी अधिक हुई है। हलवाई अब पारंपरिक चूल्हों का सहारा ले रहे हैं, जिससे ग्राहकों के लिए भोजन तैयार करने की प्रक्रिया धीमी हो गई है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र और पीजी में रहने वाले लोग भी प्रभावित हैं। इंडक्शन चूल्हों पर बड़े पैमाने पर खाना बनाने से भारी बिजली बिल का डर बना हुआ है। टिफिन संचालक चेतावनी दे रहे हैं कि यदि गैस की आपूर्ति नहीं हुई, तो उन्हें सेवाएं बंद करनी पड़ सकती हैं। गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं। जिला प्रशासन ने निगरानी बढ़ाई है और कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए हैं। ईंधन की कमी के कारण नगर निगम के वाहनों की सफाई व्यवस्था भी प्रभावित होने लगी है।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद , निवेशकों के 10 लाख करोड़ रुपये डूबे

**सेंसेक्स 829 , निफ्टी 228 अंक गिरा**

**मुम्बई ।**

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कामजोर संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 829 अंक टूटकर 76,034 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 228 अंक फिसलकर 23,639 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में इस गिरावट का एक कारण ब्रेंट क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचने के कारण भी आया है। इससे भी निवेशकों में घबराहट का माहौल है। आज बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकर पिछले सत्र के लगभग 450 लाख करोड़ रुपये से घटकर 440 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इससे निवेशकों के एक ही सत्र में 10 लाख करोड़ रुपये डूब गये।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी की कंपनियों में से सबसे ज़्यादा बढ़त कोल इंडिया के शेयरों में रही। इसमें 5.23 फीसदी की बढ़त रही जबकि एनटीपीसी में 2.81 फीसदी की बढ़त जबकि पावर ग्रिड में 1.61 फीसदी की बढ़त आई। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.47 फीसदी जबकि अडानी एंटरप्राइजेज में 1.39 फीसदी की बढ़त आई।

वहीं निफ्टी की कंपनियों में सबसे ज़्यादा गिरावट महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में रही। इसमें 4.33 फीसदी की गिरावट आई। इसके अलावा क्वालिटी वॉल्स में 3.95 फीसदी जबकि आयशर मोटर्स में 3.92 फीसदी की गिरावट रही। मारुति सुजुकी में 3.61 फीसदी और बजाज फाइनेंस में 3.42 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो, ऑटो इंडेक्स 3 फीसदी से अधिक, एफएमसीजी में 1.7 फीसदी और प्राइवेट बैंक में 1.6 फीसदी गिरावट रही जबकि पावर और एनर्जी सेक्टर में 2.5फीसदी और 2फीसदी की बढ़त रही। ऑयल 3 गैस, मेटल और कैपिटल गुड्स में मामूली 0.5फीसदी की तेजी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.4फीसदी गिरा और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.7फीसदी नीचे आया। वहीं आज सुबह भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स सुबह 76,369 अंकों के स्तर पर खुला पर खुलते ही इसमें गिरावट बढ़ने लगी। इसी तरह निफ्टी 50 भी 23,674.85 अंकों पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह तेजी से नीचे फिसलकर 23,600 अंकों के स्तर से भी नीचे 274.35 अंक की गिरावट के साथ 23,592.50 अंकों पर कारोबार करता हुआ देखा गया। आज बाजार में गिरावट का मुख्य कारण कच्चे तेल की कीमतों में आई तेज बढ़ोतरी रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत एशियाई कारोबार के दौरान लगभग 8 फीसदी बढ़कर 100.18 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। तेल की कीमतों में तेजी से महंगाई बढ़ने और कंपनियों की लागत में वृद्धि की आशंका बढ़ जाती है, जिससे निवेशकों में सतर्कता देखी जाती है।

## जीएसपी क्रॉप साइंस का 400 करोड़ का आईपीओ 16 मार्च को खुलेगा

**नई दिल्ली ।** कृषि रसायन कंपनी जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड का 400 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 16 मार्च को खुलेगा। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि आईपीओ के लिए 304-320 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया है। आईपीओ 16 मार्च को खुलेगा और 18 मार्च को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 13 मार्च को बोली लगा पाएंगे। अहमदाबाद स्थित इस कंपनी का आईपीओ 240 करोड़ रुपये के नए शेयर और 160 करोड़ रुपये के 50 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। नए निर्गम से हासिल 170 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल ऋण भुगतान के लिए किया जाएगा। एक हिस्सा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए रखा जाएगा।कंपनी का शेयर 24 मार्च को बाजार में सूचीबद्ध हो सकता है। जीएसपी क्रॉप साइंस एक अनुसंधान-केंद्रित कृषि रसायन कंपनी है। इसे भारत में कीटनाशकों, शाकनाशियों, कवकनाशी और पादप वृद्धि नियामकों के विकास एवं निर्माण में 39 वर्ष से अधिक का अनुभव है।

## ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर के पार, ईरानी हमलों से हुआ महंगा

**बैंकॉक ।** अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत बृहस्पतिवार तड़के 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई। कुछ दिन पहले यह लगभग 120 डॉलर तक पहुंच चुकी थी, जिससे वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता बनी हुई है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास वाणिज्यिक पोतों पर ईरानी हमलों के कारण आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इसके चलते ब्रेंट क्रूड की कीमत में नौ प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। अमेरिका के मानक कच्चे तेल का दाम भी लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति में व्यवधान का असर सीधे तेल की कीमतों पर पड़ रहा है। तेल की बढ़ती कीमतों से वैश्विक ऊर्जा बाजार और उपभोक्ताओं पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे ईंधन महंगा होने की संभावना है।

# अमेरिका ने शुरू की भारत, चीन सहित कई व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ जांच

**- विशेष रूप से जांच अतिरिक्त उत्पादन और संरचनात्मक अतिरिक्त क्षमता से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित**

**न्यूयॉर्क ।**

अमेरिका ने भारत, चीन, जापान, यूरोपीय संघ और अन्य प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों के खिलाफ 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301(बी) के तहत जांच शुरू की है। इस कदम का उद्देश्य उन विदेशी नीतियों और प्रथाओं का पता लगाना है, जो अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र पर नकारात्मक असर डाल रही हैं। विशेष रूप से यह जांच अतिरिक्त उत्पादन और संरचनात्मक अतिरिक्त क्षमता से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित है। जांच के दायरे में शामिल हैं- बांग्लादेश, कंबोडिया, चीन, यूरोपीय संघ, भारत, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, मेक्सिको, नॉर्वे, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, ताइवान, थाईलैंड और वियतनाम। यूएसटीआर जैमीसन ग्रीर ने कहा कि यह कदम अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र को विदेशी अतिरिक्त उत्पादन से बचाने और घरेलू रोजगार बढ़ाने के प्रयास का हिस्सा है। ग्रीर ने बताया कि कई देशों में उत्पादन घरेलू खपत से अधिक है, जिससे अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है और निवेश बाधित हो रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अब अपने औद्योगिक आधार को उन देशों के लिए बलिदान नहीं करेगा जो अतिरिक्त उत्पादन यहां निर्यात कर रहे हैं। यह पहल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को अमेरिका में फिर से स्थापित करना और उच्च वेतन वाली नौकरियों का सृजन करना है। जांच शुरू करने से पहले अंतर-विभागीय धारा 301 समिति और सलाहकार समितियों से परामर्श लिया गया। अब अमेरिका को उन देशों के साथ परामर्श करना होगा जिनकी नीतियां जांच के दायरे में हैं। टिप्पणियां जमा करने की प्रक्रिया 17 मार्च 2026 से शुरू होगी और सुनवाई 5 मई से शुरू होगी।

## अमेरिका करेगा पेट्रोल की कीमत कम करने के लिए तेल भंडार का इस्तेमाल- ट्रंप

**पेरिस ।** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनके प्रशासन के दौरान ईरान युद्ध के कारण बढ़ी पेट्रोल की कीमतों को कम करने के लिए अमेरिका के स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने डब्ल्यूके आरसी लोकल-12 चैनल को साक्षात्कार में बताया कि ÷हम इसे थोड़ा कम करेंगे और फिर कीमतें नीचे आएंगी। बाद में इसे फिर से भर देंगे। ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि भंडार से कितने बैरल तेल जारी होंगे। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि उन्होंने पहले कई बार जो बाइडन के प्रशासन की आलोचना की थी, जो पेट्रोल की कीमतें कम करने के लिए इस भंडार का इस्तेमाल कर रहे हैं। स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व अमेरिका का आपातकालीन तेल भंडार है। इसे भू-राजनीतिक संकट, युद्ध या आपूर्ति रुकने की स्थिति में इस्तेमाल के लिए भूमिगत गुफाओं में संग्रहित किया जाता है।

# अंतरराष्ट्रीय संदर्भ, वैश्विक व्यापार चुनौतियां और भारत की रणनीति

प्रहलाद सबनानी

**श्री ट्रम्प द्वारा हाल ही के समय में लिए गए निर्णयों के चलते वैश्विक स्तर पर प्रारम्भ हुई उथल पुथल को कम करने के लिए आज विश्व के कई देश भारत की ओर ही देख रहे हैं क्योंकि भारत अपने आप को विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाकर इस तरह की समस्याओं का हल निकालने का प्रयास कर रहा है एवं इस कार्य में भारत को कुछ सफलता प्राप्त होती हुई भी दिखाई दे रही है।**

अमेरिका में 20 जनवरी 2025 को श्री डॉनल्ड ट्रम्प ने 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। श्री ट्रम्प के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद से ही पूरी दुनिया में, विशेष रूप आर्थिक क्षेत्र में भारी उथल पुथल दिखाई दी है। ट्रम्प ने 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' - अमेरिका को पुनः महान बनायें - के नारे के साथ यह राष्ट्रपति चुनाव जीता था। अतः उन्होंने अमेरिका को एक बार पुनः विश्व के विनिर्माण हब के रूप में स्थापित करने का बीड़ा उठाया है। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु उन्होंने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ लगाने का निर्णय लेते हुए, इस निर्णय को शीघ ही लागू भी कर दिया। उनका सोचना था कि उनके इस निर्णय से विभिन्न उत्पादों के निर्यातक अमेरिका में इन उत्पादों को निर्यात करने के प्रति निरुत्साहित होकर इन उत्पादों का उत्पादन अमेरिका में ही प्रारम्भ कर देंगे। इस कार्य को यदि धीमे धीमे एवं संरचित रूप से किया जाता तो सम्भव है कि पूरे विश्व में अफरा तफरी जैसा माहौल नहीं बनता। परंतु, ट्रम्प ने कुछ देशों (चीन, आदि) से विभिन्न वस्तुओं के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 500 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी एवं अन्य देशों को भी लगातार इस प्रकार की धमकी देना प्रारम्भ कर दिया।

ट्रम्प ने भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न वस्तुओं के निर्यात पर भी 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया एवं 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ यह कहते हुए लगाया कि भारत, रूस से कच्चे तेल का आयात करता है एवं इसे प्रसंस्कृत करने के उपरांत यूरोपीय देशों को पेट्रोल एवं डीजल के रूप में निर्यात करता है। इस प्रक्रिया में ट्रम्प ने यह निष्कर्ष निकाला भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल को खरीदने से रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले को बल मिलता है और भारत इस युद्ध को अप्रत्यक्ष रूप से फंडिंग कर रहा है। इस प्रकार, भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर दिनांक 27 अगस्त 2025 से 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया गया है। इससे भारत के पूंजी (शेयर) बाजार में हाहाकर मच गया एवं विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार भारत से अपने निवेश को निकाल रहे हैं।

श्री ट्रम्प अमेरिका में होने वाले विभिन्न वस्तुओं के आयात पर लगाए गए टैरिफ पर ही नहीं रुके बल्कि अपनी साम्राज्यवादी सोच को पुनः लागू करने के उद्देश्य को भी स्पष्ट रूप से झलका दिया। प्रभुतासम्पन्न देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर अमेरिका में लाया गया एवं उन पर अमेरिका में मुकदमा चलाया गया। दरअसल, अमरीका की नजर वेनेजुएला के कच्चे तेल के अपार भंडार पर है। जिस पर अमेरिका अपना कब्जा स्थापित करते हुए इसके उपयोग पर अपना नियंत्रण स्थापित करना चाहता है। साथ ही, डेनमार्क के नियंत्रण में एक द्वीप, ग्रीनलैंड पर अमेरिका अपना आधिपत्य स्थापित करना चाहता है। इसी प्रकार की धमकियां, मेक्सिको, क्यूबा, ईरान आदि देशों को भी दी गई हैं।

श्री ट्रम्प के उक्त प्रकार के निर्णयों के चलते अब तो वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच आपसी सम्बंधो पर प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत भी अछूता नहीं रहा है एवं हाल ही के समय में भारत के अमेरिका के साथ सम्बन्धों में कुछ खटास आई है। अन्यथा, कुछ समय पूर्व तक भारत एवं अमेरिका एक दूसरे के रणनीतिक साझेदार माने जाते रहे हैं। विदेशी व्यापार के मामले में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा साझीदार रहा है। भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात के मामले में भी अमेरिका प्रथम स्थान पर हैं। श्री ट्रम्प द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लागू किए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के उपरांत भारत का विदेश व्यापार कुछ हद्द तक विपरीत रूप से प्रभावित हुआ है। परंतु, भारत ने इस समस्या का हल निकालने की रणनीति पर तुरंत विचार करना प्रारम्भ किया एवं कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए। ताकि, विशेष रूप अमेरिका को होने वाले वस्त्र एवं परिधान, जेम्स एवं ज्वेलरी, समुद्रीय पदार्थ, खिलौना उद्योग एवं चमड़ा उद्योग जैसे श्रम आधारित उद्योगों पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव को तुरंत ही रोका जा सके अथवा कम किया जा सके। अन्यथा, की स्थिति में भारत में बेरोजगारी की समस्या एक ज्वलंत समस्या के रूप खड़ी हो सकती थी। भारत ने उक्त उत्पादों के निर्यात हेतु रूस, चीन, जापान, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के रूप में नए बाजार तलाशे एवं इन देशों को उक्त उत्पादों का निर्यात प्रारम्भ किया। वर्ष 2025 में भारत ने विदेशी व्यापार परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए प्रमुख वैश्विक साझेदारों के साथ मौजूदा मुक्त व्यापार समझौतों पर गहन वाताओं और रणनीतिक अद्यतनों को अंतिम रूप देने का प्रयास किया है। वर्ष के अंत में, भारत ने यूनाइटेड किंगडम, ओमान एवं न्यूजीलैंड के साथ महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए। इसके साथ ही, अफ्रीकी देशों एवं लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भी प्रारम्भिक वाताओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। इसका परिणाम यह हुआ है कि नवम्बर एवं दिसम्बर 2025 माह में भारत से विभिन्न वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि दर को बनाए रखने में सफलता मिली है। सितम्बर एवं अक्टोबर 2025 माह में विशेष रूप से अमेरिका को भारत से होने वाले वस्तुओं के निर्यात पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ा था। 27 जनवरी 2026 को तो भारत ने यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देकर इतिहास ही बना डाला है। इस समझौते को 'मदर आफ ऑल डील्स' की संज्ञा दी जा रही है। यह मुक्त व्यापार समझौता 18 वर्षों के उपरांत सम्भव हो सका है। अब तो कनाडा के राष्ट्रपति भी मार्च 2026 माह में भारत आने वाले हैं एवं कुछ क्षेत्रों में मुक्त व्यापार समझौते के अंतिम रूप दिए जाने की प्रबल सम्भावना है।

भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौतों का विश्व के अन्य देशों को सकारात्मक संदेश गया है। भारत वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न कर रहा है। इससे, समझौता करने वाले देशों के नागरिकों की आर्थिक स्थिति में सुधार होने की सम्भावनाएं प्रबल हो रही हैं क्योंकि इन देशों में आर्थिक प्रगति के तेज होने के चलते इन देशों में खुशहाली आने की सम्भावनाएं बन रही हैं। इस दृष्टि से विभिन्न देशों का भारत के प्रति दृष्टिकोण हाल ही के समय में बदला है एवं वे अब भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहे हैं। भारत एक युवा देश है एवं विभिन्न उत्पादों के लिए भारत एक विशाल बाजार के रूप में विश्व के सामने उपलब्ध है। विशेष रूप से इस धरा के दक्षिणी भाग के देश तो अब भारत के वैश्विक स्तर पर इन देशों का नेतृत्व करने के लिए श्रद्धा के भाव से उम्मीद भारी नजरों से देख रहे हैं।

उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत के सामने भी कुछ समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं। जैसे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में डालर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत का लगातार गिरते जाना। एक अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत 92 रुपए के स्तर को भी पार कर गई है एवं वर्ष 2025 में भारतीय रुपए का लगभग 5 से 6 प्रतिशत के बीच अवमूल्यन हुआ है। दरअसल, यह समस्या, विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय पूंजी (शेयर) बाजार से लगातार अपने निवेश को निकालने के चलते खड़ी हुई है। इससे अमेरिकी डॉलर का भारत से बाहर जाने का सिलसिला बढ़ गया है। इस समस्या के हल हेतु भारत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मात्रा को बढ़ाने का प्रयास लगातार कर रहा है। साथ ही, भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात को भी गति देने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि भारत में अमेरिकी डॉलर के आने की मात्रा में वृद्धि हो। यदि भारत को इन प्रयासों में सफलता मिलती है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव कुछ कम होगा।

श्री ट्रम्प द्वारा हाल ही के समय में लिए गए निर्णयों के चलते वैश्विक स्तर पर प्रारम्भ हुई उथल पुथल को कम करने के लिए आज विश्व के कई देश भारत की ओर ही देख रहे हैं क्योंकि भारत अपने आप को विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाकर इस तरह की समस्याओं का हल निकालने का प्रयास कर रहा है एवं इस कार्य में भारत को कुछ सफलता प्राप्त होती हुई भी दिखाई दे रही है। भारत के पास युवा शक्ति की बेजोड़ उपलब्धता है, विभिन्न क्षेत्रों में इनके कौशल को विकसित कर, भारत आज पूरे विश्व को श्रमबल उपलब्ध करा सकने की क्षमता रखता है और भारतीय सनातन संस्कृति को 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भाव के साथ, पूरे विश्व में फैला सकता है ताकि विभिन्न देशों में हो रहे संघर्षों को कम अथवा समाप्त किया जा सके।

## संपादकीय

### ईरान युद्ध 'चूल्हे' तक

ईरान युद्ध का असर हमारी रसोई और चूल्हे तक आ जाएगा, यह आकलन करने में केंद्रीय कैबिनेट ने 11 दिन खपा दिए। अंततः कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी को ऐसे निर्देश देने पड़े कि सभी मंत्रालय आपस में मिल कर काम करें। संभावित चुनौतियों के लिए तैयार रहें। देशवासियों पर युद्ध का असर कम पडना चाहिए। प्रधानमंत्री ने ह्यचुनौतीह्ल की बात स्वीकार की है और 'चाहिए' शब्द का इस्तेमाल कर उपदेश दिया है। यह क्यों नहीं हो सकता कि खुद प्रधानमंत्री मंत्रियों के स्तर पर समन्वय करें। चूंकि वह देश के सर्वोच्च, संवैधानिक कार्यकारी प्रमुख हैं, लिहाजा उन्हें देश को संबोधित कर हकीकत बयां करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने नोटबंदी, कोरोना वैश्विक महामारी, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कई बार राष्ट्र को संबोधित किया है। देशवासियों ने उन्हें भरपूर समर्थन और सहयोग भी दिया है। बहरहाल भारत में करीब 19.5 करोड़ घन मीटर गैस की खपत औसतन हर रोज होती है, जबकि गैस का घरेलू उत्पादन करीब 10 करोड़ घन मीटर ही है, जाहिर है कि भारत को गैस आयात करनी पड़ती है। इसमें रसोई गैस एलपीजी के अलावा, एलएनजी, पीएनजी, सीएनजी भी हमारी जिंदगी की सक्रियता के लिए बेहद अनिवार्य हैं। उनके बिना जिंदगी, समाज और कारोबार का चक्का ही जाम हो जाएगा। पीएनजी पाइपलाइन के जरिए हमारे घरों तक जाती है और 1.62 करोड़ इसके कनेक्शन हैं। एलपीजी के 33 करोड़ से अधिक उपभोक्ता हैं। सीएनजी वाहनों में इस्तेमाल की जाती है। एलएनजी खाद के प्लांट से लेकर औद्योगिक उत्पादन, विनिर्माण की इकाइयों के लिए ह्यसंजीवनीह्ल है। प्रधानमंत्री मोदी देश को संबोधित कर खुलासा कर सकते हैं कि भारत ने अमरीका के साथ 22 लाख टन गैस का सौदा किस आधार पर किया है? इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, नॉर्वे, पश्चिम अफ्रीका, नाइजीरिया, अंगोला और अल्जीरिया सरीखे देशों से पर्याप्त गैस की आपूर्ति का अपडेट क्या है? ये छोटे, पिद्दी से देश भारत जैसे विराट, विशाल देश को गैस सप्लाई कर रहे हैं, लेकिन खुद 78 साल का भारत अपने लिए गैस का पर्याप्त उत्पादन करने में सक्षम क्यों नहीं हो सका? यह वाकई यक्ष-प्रश्न है।

## चिंतन-मनन

### जीव परमेश्वर की परा शक्ति

जीव परमेश्वर की परा प्रकृति (शक्ति) है। अपरा शक्ति तो पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, मन, बुद्धि तथा अहंकार जैसे विभिन्न तत्वों के रूप में प्रकट होती है। भौतिक प्रकृति के ये दोनों रूप-स्थूल (पृथ्वी आदि) तथा सूक्ष्म (मन आदि) अपरा शक्ति के ही प्रतिफल हैं। जीव जो अपने विभिन्न कार्य के लिए अपरा शक्तियों का विदोहन करता रहता है, स्वयं परमेश्वर की परा शक्ति है और यह वही शक्ति है जिसके कारण सारा संसार कार्यशील है। इस दृश्य जगत में कार्य करने की तब तक शक्ति नहीं आती, जब तक परा शक्ति अर्थात जीव द्वारा यह गतिशील नहीं बनाया जाता। शक्ति का नियंत्रण सदैव शक्तिमान करता है, अतः जीव सदैव भगवान द्वारा नियंत्रित होते हैं। जीवों का अपना कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है।

वे कभी भी सम शक्तिमान नहीं, जैसा कि बुद्धिहीन मनुष्य सोचते हैं। श्रीमद्भागवत में जीव तथा भगवान के अन्तर को इस प्रकार बताया गया है- ह्र्ष्रे परम शात! यदि सारे देहधारी जीव आप ही की तरह शात एवं सर्वव्यापी होते तो वे आपके नियंत्रण में न होते। किन्तु यदि जीवों को आपकी सूक्ष्म शक्ति के रूप में मान लिया जाए, तब वे सभी आपके परम नियंत्रण में आ जाते हैं। अतः वास्तविक मुक्ति आपकी शरण में जाना है और इस शरणागति से वे सुखी होंगे।

परमेश्वर कृष्ण एकमात्र नियन्ता हैं और सारे जीव उन्हीं के द्वारा नियंत्रित हैं। सारे जीव उनकी पराशक्ति हैं, क्योंकि उनके गुण परमेश्वर के समान हैं, किन्तु वे शक्ति की मात्रा के विषय में समान नहीं हैं। स्थूल व सूक्ष्म अपरा शक्ति का उपभोग करते हुए परा शक्ति (जीव) को अपने वास्तविक मन तथा बुद्धि की विस्मृति हो जाती है। इसका कारण जीव पर जड़ प्रकृति का प्रभाव है। माया के प्रभाव में अहंकार सोचता है, मैं ही पदार्थ हूं और सारी भौतिक उपलब्धि मेरी है किंतु जब वह सारे भौतिक विचारों से मुक्त हो जाता है, तो उसे वास्तविक स्थिति प्राप्त होती है। गीता जीव को कृष्ण की अनेक शक्तियों में से एक मानती है और जब यह शक्ति भौतिक कल्मष से मुक्त हो जाती है, तो पूर्णतया कृष्णभावनाभावित या बंधनमुक्त हो जाती है।

# बदलता नेपालः बालेन शाह का उभार और भारत के लिए कूटनीतिक संदेश

दिलीप कुमार पाठक

नेपाल की राजनीति आज एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है, जहाँ पुरानी पीढ़ी का सूर्यास्त और एक नई, तकनीक-प्रेमी युवा पीढ़ी का उदय साफ देखा जा सकता है। काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह यानी बालेन शाह का जिस तरह से पूरे नेपाल में प्रभाव बढ़ा है, उसने न केवल वहां के पारंपरिक राजनीतिक दलों की नींद उड़ा दी है, बल्कि दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है। नेपाल की जनता, विशेषकर युवा वर्ग, अब शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और प्रचंड जैसे पुराने चेहरों के सिंडिकेट राज से ऊब चुका है। बालेन शाह की बढ़ती लोकप्रियता केवल एक व्यक्ति की जीत नहीं है, बल्कि यह नेपाल की उस व्यवस्था के खिलाफ एक जनाक्रोश है, जो दशकों से भ्रष्टाचार और अस्थिरता की शिकार रही है।

इस बदलाव की पृष्ठभूमि में पिछले कुछ समय से चल रहे जन-आंदोलन और सोशल मीडिया की ताकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। नेपाल का युवा अब रोजगार, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और पारदर्शी प्रशासन चाहता है। बालेन शाह ने मेयर के रूप में जिस तरह से काठमांडू की सड़कों, कचरा प्रबंधन और अतिक्रमण पर काम किया, उसने उन्हें एक मैजिक मैन की छवि दे दी है। वे पेशे से स्ट्रक्चरल इंजीनियर हैं और उनका गवर्नेंस मॉडल जज्बातों से ज्यादा आंकड़ों और समाधान पर आधारित है। यही कारण है कि आज नेपाल के गांव-गांव में उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का आधार मजबूत हो रहा है। जानकारों का मानना है कि आने वाले समय में यदि वे देश की कमान संभालते हैं, तो नेपाल की आंतरिक और विदेश नीति में आमूल-चूल परिवर्तन देखने को मिलेंगे। बालेन शाह के विजन का एक बड़ा हिस्सा नेपाल को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और खाड़ी देशों में हो रहे युवाओं के भारी पलायन को रोकना है। वे अक्सर अपनी तकरीरों में नेपाल की जल-विद्युत क्षमता और पर्यटन को भारतीय बाजार से जोड़ने की बात करते हैं, लेकिन एक समान साझेदार की शर्त पर। भारत के लिए यह एक रणनीतिक चुनौती है कि वह नेपाल की इस नई आर्थिक महत्वाकांक्षा को अपने नेबरहुड फर्स्ट विजन में कैसे फिट करता है। यदि बालेन शाह सत्ता के शीर्ष पर पहुँचते हैं, तो सीमा सुरक्षा और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भारत को एक ऐसा साथी मिल सकता है जो तकनीकी निगरानी और आधुनिक प्रबंधन में विश्वास रखता है। नेपाल का नया नेतृत्व अब केवल सहायता नहीं, बल्कि सार्थक निवेश और तकनीकी हस्तांतरण की मांग कर रहा है, जो भारत के लिए अपनी कूटनीतिक शैली बदलने का संकेत है। भारत के लिए नेपाल का यह नया नेतृत्व एक पहेली जैसा है। बालेन शाह की छवि एक प्रखर और कभी-कभी आक्रामक राष्ट्रवादी की रही है। उन्होंने मेयर रहते हुए काठमांडू में भारतीय फिल्मों पर प्रतिबंध लगाने जैसा कड़ा फैसला लिया था और अपने दफ्तर में ग्रेटर नेपाल का नक्शा लगाकर अपनी राजनीतिक लकीर खींच दी थी। उनकी नीति स्पष्ट रूप से नेपाल फर्स्ट की है, जिसका मतलब है कि वे किसी भी पड़ोसी देश के प्रभाव में दबकर काम नहीं करेंगे। ऐसे में नई दिल्ली को अब एक ऐसे नेतृत्व से संवाद करना होगा जो पुरानी कूटनीतिक मयार्दाओं के बजाय सीधे और बेबाक फैसलों में यकीन रखता है। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वह बालेन शाह के राष्ट्रवाद को किस तरह एक रचनात्मक सहयोग में बदलता है, हालांकि, इस सिक्के का एक दूसरा और सकारात्मक पहलू भी है। बालेन शाह ने अपनी उच्च शिक्षा भारत से पूरी की है। वे भारतीय समाज की बारीकियों, यहाँ की लोकतांत्रिक व्यवस्था और दोनों देशों के बीच के रोटी-बेटी के रिश्तों की अहमियत को गहराई से समझते हैं। भारत के लिए यह एक बड़ा अवसर हो सकता है क्योंकि एक पढ़ा-लिखा और विजनरी नेतृत्व चीन के कर्ज जाल और उसकी विस्तारवादी नीतियों के खतरों को बेहतर समझता है। भारत अब नेपाल के साथ जल-विद्युत परियोजनाओं, डिजिटल कनेक्टिविटी और व्यापारिक समझौतों पर अधिक पारदर्शी और तकनीकी धरातल पर बात कर सकता है। बालेन जैसे नेता पुरानी फाइलों के बजाय डिलीवरी पर जोर देते हैं, जो भारत के निवेश के लिए एक अच्छा संकेत है।

आने वाले समय में भारत-नेपाल संबंधों की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि नई दिल्ली इस बदलाव को कितनी संजीदगी से लेती है। भारत को अब अपनी बिग ब्रदर वाली पुरानी छवि को पीछे छोड़कर नेपाल के इस नए और स्वाभिमानी नेतृत्व के साथ एक समान साझेदार की तरह पेश आना होगा। खुली सीमा के कारण होने वाली सुरक्षा चुनौतियां और सीमा विवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों पर अब केवल आश्वासनों से काम नहीं चलेगा, बल्कि ठोस और सम्मानजनक समाधान ढूंढने होंगे। नेपाल की सड़कों पर गूंजता बालेन शाह का नाम दरअसल एक बदलते और आधुनिक नेपाल की पुकार है। भारत के पास मौका है कि वह इस नई ऊर्जा का साथी बने और हिमालयी क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि का एक नया अध्याय लिखे।

# साम्प्रदायिक सद्भाव का सन्देश देता पवित्र माह-ए-रमजान



निर्मल रानी

पूरे विश्व में इन दिनों मुसलमानों की इबादत का पवित्र महीना रमजान पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया जा रहा है। इस बात से सभी भलीभांति परिचित हैं कि धार्मिक नियमों व रीति रिवाजों का अनुपालन करने वाले मुस्लिम समुदाय के लोग रमजान के पूरे महीने के दौरान दिन भर रोजा (व्रत) रखते हैं और सारा दिन खाना पानी कुछ भी ग्रहण नहीं करते। सूर्योदय से पूर्व सहरी खाकर सूर्यास्त के बाद इफ़्तारी कर रोजदार लोग अपना रोजा खोलते हैं। इस दौरान मुस्लिम समाज के लोग मस्जिदों या अपने अपने घरों में इबादत भी करते हैं। भारत में प्रत्येक वर्ष रमजान के दौरान हिन्दू, मुस्लिम और सिख समुदायों के बीच एकता की कई हृदयस्पर्शी व प्रेरणादायक मिसालें देखने को मिलती हैं। ऐसी मिसालें निश्चित रूप से हमारे देश के भाईचारे, आपसी सहयोग और मुहब्बत का प्रतीक हैं। कहीं हिन्दू तो कहीं सिख रोजा इफ़्तार करते हैं। तो कहीं मंदिर में इफ़्तारी कर मुस्लिम भाइयों को कोई पंडित जी रोजा खुलवाते हैं। कहीं मुस्लिम लोग कुरआन की तरावीह (नमाज -इबादत) छोड़ कर पड़ोसी हिन्दू भाई के घर में लगी आग बुझाने पहुँच जाते हैं तो कहीं हिन्दू भाई बहन रोजा रखकर मुहब्बत का पैगाम देते हैं। जस्टिस मारकण्डे काटजू सहित देश के अनेक गैर मुस्लिम बुद्धिजीवी रमजान के दौरान प्रतीकात्मक रूप से रोजा रखकर साम्प्रदायिक सद्भाव का सन्देश देते हैं।

उदाहरण के तौर पर राजस्थान के बाड़मेर और जैसलमेर जैसे सीमावर्ती जिलों में एक हिन्दू परिवार के सदस्य माह -ए - रमजान में पांच रोजे रखते हैं। इसी तरह महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के एक गांव में 40-50 हिन्दू रोजा रखते हैं और नियमानुसार सहरी व इफ़्तार ग्रहण करते हैं। इन हिन्दू रोजदारों का कहना है कि यह उनके परिवारों की सदियों पुरानी परंपरा है। इसी तरह राजस्थान के सीकर जिले के कांवट गांव में हिन्दू-सिख परिवार मस्जिद में 15 दिनों तक इफ़्तार की दावत दे कर श्रद्धा,सद्भाव व प्रेम का सन्देश देते हैं। राजस्थान के कांवट में सिख परिवार भी हिन्दुओं संग मिलकर रोजदारों को भोजन कराते हैं। हिन्दू-मुस्लिम सौहार्द का ज्वलंत उदाहरण चेन्नई के मायलापुर स्थित सूफ़ीदर मंदिर में देखने को मिलता है। यहाँ गत 40 वर्षों से रोजा रखने वालों के लिए इफ़्तार तैयार किया जाता है। यहाँ के पंडित और स्वयंसेवक मुस्लिम रोजदार भाइयों को इफ़्तार कराकर उन्हें रोजा खुलवाते हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के इटावा के अमर सिंह शाक्य जैसे हिन्दू 22 वर्षों से पूरे 30 रोजे रखते आ रहे हैं। उधर उत्तर प्रदेश के रामपुर में ही इस बार मुस्लिमों ने रोजा रखते हुए अपने हिन्दू साथियों के साथ मिलकर होली भी मनाई। बेशक ऐसे आयोजन व गतिविधियां विभिन्न आस्थाओं के बीच आपसी विश्वास को बढ़ाती हैं।

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के कोतवाली नगर क्षेत्र के मोहल्ला फैसलाबाद में रात के समय एक हिन्दू व्यक्ति के घर में रखे गैस सिलेंडर से भीषण आग लग गयी। उस समय पास की एक मस्जिद में अनेक मुस्लिम भाई रोजा इफ़्तार के बाद तरावीह की नमाज अदा कर रहे थे। वे सभी पड़ोस से अचानक उठने वाले शोर शराबे से व्याकुल हुये। सभी मुस्लिम भाइयों ने नमाज तरावीह छोड़ दी और फौरन एक साथ मौके पर पहुंचकर न केवल आग बुझाने में मदद की बल्कि मस्जिद से पानी का भी पूरा उपयोग कर आग बुझाने में सफलता हासिल की। इन सबकी की मदद से ही आग पर काबू पा लिया गया और बड़ा हादसा टल गया। इस इंसानियत भरी मिसाल ने हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे को और मजबूत किया। जहाँ मुस्लिम भाइयों ने अपनी इस सेवा को ही सच्ची इबादत बताया वहीँ हिन्दू पीड़ित परिवार ने भी यह कहा कि हम मुस्लिम भाइयों की इस इंसानियत को कभी नहीं भूलेंगे।

देश के विभिन्न भागों से रमजान के दौरान इस वर्ष साम्प्रदायिक सद्भाव की और भी अनेक खबरें सुनने व देखने को मिलीं। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में सिख युवाओं ने लाल चौक पर रोजदारों को शरबत व पानी पिलाया तथा खजूर आदि वितरित कर उनके लिये इफ़्तार का प्रबंध किया। इसी तरह पंजाब के जीजी इंस्टीट्यूट में हिन्दू, मुस्लिम, सिख भाइयों ने एक साथ मिलकर रोजा इफ़्तार किया इसके बाद सभी ने सामूहिक रूप से नमाज अदा कर देश में अमन शांति व भाईचारे की दुआ माँगी। इन दिनों दिल्ली की रहने वाली नेहा भारती सोशल मीडिया के माध्यम से काफी लोकप्रिय हो रही हैं। वे पिछले 4 वर्षों से लगातार रमजान के पूरे महीने पुरानी दिल्ली की जामा मस्जिद के बाहर रोजदारों के लिए इफ़्तार का इंतजाम कर रही हैं। वह हर दिन लगभग लगभग 300 से 350 रोजदारों को इफ़्तार कराती हैं। नेहा भारती की श्रद्धा को इस बात से भी समझा जा सकता है कि वे इफ़्तार का सामान(पकवान) अपने घर पर अपने हाथों से ही तैयार करती हैं और शाम को उसे लेकर स्वयं जामा मस्जिद पहुंचती हैं और रोजदारों में वही इफ़्तारी पूरी श्रद्धा व सद्भाव के साथ वितरित करती हैं। नेहा के साथ उनके परिवार के सदस्य और अनेक मित्र भी इन सब में उनकी सहायता करते हैं। पूरे रमजान के दौरान वह रोजाना इफ़्तारी में अलग अलग तरह के पकवान बनाती हैं ताकि रोज इफ़्तार करने वालों को अलग अलग तरह के पकवान मिल सकें। नेहा के अनुसार यह पवित्र काम उन्हें खुशी व सुकून देता है और वह इसे लोगों के बीच भाईचारे और मोहब्बत का संदेश फैलाने का माध्यम मानती हैं। वह चाहती हैं कि अधिक से अधिक युवा ऐसे कामों से जुड़ें और समाज में सद्भाव का माहौल मजबूत हो।

हालाँकि देशभर में विभिन्न राजनैतिक दलों के नेता व तमाम प्रमुख लोग साम्प्रदायिक सद्भाव का प्रदर्शन करने के लिये रमजान में सांकेतिक रोजा इफ़्तार पार्टी का आयोजन कर मीडिया में सुर्ख़ियां बटोर कर अपने दायित्व की इतिश्री समझते हैं। परन्तु हमारे देश में साम्प्रदायिक शक्तियों की सक्रियता के बावजूद देश भर में स्वभाविक रूप से एक दूसरे धर्मों का सम्मान करने उनके त्योहारों व रीति रिवाजों में शामिल होने का वह जज्बा मौजूद है जिसे कोई भी दल,सत्ता,संगठन या विचारधारा कभी भी समाप्त नहीं कर सकते। यही सद्भावपूर्ण वातावरण यह प्रमाणित करने के लिये काफी है कि यह देश राम-कृष्ण -रहीम -नानक - कबीर - व चिश्ती जैसे महान संतों व फकीरों का देश है और इसका स्वभाव हमेशा ऐसा ही रहेगा।

## संक्षिप्त समाचार

### पश्चिम एशिया तनाव : पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति से फोन पर की बात

**मास्को, एजेंसी।** पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच रूस ने हालात को शांत करने की कोशिश तेज कर दी है। इसी कड़ी में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से फोन पर बातचीत कर जल्द से जल्द तनाव कम करने की अपील की। रूस ने साफ कहा कि मौजूदा संकट का समाधान सैन्य टकराव नहीं बल्कि राजनीतिक और कूटनीतिक बातचीत से ही संभव है। रूस की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक यह बातचीत ऐसे समय हुई जब अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जवाबी हमलों का दौर जारी है। खाड़ी क्षेत्र के कई देशों तक इस तनाव का असर पहुंच चुका है। ऐसे में रूस ने सभी पक्षों से संयम बरतने और हालात को बिगड़ने से रोकने की जरूरत बताई। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने बातचीत में कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष को जल्द कम किया जाना चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि रूस का रुख शुरू से ही यही रहा है कि विवादों को राजनीतिक और कूटनीतिक रास्ते से सुलझाया जाए। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने भी रूस के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और मानवीय सहायता देने के लिए आभार जताया। पश्चिम एशिया के खाड़ी देशों में रूस के बड़े रणनीतिक और आर्थिक हित हैं। इसी वजह से मॉस्को लगातार इस संकट को कम करने की कोशिश कर रहा है। रूस ने अमेरिका, ईरान और क्षेत्र के अन्य देशों से संपर्क बनाकर हालात को संभालने का प्रयास शुरू किया है ताकि युद्ध जैसी स्थिति बनने से पहले समाधान निकल सके। सोमवार रात मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी पुतिन से फोन पर बात की। करीब एक घंटे चली इस बातचीत में पश्चिम एशिया की स्थिति के साथ रूस-यूक्रेन संघर्ष पर भी चर्चा हुई। हालांकि क्रेमलिन के प्रवक्ता ने यह नहीं बताया कि पुतिन ने ईरान संकट को लेकर ट्रंप के सामने क्या प्रस्ताव रखे। क्रेमलिन के प्रवक्ता ने कहा कि शुरुआत से ही पुतिन ने तनाव कम करने के लिए मध्यस्थता की पेशकश की थी। लेकिन फिलहाल हालात ऐसे हैं कि किसी भी समाधान के लिए कई देशों के बीच सहमति बनना जरूरी है। रूस ने कहा कि वह कूटनीतिक बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए सभी पक्षों को साथ आना होगा।

### स्विट्ज़रलैंड में बर्न के पास बस में लगी आग, छह लोगों की मौत ; तीन गंभीर रूप से घायल

**बर्न , एजेंसी।** स्विट्ज़रलैंड की राजधानी बर्न के पास एक दर्दनाक हादसे में क्षेत्रीय बस में आग लगने से कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस के मुताबिक यह हादसा मंगलवार शाम बर्न से लगभग 25 किलोमीटर पश्चिम स्थित केरजर्स कस्बे में हुआ। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरी बस उसकी चपेट में आ गई। फ्रिबर्ग कैंटन के पुलिस प्रवक्ता फ्रेडरिक पापो ने बताया कि शुरुआती जांच में इस घटना के पीछे किसी स्वैच्छिक कृत्य की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मामले की पूरी सच्चाई सामने लाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। क्षेत्रीय सरकार ने एक बयान में कहा कि जब बचाव दल मौके पर पहुंचे तो बस पूरी तरह आग की लपटों में घिरी हुई थी और अंदर मौजूद लोगों को बचाना बेहद मुश्किल हो गया था। पुलिस के अनुसार, हादसे में गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को एम्बुलेंस और हेलीकॉप्टर की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। इसके अलावा दो अन्य लोगों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया। जिस बस में आग लगी वह पोस्टबस द्वारा संचालित क्षेत्रीय परिवहन बस थी। यह कंपनी स्विट्ज़रलैंड की राष्ट्रीय डाक सेवा से संबद्ध है और कई क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन सेवाएं देती है। पुलिस और जांच एजेंसियां फिलहाल घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी हैं। अधिकारियों का कहना है कि बस में आग कैसे लगी और इसके पीछे किसी की साजिश है या नहीं, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

### लंदन : होली उत्सव पर हमला ब्रिटिश संसद में गूंजा मुद्दा

**लंदन, एजेंसी।** उत्तर-पश्चिम लंदन के हैरो में होली मना रहे हिंदू समुदाय पर उपद्रवियों ने हमला किया है। कुछ लोगों ने लाउडस्पीकर तोड़े और लोगों पर हमला किया। ब्रिटिश सरकार ने घटना की कड़ी निंदा की है। सांसद बॉब ब्लैकमैन ने संसद में इस मुद्दे को उठाते हुए बताया कि उपद्रवियों ने लाउडस्पीकर तोड़कर उत्सव में खलल डाला। इस पर लीडर ऑफ द कॉमन्स एलन कैंपबेल ने दुख जताते हुए कहा कि धार्मिक घृणा किसी भी रूप में घृणित है और हमारे समाज में इसका कोई स्थान नहीं है। एक किशोर को गिरफ्तार किया गया है।

# व्हाइट हाउस ने चुनाव सुधार विधेयक को आगे बढ़ाया

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** व्हाइट हाउस ने कांग्रेस से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित व्यापक चुनाव सुधारों को पारित करने का आग्रह किया, यह कहते हुए कि यह कानून मतदान की अखंडता को मजबूत करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि केवल अमेरिकी नागरिक ही अमेरिकी चुनावों में भाग लें।

व्हाइट हाउस की एक ब्रीफिंग में प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने प्रस्तावित सेव अमेरिका एक्ट को 'हमारे राष्ट्र के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण विधायी प्रस्तावों में से एक' बताया। लेविट ने कहा, 'सेव अमेरिका एक्ट सभी अमेरिकियों के बीच बेहद लोकप्रिय है क्योंकि इसकी हर धारा सामान्य समझ पर आधारित है। उन्होंने कहा कि इस कानून में राष्ट्रपति द्वारा मांगे गए पांच प्रमुख प्रावधान शामिल हैं। 'सेव अमेरिका एक्ट' में संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के अनुरोध के अनुसार पांच सरल आवश्यकताएं हैं। व्हाइट हाउस के अनुसार, पहला प्रावधान मतदाताओं को मतदान से पहले पहचान पत्र दिखाने की आवश्यकता करेगा। लेविट ने कहा, 'नंबर एक, अमेरिकी चुनाव में मतदान करने के लिए मतदाताओं को पहचान पत्र दिखाना होगा। उन्होंने कहा कि मतदाता पहचान के लिए जनसमर्थन दलगत सीमाओं से परे मजबूत है। 'नब्बे प्रतिशत अमेरिकी, जिनमें 80 प्रतिशत से अधिक डेमोक्रेटिक मतदाता भी शामिल हैं, इससे सहमत हैं।' दूसरी आवश्यकता मतदाता पंजीकरण के समय नागरिकता का प्रमाण प्रस्तुत करने की होगी। उन्होंने कहा, 'सेव अमेरिका एक्ट के तहत सभी मतदाताओं को अमेरिकी चुनावों में वोट देने के लिए पंजीकरण कराने हेतु नागरिकता का प्रमाण दिखाना होगा।' लेविट ने तर्क देते हुए कहा कि हाल के वर्षों में अवैध आव्रजन में वृद्धि के कारण यह कदम आवश्यक है। 'केवल अमेरिकी नागरिकों को ही अमेरिकी चुनावों में वोट देने का अधिकार है।' 'हालांकि जब जो बाइडेन और डेमोक्रेट्स ने अमेरिका में करोड़ों अवैध विदेशियों को आने की अनुमति दी, तो अब पहले से कहीं अधिक ज़रूरी हो गया है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि हमारे देश की मतदाता सूची में केवल अमेरिकी नागरिक ही पंजीकरण करा रहे हों और कांग्रेस को इसे पारित करना चाहिए।' एक अन्य प्रावधान सार्वभौमिक मेल-इन बैलेट को समाप्त करेगा जबकि सीमित अपवाद बनाए रखेगा। उन्होंने कहा, 'सेव अमेरिका एक्ट सार्वभौमिक मेल-इन बैलेट की बेहद असुरक्षित प्रथा को समाप्त करता है।' साथ ही, उन्होंने कहा कि कुछ श्रेणियों के मतदाताओं को अब भी डाक के माध्यम से मतदान की अनुमति होगी। 'सेव अमेरिका एक्ट बीमारी, विकलांगता, सैन्य सेवा या यात्रा जैसे कारणों के लिए अमेरिकियों को मेल-इन बैलेट का उपयोग करने के अपवाद बनाए रखता है।' लेविट ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर और पूर्व विदेश मंत्री जेम्स बेकर की अध्यक्षता वाले द्विदलीय चुनाव सुधार आयोग की रिपोर्ट का हवाला दिया। उन्होंने कहा, 'संघीय चुनाव सुधार आयोग की 2005 की द्विदलीय रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला था कि अनुपस्थित बैलेट संभावित मतदाता धोखाधड़ी का सबसे बड़ा स्रोत बने रहते हैं।' प्रस्तावित कानून में चुनाव प्रक्रिया से परे अन्य मुद्दों को संबोधित करने वाले प्रावधान भी शामिल हैं। लेविट ने कहा, 'सेव अमेरिका एक्ट पुरुषों को महिलाओं के खेलों में प्रतिस्पर्धा करने से स्थायी रूप से प्रतिबंधित करता है।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह विधेयक नाबालिगों के लिए लिंग-संबंधी चिकित्सीय प्रक्रियाओं पर भी रोक लगाएगा। 'नंबर पांच, सेव अमेरिका एक्ट बच्चों के लिए ट्रांसजेंडर म्यूटिलेशन सर्जरी पर प्रतिबंध लगाता है।' लेविट ने दोनों दलों के सांसदों से इस कानून का समर्थन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'सेव अमेरिका एक्ट को पारित करना चुनावी ईमानदारी को मजबूत करने और हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा करने के लिए रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स दोनों के लिए सबसे महत्वपूर्ण काम है।' व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति चाहते हैं कि कांग्रेस इस कदम पर तेजी से कार्रवाई करे। 'राष्ट्रपति कांग्रेस से इस काम को पूरा करने और इस ऐतिहासिक विधेयक को तुरंत उनके हस्ताक्षर के लिए उनकी मेज तक भेजने का आह्वान कर रहे हैं।' हाल के वर्षों में अमेरिका में चुनावी कानून सबसे विवादास्पद राजनीतिक मुद्दों में से एक बन गए हैं, विशेष रूप से 2020 के अत्यधिक ध्रुवीकृत राष्ट्रपति चुनाव के बाद। रिपब्लिकन नेताओं ने बार-बार कड़े मतदाता पहचान और नागरिकता सत्यापन की आवश्यकताओं की वकालत की है, जबकि कई डेमोक्रेट्स का तर्क है कि ऐसे कदम कुछ मतदाता समूहों के लिए मतदान को अधिक कठिन बना सकते हैं। पिछले कुछ वर्षों में कई अमेरिकी राज्यों में मतदान नियमों पर बहस तेज हो गई है, जहाँ विधानसभाओं ने मतदाता पहचान, मेल-इन बैलेट और चुनाव प्रशासन को प्रभावित करने वाले कई बदलाव पेश किए हैं, क्योंकि दोनों दल भविष्य के राष्ट्रीय चुनावों की तैयारी कर रहे हैं।

## भारत से सटी सीमा पर सड़क नेटवर्क मजबूत करने में जुटा चीन, 394 किलोमीटर लंबा राजमार्ग बनाएगा ड्रैगन

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन अपनी 15वीं पंचवर्षीय योजना के तहत अगले पांच वर्षों में भारत से सटे संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में रणनीतिक परिवहन नेटवर्क को और मजबूत करने की योजना पर काम कर रहा है। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने 15वीं पंचवर्षीय योजना के मसौदा रिपोर्ट के हवाले से लिखा कि एक परियोजना के तहत शिनजियांग, उइगुर स्वायत्त क्षेत्र में स्थित दुर्गम तियानशेन पर्वत श्रृंखला के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों को जोड़ने के लिए 394 किलोमीटर लंबे राजमार्ग का निर्माण किया जाएगा।

योजना को मंजूरी के लिए एनपीसी के पास भेजा गया

यह पंचवर्षीय योजना चीन की राष्ट्रीय विधायिका, राष्ट्रीय जन कांग्रेस (एनपीसी) के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की गई है। इसका सत्र अभी चल रहा है। यह मार्ग विवादित अक्साई चिन क्षेत्र से होकर गुजरने वाली एक रणनीतिक सड़क के समानांतर बनेगा, जिसका निर्माण 1962 के भारत-चीन सीमा युद्ध के बाद सैन्य गतिशीलता को बेहतर बनाने के लिए किया गया था। मध्य शिनजियांग में दुशांजी-कुका राजमार्ग का निर्माण 2032 तक पूरा होने की उम्मीद है।

**तिब्बत जाने वाले राजमार्गों को भी बेहतर करेगा चीन :** इस पंचवर्षीय योजना में तिब्बत की ओर जाने वाले तीन मौजूदा राजमार्गों के उन्नयन का भी प्रस्ताव है। चीन के भविष्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण मानी जाने वाली 15वीं पंचवर्षीय योजना में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ई-वाहनों और बैटरी जैसी नई उत्पादक शक्तियों पर खासा जोर दिया गया है ताकि कमजोर पड़ रही अर्थव्यवस्था को गति दी जा सके। इस पंचवर्षीय योजना को सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा पहले ही मंजूरी दे दी गई है।

**चीन की कई योजनाओं से भारत में बढ़ी चिंता :** एनपीसी को कम्युनिस्ट पार्टी का रबर-स्टांप संसद माना जाता है और वह अपने मौजूदा सत्र में इस योजना को मंजूरी देने वाली है। चीन ने पिछले साल 14वीं पंचवर्षीय योजना पूरी की है, जिसके दौरान उसने भारतीय सीमा के पास ब्रह्मपुत्र नदी पर तिब्बत में दुनिया के सबसे बड़े बांध का निर्माण शुरू किया। पिछली जुलाई में चीन ने 170 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत से इस बांध का निर्माण शुरू किया है, जिसे दुनिया की सबसे बड़ी अवसंरचना परियोजना बताया जा रहा है। इसके तहत भारी मात्रा में पानी जमा करने की क्षमता और नदी के प्रवाह में बदलाव को लेकर भारत और बांग्लादेश जैसे तटीय देशों में चिंताएं पैदा हो गई हैं।

## बांग्लादेश किसी के कहने पर नहीं चलेगा: विदेश मंत्री खलीलुर रहमान

**ढाका , एजेंसी।** बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने कहा है कि अब उनका देश किसी के कहने पर नहीं चलेगा और अपनी मर्जी से काम करेगा। उन्होंने यह टिप्पणी लंदन में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की ब्रिटेन यूनिट की इफ्तार पार्टी के दौरान कही। वे इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। उन्हें बांग्लादेश के प्रधानमंत्री और बीएनपी चेयरपर्सन तारिक रहमान के बयान का जिक्र किया और कहा कि बांग्लादेश सबके साथ है। ब्रिटेन के दौरे पर पहुंचे खलीलुर रहमान ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर हमला बोला और उनके कार्यकाल को फासिस्ट शासन कहकर संबोधित किया। बांग्लादेश के मीडिया आउटलेट प्रथम आलो की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि फासीवादी शासन के दौरान देश की विदेश नीति दूसरे देश के हाथों गिरवी रख दी गई थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि उस समय विदेश नीति बनाने के लिए कुछ कास नहीं किया गया। हालांकि, रहमान ने भारत का नाम नहीं लिया लेकिन उनके बयान को शेख हसीना के दौरा में ढाका और नई दिल्ली के नजदीकी संबंधों के संदर्भ में देखा जा रहा है।इफ्तार पार्टी में बोलते हुए खलीलुर रहमान ने देश की आजादी, संप्रमभुता, क्षेत्रीय अखंडता, राष्ट्रीय हित और सम्मान को बांग्लादेश की विदेश नीति का मुख्य सिद्धांत बताया। उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान ने इस विदेश नीति को लागू किया था और देश अब उसी तरफ लौट रहा है। शहीद राष्ट्रपति जियाउर रहमान के समय में ये सिद्धांत बांग्लादेश की विदेश नीति की खासियत थे। मैं उस समय विदेश मंत्रालय में शामिल हुआ था। यह हमारी विदेश नीति का स्वर्ण काल था। अब हम उस पोजीशन पर लौट रहे हैं। बांग्लादेश में हालिया चुनाव में बंपर जीत हासिल करने के बाद तारिक रहमान ने खलीलुर रहमान को अपना विदेश मंत्री बनाया था। विदेश मंत्री के रूप में खलीलुर रहमान की तैनाती बांग्लादेश के राजनीतिक हलके के लिए चौंकाने वाली थी।

## ऊर्जा बाजार को स्थिर करने के लिए भारत को रूसी तेल खरीदने की छूट : व्हाइट हाउस

**वाशिंगटन, एजेंसी।** व्हाइट हाउस ने कहा कि ईरान के खिलाफ चल रहे यूएस मिलिट्री कैंपेन से पैदा हुई दिक्कतों के बीच ग्लोबल एनर्जी मार्केट को स्थिर करने की एक बड़ी कोशिश के तहत डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को रूसी तेल खरीदने के लिए तत्कालीन छूट को मंजूरी दी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि यह फैसला प्रेसिडेंट, ट्रेजरी डिपार्टमेंट और नेशनल सिक्योरिटी टीम के सदस्यों के बीच बातचीत के बाद लिया गया। लेविट ने एक सवाल के जवाब में रिपोर्टर्स से कहा, 'प्रेसिडेंट और ट्रेजरी सेक्रेटरी और पूरी नेशनल सिक्योरिटी टीम इस फैसले पर इसलिए पहुंची क्योंकि भारत में हमारे सहयोगी अच्छे रहे हैं और उन्होंने पहले भी रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह तत्कालीन उपाय ईरान

के संकट से पैदा हुई ग्लोबल तेल सप्लाई में रुकावटों को दूर करने के लिए था। लेविट ने आगे कहा, 'जब हम ईरानियों की वजह से दुनिया भर में तेल सप्लाई के इस 'टेम्पररी गैप' को कम करने के लिए काम कर रहे हैं, तो हमने उन्हें तत्कालीन तौर पर रूसी तेल लेने की इजाजत दे दी है।' लेविट ने बताया कि छूट मिलने से पहले ही शिपमेंट भेज दिए गए थे। व्हाइट हाउस के मुताबिक, प्रशासन को उम्मीद नहीं है कि इस व्यवस्था से मॉस्को को आर्थिक रूप से कोई खास फायदा होगा। यह बात तब आई जब व्हाइट हाउस ने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' पर अपडेट दिया, जो ईरान के मिसाइल इंफ्रास्ट्रक्चर और नेवल क्षमता को टारगेट करने वाला यूएस मिलिट्री कैंपेन है। लेविट ने कहा कि दस दिन पहले शुरू होने के बाद से ऑपरेशन में तेजी से प्रोग्रेस हुई है। अब तक 5,000 से ज्यादा दुश्मन के ठिकानों पर हमला किया जा चुका है। उन्होंने आगे कहा कि ईरान की जवाबी कार्रवाई करने की क्षमता में तेजी से गिरावट आई है। 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' शुरू होने के बाद से ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले 90 प्रतिशत से ज्यादा कम हो गए हैं, और उनके ड्रोन हमले लगभग 35 प्रतिशत कम हो गए हैं। अमेरिकी सेना ने ईरान के नेवल एसेट्स को भी निशाना बनाया है। लेविट ने कहा, 'हमने 50 से ज्यादा ईरानी नेवल वेसल को नष्ट कर दिया है, जिसमें एक बड़ा ड्रोन कैरियर शिप भी शामिल है। ईरानी नेवी को 'लड़ाई में बेअसर' माना गया है। लेविट ने कहा, ''ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के बताए गए मकसद वही हैं। बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट करना, उनकी ईरानी मिसाइल इंडस्ट्री को जमीन पर गिराना, यह पक्का करना कि उनके आतंकवादी प्रॉक्सी अब इस इलाके को अस्थिर न कर सकें, और यह पक्का करना कि ईरान को कभी न्यूक्लियर वेपन न मिले।'

व्हाइट हाउस ने इस बात पर भी जिक्र किया कि यूनाइटेड स्टेट्स दुनिया के सबसे जरूरी तेल शिपिंग रूट्स में से एक, होर्मुज स्ट्रेट के जरिए एनर्जी का लगातार फ्लो पक्का करेगा। लेविट ने कहा कि ट्रंप ने एनर्जी सप्लाई रूट्स की सुरक्षा के लिए अपना वादा दोहराया है।

## पत्नी की हत्या कर फरार हुआ भारतीय, एफबीआई ने इनाम बढ़ाकर किया नौ करोड़ रुपये

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) ने 2015 में अपनी पत्नी की हत्या के आरोप में फरार भारतीय नागरिक भद्रेश कुमार चेतनभाई पटेल की गिरफ्तारी के लिए इनाम की राशि बढ़ाकर 10 लाख डॉलर (करीब नौ करोड़ रुपये) कर दी है। इससे पहले इस मामले में सूचना देने पर 2.5 लाख डॉलर तक का इनाम घोषित था। 35 वर्षीय भद्रेश कुमार पटेल को एफबीआई की टेन मोस्ट वांटेड फ्यूजिटिव्स सूची में शामिल किया गया है। एजेंसी का मानना है कि वह अभी भी फरार है और बेहद खतरनाक हो सकता है। डोनट शॉप में हुई थी पत्नी की हत्या जांच एजेंसियों के अनुसार यह घटना 12 अप्रैल 2015 को अमेरिका के मैरीलैंड राज्य के हैनोवर शहर में हुई थी। उस समय पटेल और उनकी पत्नी पलाक पटेल एक डोनट शॉप में काम करते थे। आरोप है कि देर रात काम के दौरान पटेल ने दुकान के पिछले कमरे में अपनी 21 वर्षीय पत्नी पर किसी भारी वस्तु से कई बार हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद ऐसे फरार हुआ आरोपी एफबीआई के मुताबिक हत्या के बाद पटेल दुकान के पिछले दरवाजे से फरार हो गया। इसके बाद वह सड़क पार कर उस अपार्टमेंट में गया, जहां वह अपनी पत्नी के साथ रहता था। वहां से उसने कुछ सामान और नकदी ली और फिर टैक्सी लेकर न्यू जर्सी के न्यूर्क इलाके पहुंच गया। रिपोर्ट के अनुसार वह न्यूर्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास एक होटल में तड़के करीब 3 बजे चेक-इन किया। उसके पास कोई सामान नहीं था और वह सिर्फ पहने हुए कपड़ों में ही होटल पहुंचा था। सुबह करीब 10 बजे उसने होटल से चेक-आउट किया और शटल बस से न्यूर्क पेन स्टेशन पहुंचा। इसके बाद से उसका कोई सुराग नहीं मिला है।

**हथियारबंद और बेहद खतरनाक माना जा रहा :** एफबीआई ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि पटेल को हथियारबंद और बेहद खतरनाक माना जाना चाहिए। इसलिए आम लोगों से सावधानी बरतने और किसी भी जानकारी को तुरंत एजेंसियों तक पहुंचाने की अपील की गई है।

**हत्या के पीछे यह वजह हो सकती है :** जांचकर्ताओं का मानना है कि हत्या के पीछे भारत लौटने को लेकर दंपत्ति के बीच विवाद हो सकता है। बताया गया कि उस समय दोनों के वीजा की अवधि खत्म हो चुकी थी और पलाक भारत लौटना चाहती थीं, जबकि पटेल इसके खिलाफ था। एफबीआई के विशेष एजेंट जोनाथन शेफर के अनुसार, आरोपी को शायद डर था कि अगर उसकी पत्नी भारत लौट गई तो उसे सामाजिक रूप से शर्मिंदगी का सामना करना पड़ेगा।

## हॉर्मुज के आस-पास संकट गहराया: अमेरिका ने तबाह किए ईरान के 16 माइन बिछाने वाले जहाज

**वाशिंगटन, एजेंसी।** पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान के खिलाफ समुद्र में बड़ी सैन्य कार्रवाई का दावा किया है। अमेरिकी सेना के अनुसार, हॉर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान की कई नौकाओं को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया गया, जिनका इस्तेमाल समुद्र में बारूदी सुरंगें (नैवल माइन) बिछाने के लिए किया जा सकता था।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि 10 मार्च को अमेरिकी बलों ने ईरान की कई नौसैनिक नौकाओं पर हमला किया, जिनमें 16 माइन बिछाने वाली नावें शामिल थीं। कमांड ने इस कार्रवाई का एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें समुद्र में किए गए हमलों के दृश्य दिखाई देते हैं।

**ईरान को दी सख्त चेतावनी :** ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हॉर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की समुद्री माइन बिछाई गई हैं तो उन्हें तुरंत हटाया जाए। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो अमेरिका की सैन्य प्रतिक्रिया बेहद कठोर हो सकती है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर ईरान संभावित रूप से लगाए गए विस्फोटकों को हटा देता है तो इससे क्षेत्र में तनाव कम करने की दिशा में बड़ा कदम माना जाएगा।

**खुफिया रिपोर्ट में माइन बिछाने की आशंका :** अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, खुफिया एजेंसियों को आशंका है कि ईरान इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग में समुद्री बारूदी सुरंगें तैनात करने की तैयारी कर रहा है। कुछ अधिकारियों का मानना है कि संभव है कि सीमित संख्या में माइन पहले ही पानी में डाली जा चुकी हों।

**दुनिया के लिए बेहद अहम है हॉर्मुज जलडमरूमध्य :** हॉर्मुज जलडमरूमध्य ईरान और ओमान के बीच स्थित दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। वैश्विक स्तर पर कारोबार होने वाले कुल तेल का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा हर दिन इसी रास्ते से गुजरता है। यही वजह है कि इस क्षेत्र में किसी भी तरह का सैन्य तनाव वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर बड़ा असर डाल सकता है।

**जहाजों के लिए बढ़ा जोखिम :** पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बाद से विशेषज्ञों ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य को व्यावसायिक जहाजों के लिए उच्च जोखिम वाला क्षेत्र बताया है। ईरान की नौसेना और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बनाया जा सकता है। ऐसे में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव आने वाले दिनों में वैश्विक तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है।

# ईरान युद्ध से वैश्विक स्तर पर बढ़ सकती है उर्वरक की लागत

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी कृषि नेताओं ने मंगलवार को अमेरिकी सांसदों को चेतावनी दी कि ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण वैश्विक उर्वरक और ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं, जिससे उन किसानों पर नया दबाव पड़ेगा जो पहले से ही बढ़ती लागत और अस्थिर बाजारों से जूझ रहे हैं।

चेतावनी उस समय दी गई जब सीनेट कृषि समिति की सुनवाई में अमेरिकी-उगाए गए कृषि उत्पादों की घरेलू मांग बढ़ाने पर चर्चा हो रही थी, जबकि किसान वित्तीय दबाव और अनिश्चित वैश्विक परिस्थितियों से जूझ रहे हैं। अमेरिकन फार्म ब्यूरो फेडरेशन के अध्यक्ष ज़िप्पी डुवॉल ने सीनेटरों से कहा कि भू-राजनीतिक तनाव से कृषि अर्थव्यवस्था और खराब होने की संभावना है। उन्होंने समिति के सामने गवाही में कहा, 'ईरान में संघर्ष से ईंधन और उर्वरक की लागत और भी अधिक बढ़ने की उम्मीद है। कृषि नेताओं ने कहा कि कृषि क्षेत्र पहले से ही गिरती कमोडिटी कीमतों और ऊंची उत्पादन लागत के कारण गंभीर दबाव में है। नॉर्थ डकोटा फार्मर्स यूनियन के अध्यक्ष मैट परड्यू ने कहा कि किसान आर्थिक और भू-राजनीतिक चुनौतियों के संयोजन का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'किसान महत्वपूर्ण आर्थिक प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं, हमारी इनपुट लागत ऊँची है, कमोडिटी कीमतें कम हैं, और हमारे बाज़ार बेहद अस्थिर हैं।' उन्होंने कहा कि वैश्विक तनाव स्थिति को और खराब कर रहे हैं। परड्यू ने कानून निर्माताओं से कहा, 'व्यापार विवाद और अब ईरान में युद्ध ने इन आर्थिक चुनौतियों को और बढ़ा दिया है।'

परड्यू ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव कृषि अर्थव्यवस्था के दोनों पक्षों को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'भू-राजनीतिक तनावों ने कृषि आय के समीकरण के दोनों पक्षों पर दबाव पैदा

किया है, जिससे इनपुट लागत बढ़ रही है और कमोडिटी कीमतें दब रही हैं। सीनेट की सुनवाई ने किसानों के बीच बढ़ती उर्वरक लागत को लेकर चिंता को उजागर किया, जो गेहूं, मक्का और सोयाबीन जैसी फसलों के उत्पादन खर्च का बड़ा हिस्सा होती है। कानून निर्माताओं ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति मार्गों में बाधाएं इस समस्या को और गंभीर बना सकती हैं। सीनेटर टीना स्मिथ ने कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य में तनाव उर्वरक लागत को और बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं कि अब हमारे पास अतिरिक्त भू-राजनीतिक तनाव हैं। होर्मुज़ जलडमरूमध्य और वहाँ की कुछ चुनौतियां, जो पहले से ही ऊँची उर्वरक लागत में एक और वृद्धि ला रही हैं।' स्मिथ ने चेतावनी दी कि लागत में यह वृद्धि खेती के संचालन को आर्थिक रूप से अस्थिर बना सकती है। उन्होंने कहा, 'गेहूं के एक एकड़ पर उर्वरक की लागत आपके उत्पादन खर्च का लगभग 40 प्रतिशत होती है और अब यह 30 प्रतिशत और बढ़ रही है। कृषि नेताओं ने कहा कि किसान पहले से ही लाभ में बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अध्यक्ष जॉन बूज़मैन ने कहा कि अमेरिकी कृषि अर्थव्यवस्था गंभीर दबाव में है। बूज़मैन ने कहा, अगर आप जमीन में कुछ भी बो रहे हैं, तो संभवतः आप पैसा खो रहे हैं। उनके गृह राज्य अर्कांसस में इस समय कोई भी रो क्रॉप लाभदायक नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्ष पूरे देश के किसानों के लिए विशेष रूप से कठिन रहे हैं। बूज़मैन ने कहा, 'पिछले तीन साल बिल्कुल ही दंडात्मक रहे हैं।' बढ़ती लागत, व्यापार में व्यवधान और वैश्विक प्रतिस्पर्धा ने मिलकर कृषि आय को कमजोर कर दिया है। परड्यू ने चेतावनी दी कि किसान ऐतिहासिक रूप से उच्च कर्ज बोझ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'किसान और पशुपालक रिकॉर्ड स्तर के कर्ज का बोझ उठा रहे हैं, जो 1980 के दशक से भी अधिक है। डुवॉल ने कहा कि कृषि क्षेत्र को भू-राजनीतिक झटकों और व्यापार व्यवधानों के प्रति अपनी संवेदनशीलता कम करने के लिए घरेलू बाज़ारों को मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा, 'आज हमें अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए घरेलू मांग को मजबूत करना होगा।' कृषि समूहों ने कानून निर्माताओं से कहा कि हालांकि सरकारी सहायता कार्यक्रमों ने किसानों को हाल की संकट स्थितियों से उबरने में मदद की है, लेकिन दीर्घकालिक समाधान बाज़ारों के विस्तार और लागत को स्थिर करने पर केंद्रित होने चाहिए।

# उपाय जिनसे बालों में लाये जान

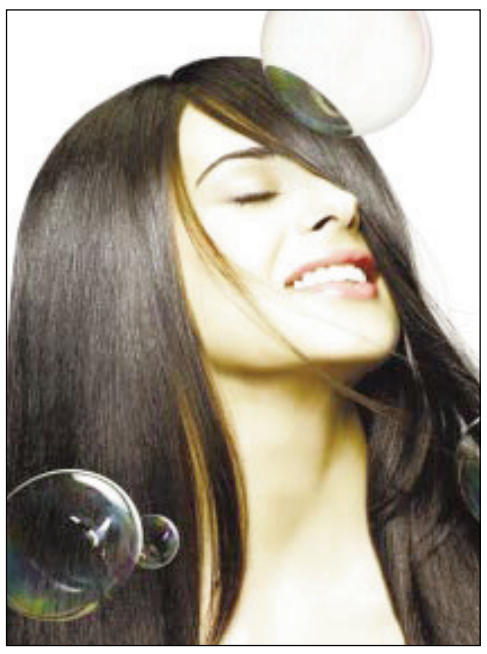

**हेयर थैरेपी** - आज आधुनिकता के नाम पर अनेक विकृतियां उत्पन्न हो गई हैं। जिसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। बाल भी इससे अछूते नहीं है। विभिन्न शोधों से यह साबित हो चुका है कि बालों का असमय सफेद होना, झड़ना आदि समस्याओं की उत्पत्ति हमारे दोषपूर्ण आहार-विहार के फलस्वरूप स्वास्थ्य पर पड़ने वाले कुप्रभाव के कारण होती है। बालों की इन समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए निम्न प्राकृतिक थैरेपी आजमाकर देखिए।

**रिफ्लेक्सोलॉजी** - मानसिक तनाव, प्रदूषण, असंतुलित हार्मोन्स, विटामिन 'बी' और 'सी' की कमी, प्रोटीन की न्यूनता, पित्त प्रकृति, अनिद्रा आदि कारणों से बाल असमय सफेद होने लगते हैं। लगातार बालों के झड़ने से अंत में सिर गंजा हो जाता है। आहार में दूध, फल, शाक, सब्जियां आदि उचित आहार लेने से बालों की इन समस्याओं से बचा जा सकता है। आवश्यक हो, तो योग्य चिकित्सक की सलाह से औषधियों द्वारा उपचार करें। दोनों हाथ के नाखूनों को आपस में पांच मिनट तक रगड़ें। प्रतिदिन रात को सोने से पहले नाक के दोनों छिद्रों में दो-दो बूंद गाय का घी डालने से बालों की जड़ें मजबूत होंगी तथा बालों का झड़ना बंद हो जाएगा।

**ध्यान** - ध्यान मानसिक तनाव दूर करने में मदद करता है। ध्यान साधना करने वाले कभी भी विचलित नहीं होते। इसके लिए प्रातः का समय सबसे उपयुक्त रहता है। सुखासन में शांत चित्त से बैठकर दोनों हथेली खुली आकाश की ओर करके घुटनों पर रखें। आंखें बंदकर मांसपेशियों को ढीला छोड़ दें फिर आई ब्रो को पूरी ताकत से ऊपर उठायें 20 सेकण्ड बाद पूरी ताकत से नीचे लाये। प्रतिदिन 40 बार करें धीरे-धीरे अपनी क्षमतानुसार समय बढ़ाते जायें।

**मालिश** - बालों के लिए जितने जरूरी पोषक तत्व है उतना ही आवश्यक है तेल द्वारा मालिश। सप्ताह में कम से कम दो बार नारियल तेल, जवाकुसुम तेल या किसी आयुर्वेदिक तेल से बालों की जड़ों में अच्छे से मालिश करें। इससे रक्त संचार सुचारू होगा। बालों को काला, घना मजबूत और चमकीला बनाए रखने के लिए यह उपयोगी उपचार है। हमेशा स्वयं की कंघी इस्तेमाल करें। सीधी दिशा में कंघी करके विपरीत दिशा में भी कंघी करें। जाड़े में सरसों के तेल से और ग्रीष्म में तिल के तेल से मालिश करें।

**योग** - शीर्षासन और सर्वांगासन जैसे आसन नियमित करने से सिर के बालों को चमत्कारिक लाभ होता है। इन आसनों से रक्त संचरण की क्रिया में त्वरित गति आती है और बालों तथा सिर के स्नायुओं को पोषण मिलता है। अगर युवावस्था में उपर्युक्त दोनों आसन नियमित रूप से किए जाएं तो बालों को भरपूर पोषण और स्वास्थ्य प्राप्त होता है।

**बालों को मजबूत बनाने के उपाय** - बालों को धीमें हाथों से मसलकर व्यायाम दें, इससे आप ऊबेंगे नहीं, बालों को थोड़ा विभाजित करते जाएं। विभाजित बालों को पकड़कर धीरे-धीरे खींचे। धीमें हाथों से सिर के बालों को ठोकिए, थपथपाइए। ऐसा करने से बाल की जड़ों के रोम छिद्र खुल जाते है। रक्त संचरण की गति तेज हो जाने से बालों की जड़ों के, समीपवर्ती सूक्ष्म अवयवों में पर्याप्त रक्त प्रवाह होता है और उनकी रोग प्रतिकारक शक्ति बढ़ जाती है।

## गेहूं की खीर

**सामग्री :** 1 कप गेहूं, 1/2 कप गुड़, 1/2 लीटर दूध, 1 चम्मच घी, इलायची पाउडर और ड्राईफ्रूट।

**विधि :** सब से पहले गेहूं 4 घंटे पानी में भीगने दें। उस के बाद गेहूं पानी से निकाल कर कपड़े पर सुखाएं। (थोड़ा सा गीला ही रहने दें।) गेहूं मिक्सी में दरदरे पीस लें। इस से गेहूं के छिलके निकल जाएंगे। इस के बाद कड़ाही में घी डाल कर गेहूं भून लें। फिर इस में 2 कप गरम पानी डाल तक पका लें। गेहूं के पकने पर इस में गुड़ और दूध डाल कर चलाते रहें। खीर गाढ़ी होने पर आंच से उतारें और उस में ड्राईफ्रूट मिलाएं।

# अधिक उम्र पर भी बचें झुर्रियों से

**प्रदूषण,** धूल-मिट्टी, तनाव, धूप और दौड़भाग न जाने कितनी चीजों का सामना हमारी त्वचा को प्रतिदिन करना पड़ता है। ऐसे में समय रहते उचित देखभाल न करने से उम्र के पहले ही चेहरे पर झुर्रियों पड़ जाती हैं। चिरयुवा बने रहने तथा सौंदर्य कायम रखने में सबसे बड़ी बाधा हैं झुर्रियों की समस्या। बढ़ती उम्र के निशान सबसे पहले चहरे पर ही नजर आते हैं। यदि त्वचा की उचित तरीके से देखभाल की जाए तो वर्षो तक चेहरा स्निग्ध व कमनीय बना रहेगा।

नैसर्गिक रूप से महिलायें अपने सौंदर्य के प्रति सचेत रहती हैं, कभी-कभी असमय ही झाईयां-झुर्रियां होने की समस्या उत्पन्न हो जाती है। आमतौर पर झुर्रियां बढ़ती उम्र की निशानी मानी जाती है लेकिन जिस तरह से हमारे खानपान व जीवनशैली में बदलाव आया है, उम्र में ही चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगी है। झुर्रियां अक्सर शरीर के भागों में होती हैं जो अक्सर खुला, नाजुक और कोमल रहता है।

### कैसे पड़ती है झुर्रियां -

झुर्रियों का प्रमुख कारण त्वचा की खुश्की है। त्वचा की प्राकृतिक चिकनाई होने लगती है। जिसके कारण त्वचा और आंखों के आसपास लकीरें होने लगती है। क्रोध, चिंता, शोध, झुंझलाहट, तनाव आदि का असर त्वचा पर पड़ता है। तनावयुक्त रहने पर हमारे माथे पर सलवटें पड़ती है जिससे वहां की त्वचा में ढीलापन आकर त्वचा लटक जाती है और झुर्रियां पड़ने लगती है।

अधिक धूप आंतरिक त्वचा के लिये नुकसानदायक है। तीव्र धूप त्वचा की स्कीन को सोखकर उसे सिकोड़ देती है जो अंखों के नीचे झुर्रियों का कारण होते हैं। ठंड के प्रकोप से भी त्वचा कठोर हो जाती है और झुर्रियां नजर आने लगती है।

साबुन में मौजूद कॉस्टिक सोडा त्वचा के रहे- सहे तेल को भी सोख लेता है। जिससे कम उम्र में ही हमारे चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगती हैं। कॉस्मेटिक का अधिक उपयोग भी त्वचा के लिए हानिकारक है।

कॉस्मेटिक्स त्वचा के भीतर जाकर उसके रोमछिद्रों को अवरूद्ध कर देते है। जिससे त्वचा की सही तरीके से सफाई नहीं हो पाती और धीरे-धीरे हमारे चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगती है।

### कहां होती है झुर्रियां -

झुर्रियां अक्सर हमारे चेहरे और गर्दन पर होती है। चूँकि ये शरीर के वे भाग हैं, जो सबसे ज्यादा धूप व बाहरी वायु के सम्पर्क में होते है। आंखों के नीचे से शुरू होकर झुर्रियां गर्दन के आसपास भी होने लगती है।

### झुर्रियों से बचाव तथा उपचार-

झुर्रियों से मुक्ति पाने का एकमात्र व सर्वश्रेष्ठ उपाय है, इससे बचाव। झुर्रियों से त्वचा को बचाने के लिए हमें अपने खानपान व जीवनशैली पर विशेष ध्यान देना होगा।

- प्रोटीन तथा तैलीय तत्वों से युक्त भोजन लें, किन्तु वह गरिष्ठ न हो इसका भी ध्यान रखें। बादाम, गाजर व आंवले का सेवन अत्यंत लाभप्रद है।
- नियमित व्यायाम करें। योग अभ्यास से भी त्वचा कसावदार व कांतिपूर्ण होती है।
- त्वचा को रूखा न रहने दें मलाई या माइश्चराइजर का प्रयोग करें। चेहरे के लिए हमेशा ग्लिसरीनयुक्त साबुन का प्रयोग करें।
- नियमित रूप से चेहरे की मालिश झुर्रियां रोकने में सहायक है।
- तनाव चिंता से दूर रहें दैनिक व्यवहार में सौम्य व प्रसन्न रहें।
- पानी भरपूर पिएं।

### झुर्रियां समाप्त करने के नुस्खेः

- कच्चे दूध से चेहरा साफ करने तथा फेस पैक में शहद और संतरे का रस मिलाकर लगाने से त्वचा में निखार आता है।
- नीम, पुदीना, तुलसी की पत्ती का पाउडर और मेथी पाउडर एंटीसेप्टिक का काम करता है। लाल चंदन शीतलता और चिकनाहट प्रदान करता है।
- टमाटर और नीबू का रस मिलाकर शरीर पर लगाएं। नहाते समय इस लेप को रगड़कर छुड़ा दें। कुछ सप्ताह तक ऐसा करने से त्वचा कोमल हो जाती है।
- शहद में मलाई और नीबू का रस मिलाकर अच्छी तरह मिक्स कर चेहरे व आंखों के नीचे लगाएं। इससे आंखों के नीचे का कालापन दूर होकर झुर्रियां समाप्त होती है।
- मूली कसकर रस निकालें व समान मात्रा में मक्खन मिलाकर चेहरे व गर्दन पर लगाएं, एक घण्टे बाद कुनकुने पानी से धो लें।
- गरम पानी में संतरे के छिलके डाल दें, रात भर पड़ा रहने दें। सुबह इसी पानी से चेहरा धोएं । ऐसा करने से त्वचा में कसाव आता है।
- पपीते का गुदा मसलकर चेहरे पर लगाएं। कुछ देर बाद चेहरा साफ कर लें। कुछ दिन लगातार ऐसा करने से झुर्रियों से मुक्ति मिलती है।
- आधा चम्मच मलाई में नींबू की चार- पांच बूंदे मिलाकर सोने से पहले चेहरे पर अच्छी तरह मलें। दोनों हाथों से मलाई तब तक मलते रहें जब तक कि मलाई घुलकर त्वचा में एकसार न हो जाए।
- खीरे को कद्दूकस कर चेहरे पर लगाने से त्वचा कांतिमय होती है।
- त्वचा की झुर्रियां मिटाने के लिए गाजर, टमाटर और चुकंदर का रस नियमित पिएं।
- ई और ओ बोलते हुये एक बार चेहरे को फैलाएं और फिर सिकोड़ें। इससे गालों का अच्छा व्यायाम होता है। जिसमें गालों की पुष्टि होती है और झुर्रियों से बचाव।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

**वृष** इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

**मिथुन** का की कू घ ङ छ के को हा

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

**कर्क** ही हू हे हो डा डी डू डे डो

लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

**सिंह** मा मी मू मे मो टा टी टू टे

दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

**कन्या** टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वतः ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

**तुला** रा री रु रे रो ता ती तू ते

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

**वृश्चिक** तो ना नी नू ने नो य यी यू

आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

**धनु** ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

**मकर** भे जा जी खी खू खे खो गा गी

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

**कुंभ** गू गे गो सा सी सू से सो दा

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

**मीन** दी दू थ झ ञ द दो चा ची

जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

## काकुरो पहेली - 2017

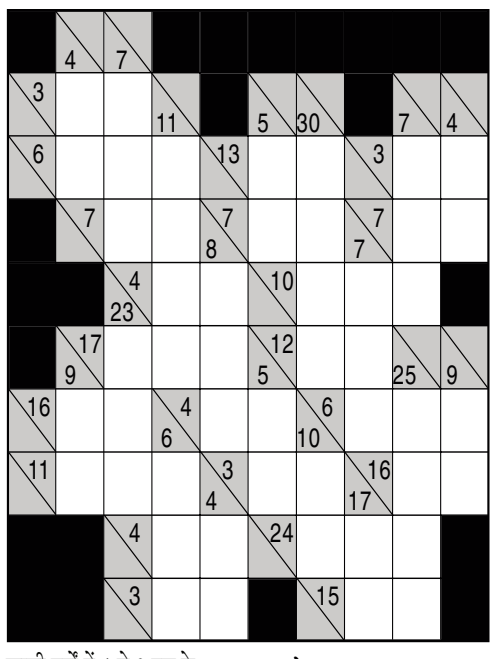

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

**उदाहरणतः**

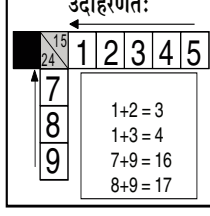


**काकुरो - 2016 का हल**

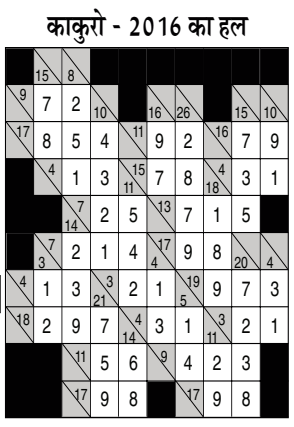

## लॉफिंग ज़ोन

एक शराबखोर पति अपने क्लब की मीटिंग में गया हुआ था। आधी रात बितने के बाद घर पहुँचा तो पत्नी ने उसका आदर के साथ स्वागत किया। इससे पति खुश हो गया और बोला- पता है! आज क्लब में शराब की प्रतियोगिता हुई थी।

पत्नी- अच्छा तो पहले नंबर पर कौन रहा?

पति बोला- मेरे अलावा कौन जीत सकता था भला।

□ □ □

एक शादीशुदा शायर की मुलाकात अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से हुई। शायर ने कहा- मुलाहिजा फरमाएँ : ये चाँद तारे अब अच्छे नहीं लगते, रोज-रोज के बहाने अब अच्छे नहीं लगते। खुदा करे इस साल हो जाए आपकी शादी, क्योंकि अब आप कुँवारे अच्छे नहीं लगते।

गर्लफ्रेंड ने कहा- वाह वा..! वाह वा...! क्या आप करेंगे मुझसे शादी।

□ □ □

गीता अपनी सहेली सीता से बोली- पता है मेरे पति के अलावा आज तक किसी गैरपुरुष ने मुझे एक किस तक नहीं किया।

सीता- अरे वा! तो तुम खुद पर गर्व कर रही हो या अफसोस?

□ □ □

## फिल्म वर्ग पहेली - 2017

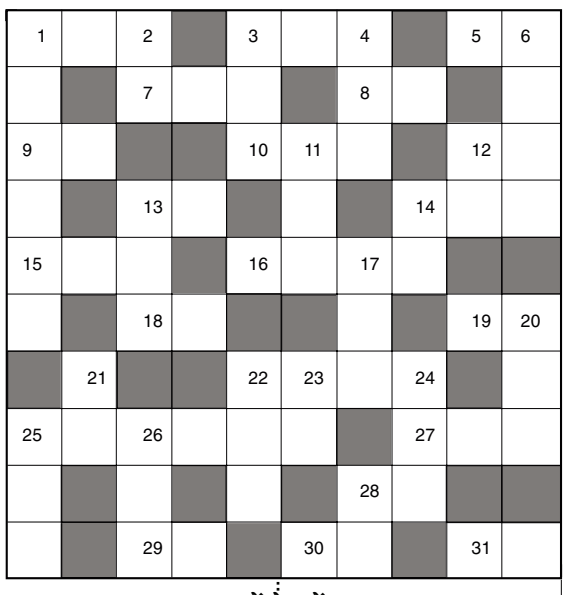

**बायें से दायें:-**

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरूद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३.'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०.फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी ?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८.'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

**फिल्म वर्ग पहेली- 2016**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | शि | क | ■ | दी | वा | र | ■ | प्रे | म |
| शि | ■ | न्है | ■ | वी | ■ | फू | ल | ■ | न |
| की | ■ | या | रा | ना | ■ | च | ■ | रा | का |
| ■ | शा | ■ | जा | ■ | ट | क | र | ■ | मी |
| जा | न | की | बा | जी | ■ | र | ■ | अं | त |
| गृ | ■ | ■ | बू | ■ | ही | ■ | दा | दा | ■ |
| ति | रं | गा | ■ | को | रा | का | ग | ज | ■ |
| ■ | ग | ■ | आ | ह | ■ | श | ■ | ■ | सं |
| दे | ■ | रा | जा | रा | नी | ■ | रा | जा | जी |
| व | क्त | ■ | द | ■ | ना | रा | ज | ■ | व |

## सूडोकु -2017

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | | | | 8 | | | | 9 |
| | | | | | | | | |
| | | 8 | 6 | | 9 | 5 | | |
| 6 | 5 | | | 4 | | | 7 | 1 |
| | 4 | | | | | | 2 | |
| 1 | 2 | | | 6 | | | 9 | 8 |
| | | 6 | 4 | | 5 | 8 | | |
| | | | | | | | | |
| 9 | | | | 1 | | | | 7 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु -2016 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 3 | 8 | 5 | 1 | 9 | 6 | 4 | 7 |
| 9 | 6 | 4 | 7 | 3 | 8 | 2 | 5 | 1 |
| 5 | 1 | 7 | 4 | 6 | 2 | 8 | 3 | 9 |
| 3 | 2 | 5 | 1 | 9 | 7 | 4 | 6 | 8 |
| 1 | 8 | 9 | 6 | 4 | 3 | 7 | 2 | 5 |
| 4 | 7 | 6 | 2 | 8 | 5 | 1 | 9 | 3 |
| 6 | 4 | 3 | 8 | 5 | 1 | 9 | 7 | 2 |
| 8 | 9 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 1 | 6 |
| 7 | 5 | 1 | 9 | 2 | 6 | 3 | 8 | 4 |

## शब्द पहेली - 2017

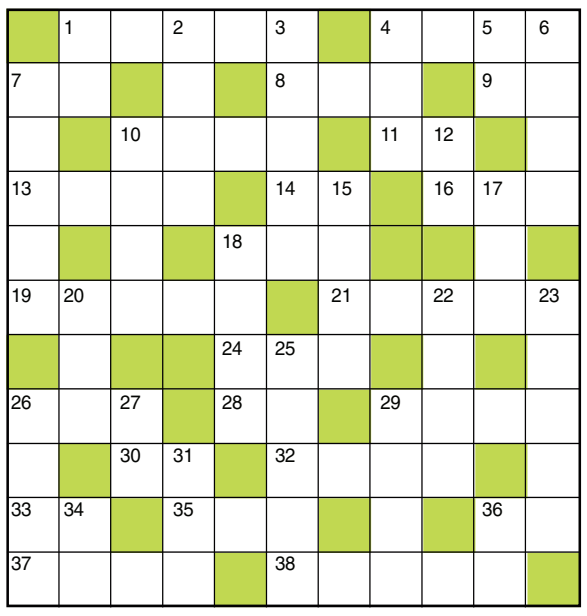

**बाएँ से दाएँ**

1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

**ऊपर से नीचे**

1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

**शब्द पहेली -2016 का हल**

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | रा | ज | क | ता | ■ | ■ | म | वा | ली | ■ |
| स | म | ■ | ल | ■ | चा | ला | न | ■ | ख | त |
| मा | ■ | ■ | प | ना | ह | ■ | न | ■ | ■ | म |
| न | ज | रा | ना | ■ | ■ | म | ■ | क | या | स |
| ता | ■ | व | ■ | ना | ला | य | क | ■ | प | ■ |
| ■ | प्रा | ण | ■ | म | ■ | खा | ■ | जा | न | ■ |
| ■ | रु | ■ | आ | ज | मा | ना | ■ | हि | ■ | म |
| स | प | ना | ■ | द | ■ | ■ | ब | ल | वा | न |
| र | ■ | ■ | स | ■ | ल | की | र | ■ | ■ | भा |
| ल | व | ■ | न | सी | ब | ■ | सा | ■ | दा | व |
| ■ | ध | म | की | ■ | ■ | इ | त | मी | ना | न |

## सोशल मीडिया पर अश्लीलता से किशोरों पर पड़ रहा है दुष्प्रभाव- हरभजन सिंह

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी के सांसद व पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने सोशल मीडिया पर फैल रही अश्लीलता व किशोरों पर इसके प्रभाव का विषय उठाया है। उन्होंने राज्यसभा में इस विषय पर अपनी बात कही। हरभजन ने सदन के समक्ष बोलते हुए इसे एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय बताया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर फैल रही अश्लील और अशोभनीय सामग्री पर तुरंत नियंत्रण लगाने की आवश्यकता है। उनका कहना था कि यह केवल तकनीकी या कानूनी विषय नहीं है, बल्कि हमारे समाज, हमारी नैतिकता और हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा हुआ गंभीर प्रश्न है। राज्यसभा में बोलते हुए उन्होंने कहा कि आज के समय में सोशल मीडिया ज्ञान, संवाद और नवाचार का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। यह हमें नई-नई बातें सीखने और काम करने के नए विचार देता है। लेकिन दुख की बात यह है कि इसी मंच पर अश्लील और अशोभनीय सामग्री भी बहुत तेजी से फैल रही है, जिसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव हमारे बच्चों और किशोरों पर पड़ रहा है। हरभजन सिंह ने कहा कि अनेक शोध यह बताते हैं कि कम उम्र के बच्चे बड़ी संख्या में ऐसी सामग्री तक पहुंचे रहे हैं। इससे उनकी सोच और मानसिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह केवल व्यक्तिगत नैतिकता का प्रश्न नहीं है, बल्कि सामाजिक सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य का भी गंभीर मुद्दा है।

## महिलाओं को 1000 रुपये देने के फैसले से नाराज़ होकर विपक्ष बजट पर चर्चा से भागा : भगवंत सिंह मान

**चंडीगढ़।** पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि विपक्षी दलों ने बजट पर चर्चा में हिस्सा इसलिए नहीं लिया क्योंकि वे महिलाओं को 1,000 रुपये देने के ऐतिहासिक फैसले का सामना करने से बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि दशकों तक लोगों को गरीबी में धकेलने वाली पार्टियां अब आम आदमी पार्टी की सरकार के तहत आम परिवारों के सशक्तिकरण से घबरा गई हैं। पंजाब सरकार के पांचवें वार्षिक बजट को 'शहीदों के सपनों का बजट' बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका उद्देश्य शहीद भगत सिंह और शहीद उधम सिंह जैसे महान शहीदों के सपनों को पूरा करना है। उन्होंने दोहराया कि पंजाब सरकार ने चार साल के भीतर अपनी सभी चुनावी गारंटियां पूरी कर दी हैं और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए अपना एजेंडा तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष पहले से जानता है कि भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार 2027 में फिर सत्ता में आएगी, इसलिए उन्होंने बहस से भागना ही बेहतर समझा। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पेश किए गए बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'पंजाब के इतिहास में पहली बार किसी सरकार ने चार वर्षों में अपनी सभी चुनावी गारंटियां पूरी की हैं। पहले की सरकारों के घोषणापत्र केवल औपचारिकता होते थे, लेकिन हमने बजट को पवित्र दस्तावेज मानते हुए जनता से किया हर वादा पूरा किया है। '

## प्रदेश में घरेलू रसोई गैस आपूर्ति हेतु पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध, आमजन को घबराने की आवश्यकता नहीं : वी. श्रीनिवास

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति के संबंध में प्रदत्त निर्देशों की अनुपालना में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सचिवालय में प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर्स, पुलिस अधीक्षकों, विभिन्न विभागों के आला अधिकारियों तथा ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ वीसी के माध्यम से एक महत्वपूर्ण बैठक ली। मुख्य सचिव ने कहा कि केंद्र सरकार के 9 मार्च 2026 के एलपीजी कंट्रोल ऑर्डर के माध्यम से व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पर रोक लगा दी गई है। परंतु घरेलू उपभोक्ताओं को रसोई गैस आपूर्ति सुचारू रूप से की जा रही है। उन्होंने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति हेतु प्रदेश में प्राप्त स्टॉक उपलब्ध है। इस संबंध में घरेलू उपभोक्ताओं को चिंतित होने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों में रसोई गैस की निर्बाध एवं नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश में संचालित सभी अन्नपूर्णा रसोइयों में भी रसोई गैस का उचित प्रबंध करने हेतु निर्देशित किया। राज्य एवं जिला स्तर पर निगरानी कमेटी बैठक में मुख्य सचिव ने घरेलू गैस सिलेंडर आपूर्ति प्रक्रिया की प्रभावी मॉनिटरिंग हेतु राज्य एवं जिला स्तर पर निगरानी समितियां बनाने के दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन समितियों में पुलिस विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारी एवं ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल रहेंगे।

## विहिप का सांसद संपर्क अभियान शुरू

**नई दिल्ली।** विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने देशभर के सांसदों से संवाद के लिए तीन हफ्ते का सांसद संपर्क अभियान शुरू किया है। नौ मार्च से शुरू यह अभियान 27 मार्च तक तीन चरणों में चलेगा। इस दौरान संगठन के कार्यकर्ता संसद के दोनों सदनों के सभी सदस्यों से मिलकर जनसंख्या असंतुलन और तीर्थ स्थलों के विकास समेत तीन प्रमुख विषयों पर चर्चा करेंगे। विहिप के केंद्रीय महामंत्री बजरंग लाल बागड़ा ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि सांसद संपर्क अभियान संगठन की वार्षिक योजना का हिस्सा है। सामान्य तौर पर यह अभियान शीतकालीन सत्र के दौरान आयोजित किया जाता है, लेकिन इस बार सत्र की अवधि कम होने के कारण इसे बजट सत्र के दौरान आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान विहिप के अखिल भारतीय विशेष संपर्क प्रमुख अंबरीश सिंह भी मौजूद रहे। मधुमेह का दुश्मन खोज लिया गया है। शुगर 4 तक कम हो जाती है।

# केन्द्र सरकार ने दिया टेलीग्राम को नोटिस, अवैध कंटेंट वाले चैनल 3 घंटे में हटाने के निर्देश

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम को नोटिस जारी कर उन चैनलों को हटाने का निर्देश दिया है, जिन पर बिना अनुमति के फिल्मों, वेब सीरीज और ओटीटी प्लेटफॉर्म का कंटेंट साझा किया जा रहा है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने जारी नोटिस में कहा है कि ऐसे चैनलों पर कॉपीराइट वाले कंटेंट को अवैध रूप से अपलोड और वितरित किया जा रहा है, जो कॉपीराइट एक्ट 1957 का उल्लंघन है।

मंत्रालय के अनुसार यह कार्रवाई सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 79(3)(b) और आईटी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस एवं डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) नियम 2021 के तहत की गई है। इन नियमों के मुताबिक यदि किसी सोशल मीडिया या डिजिटल प्लेटफॉर्म को सरकार या उसकी एजेंसी द्वारा किसी अवैध सामग्री की जानकारी दी जाती है, तो उस प्लेटफॉर्म को तुरंत उस सामग्री को हटाना या उस तक पहुंच बंद करना अनिवार्य होता है।

मंत्रालय के अनुसार कुछ टेलीग्राम चैनलों पर ओटीटी प्लेटफॉर्म, कंटेंट मालिकों और निर्माताओं के स्वामित्व वाले कार्यक्रमों को बिना अनुमति के साझा किया जा रहा था।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
सत्यमेव जयते

इस तरह की गतिविधियां कॉपीराइट कानून का उल्लंघन होने के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म के नियमों के भी खिलाफ हैं। इसी को देखते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने टेलीग्राम को निर्देश दिया है कि नोटिस जारी होने के तीन घंटे के भीतर ऐसे सभी चैनलों और उनसे जुड़े कंटेंट को हटाया या ब्लॉक किया जाए, साथ ही कार्रवाई करते समय डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जाए। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि कोई इंटरमीडियरी प्लेटफॉर्म आईटी नियमों का पालन नहीं करता है, तो उसे आईटी एक्ट के तहत मिलने वाली कानूनी सुरक्षा नहीं मिलेगी और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। यह आदेश सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी की ओर से जारी किया गया है, जो डिजिटल मीडिया पर अवैध सामग्री से जुड़े मामलों में इंटरमीडियरी प्लेटफॉर्म को नोटिस जारी करने के लिए अधिकृत हैं।

## रामेश्वरम के दो मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने किया गिरफ्तार

**एजेंसी**

**रामनाथपुरम।** रामेश्वरम के दो मछुआरों को सीमापार मछली पकड़ने के आरोप में श्रीलंकाई नौसेना ने गिरफ्तार किया है। उनकी एक मोटरबोट भी जब्त कर ली गई। श्रीलंकाई नौसेना पहले भी कई बार ऐसा कर चुकी है। श्रीलंकाई नौसेना की इस कार्रवाई के बाद फिर से तनावपूर्ण स्थिति बन गई है। बताया गया है कि रामेश्वरम मछली पकड़ने के बंदरगाह से अनुमति लेकर कई मछुआरे समुद्र में मछली पकड़ रहे थे। तभी धनुष्कोडी और थलैमन्नार के बीच समुद्री क्षेत्र में मछली पकड़ रही एक मोटरबोट को श्रीलंकाई नौसेना ने घेरकर जांच की। भारतीय समुद्री सीमा पार कर मछली पकड़ने का आरोप लगाते हुए उस नाव और उसमें मौजूद मछुआरों को दबोच लिया। दोनों से पूछताछ की जा रही है।

इस गिरफ्तारी से रामेश्वरम और आसपास के मछुआरा गांवों में चिंता का माहौल है। मछुआरों का कहना है कि समुद्र में जाने पर हर बार गिरफ्तारी का डर बना रहता है। सीमा पार मछली पकड़ने के आरोप में मछुआरों को गिरफ्तार करना और कई बार उनकी नौकाओं को जब्त करना उनकी आजीविका पर गंभीर असर डाल रहा है। इसके कारण मछुआरे और उनके परिवार मानसिक पीड़ा और आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। समुद्र पर निर्भर मछुआरों के लिए इस तरह की गिरफ्तारियां बड़ी मुश्किलें पैदा कर रही हैं। मछुआरों ने केंद्र और राज्य सरकार से मांग की है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने गिरफ्तार मछुआरों को तुरंत रिहा करने और उनकी नौकाएं वापस दिलाने की भी मांग की है।

# राज्यसभा में ग्रामीण विकास मंत्रालय के कामकाज पर हुई चर्चा

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** राज्यसभा में ग्रामीण विकास मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा हुई। चर्चा की शुरुआत करते हुए भाजपा सांसद के. लक्ष्मण ने कहा कि विकसित भारत- रोज़गार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (जी राम जी) विधेयक ने गांवों में लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया है। इस योजना की पारदर्शिता की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत सरकार ने जरूरतमंदों के लिए पक्के मकान तो बनाए ही हैं। साथ ही उन्हें सम्मान भी प्रदान किया है। मुद्रा और उज्ज्वला जैसी योजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के जीवन में बदलाव लाई हैं। चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस सांसद रजनी पाटिल ने कहा कि केंद्रीय बजट में ग्रामीण विकास के लिए आवंटित धनराशि पर्याप्त नहीं है। उन्होंने बताया कि किसान महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहे हैं और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जानी चाहिए। तृणमूल कांग्रेस के मोहम्मद नदीमुल हक ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल को पीएम आवास योजना-ग्रामीण के तहत लगभग 25 हजार करोड़ रुपये मिलने बाकी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस वजह से 11 लाख परिवार बेघर हो गए हैं। सीपीआई (एम) सांसद डॉ. जॉन ब्रिटास ने आरोप लगाया कि वीबी-जी राम जी विधेयक ने राज्यों पर 40

प्रतिशत का बोझ डाल दिया है। चर्चा निरर्थक रही। बाद में सदन ने विशेष उल्लेखों पर विचार किया, जिसके बाद सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। ग्रामीण विकास को लेकर उठी आलोचनाओं का जवाब देते हुए भाजपा के राज्यसभा सांसद सदानंद म्हालू शेट तनावड़े ने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले वर्षों में ग्रामीण विकास के बजट में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है और गांवों को विकसित भारत के विज़न के केंद्र में रखा है।

उन्होंने बताया कि 2016-17 में ग्रामीण विकास के लिए लगभग 87,765 करोड़ रुपये का बजट था, जिसे बढ़ाकर 2026-27 में 2.73 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है।तनावड़े ने कहा कि बजट में यह बड़ी वृद्धि इस बात का संकेत है कि सरकार गरीबी कम करने, ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और गांवों में दीर्घकालिक समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

# चिराग दिल्ली मेट्रो स्टेशन के पास घर में लगी आग, पूर्व पार्षद समेत दो झुलसे

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** दिल्ली के चिराग दिल्ली इलाके में सुबह एक मकान में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में घर के मालिक और एक मासूम बच्चा झुलस गए। सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गईं और समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय पुलिस के अनुसार सुबह करीब 5:44 बजे चिराग दिल्ली स्थित हनुमान रोड पर मकान नंबर 582 में आग लगने की सूचना मिली। दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। यह आग मकान की ऊपरी मंजिल पर घरेलू सामान में लगी थी। इमारत बेसमेंट सहित चार मंजिला है और पांचवीं मंजिल आंशिक रूप से निर्माणाधीन है। आग इतनी तेजी से फैली कि पूरा फ्लोर इसकी चपेट में आ गया।इस दौरान घर के मालिक, भाजपा के नेता एवं पूर्व पार्षद राकेश गुलिया (55) झुलस गए। वहीं घर में मौजूद तीन साल का बच्चा क्यवांश भी आग की चपेट में आने से हल्का झुलस गया। दोनों को तुरंत इलाज के लिए एम्स ट्रामा भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने राकेश गुलिया की हालत खतरे से बाहर बताई है। दमकल अधिकारियों के मुताबिक आग पर करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद पूरी तरह काबू पा लिया गया।

मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने भी लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। पुलिस और दमकल विभाग मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं।

# तमिलनाडु में बंधक बनाए गए मप्र के 24 श्रमिकों का प्रशासन ने कराया सफल रेस्क्यू

**एजेंसी**

**भोपाल।** तमिलनाडु के इरोड जिले में बंधुक बनाकर रखे गए मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के 20 और हरदा के चार श्रमिकों को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, जिला प्रशासन तथा वनवासी कल्याण आश्रम के त्वरित एवं समन्वित प्रयासों से सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया है। सभी श्रमिकों की शाम सकुशल वापसी हुई। इन सभी मजदूरों के बैतूल रेलवे स्टेशन पहुंचने पर स्थानीय कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी एवं पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन ने आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर वनवासी कल्याण आश्रम के जिला अध्यक्ष महेश्वर भलावी, जिला श्रम पदाधिकारी धम्मदीप भगत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्टेशन पर सभी श्रमिकों की पहचान सुनिश्चित की गई। बैतूल कलेक्टर सूर्यवंशी ने श्रमिकों से चर्चा करते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि प्रशासन द्वारा उनके सुरक्षित घर पहुंचने की समुचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि भविष्य में किसी भी प्रकार की समस्या न हो, इसके लिए राजस्व, पुलिस और श्रम विभाग निरंतर उनके संपर्क में रहेंगे। साथ ही श्रम पदाधिकारी को निर्देशित किया कि श्रमिकों से संपर्क बनाए रखते हुए आर्थिक सहायता स्वीकृति हेतु आवश्यक दस्तावेज प्राप्त किए जाएं। रेलवे स्टेशन से

सभी श्रमिकों को उनके गृह ग्राम तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए बसों की व्यवस्था की गई तथा भोजन की भी व्यवस्था की गई। सुरक्षित वापसी पर श्रमिकों ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन आभार व्यक्त किया।

जिला श्रम पदाधिकारी धम्मदीप भगत ने बताया कि उक्त श्रमिक काम करने के लिए तमिलनाडु के इरोड जिले गए थे, जहां होली पर्व पर अवकाश मांगने पर उन्हें छुट्टी नहीं दी गई और बंधुआ बनाकर कार्य कराया जा रहा था। मामले की जानकारी राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य प्रकाश ऊईके माध्यम से मिलते ही बैतूल जिला प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए श्रम, पुलिस एवं राजस्व विभाग के संयुक्त समन्वय से इरोड जिला प्रशासन से संपर्क स्थापित किया और सभी श्रमिकों को मुक्त कराया। बताया गया कि रेस्क्यू किए गए प्रत्येक श्रमिक को शासन द्वारा 30-30 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की जाएगी, जिससे वे अपने जीवन को पुनः व्यवस्थित कर सकें। जिला प्रशासन द्वारा उनके पुनर्वास एवं आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने की भी बात कही गई है।

उन्होंने बताया कि कुल 24 श्रमिकों में से चार हरदा जिले तथा 20 बैतूल जिले के निवासी हैं। बैतूल के सभी श्रमिक भीमपुर ब्लॉक के काबरा, बोरकुंड, बीरपुरा और बासिंदा ग्राम के रहने वाले हैं। हरदा जिले के चार श्रमिकों को सुरक्षित पहुंचाने की व्यवस्था की गई। उक्त कार्य में समाजसेवी प्रवीण ढोलके ओर विक्रांत कुमरे ने भी सक्रिय भूमिका निभाई।

## होर्मुज जलडमरूमध्य में थाई जहाज पर हमले पर भारत ने जताई चिंता

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में एक थाई जहाज पर हुए हमले को लेकर भारत ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि क्षेत्र में बढ़ते तनाव के दौरान व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया जाना चिंताजनक है और इससे अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा पर खतरा पैदा होता है। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार 11 मार्च को जिस थाई मालवाहक जहाज 'मयूरी नारी' पर हमला हुआ, वह भारत के गुजरात स्थित कांडला बंदरगाह की ओर आ रहा था। घटना के बाद भारत स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

सरकार ने कहा कि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक है। भारत ने क्षेत्र में सभी पक्षों से संयम बरतने और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा बनाए रखने की अपील भी की है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे व्यस्त और रणनीतिक

समुद्री मार्गों में से एक माना जाता है, जहां से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल और अन्य व्यापारिक सामान का आवागमन होता है। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव के कारण हाल के दिनों में इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

## पीएम मोदी की कोलकाता में 14 मार्च को रैली, भाजपा बोली - भीड़ देखकर ममता की नींद उड़ जाएगी

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल भाजपा ने दावा किया है कि आगामी 14 मार्च को कोलकाता के ब्रिगेड परेड मैदान में होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में रिकॉर्ड संख्या में लोगों की भागीदारी होगी। पार्टी ने कहा कि इस रैली की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। यह रैली राज्य में चल रही भाजपा की परिवर्तन यात्रा के समापन का भी प्रतीक होगी, जो इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले शुरू की गई है। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजू बनर्जी, जो रैली की तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं, ने बताया कि संगठनात्मक तैयारियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं और राज्य के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भीड़ ऐसी होगी की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की नींद उड़ जाएगी। हालांकि, उन्होंने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए यह बताने से इनकार कर दिया कि रैली के लिए कितने मंच बनाए जा रहे हैं।

# भारत में लाइकेन पतंगों की दो नई प्रजातियां खोजी गई

**एजेंसी**

**कोलकाता।** भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जूलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया) ने लेपिडोप्टेरा वर्ग की लाइकेन पतंगों की दो नई प्रजातियों की खोज कर कीट विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इसके साथ ही भारतीय हिमालय क्षेत्र से सात अन्य प्रजातियों का भी पहली बार दस्तावेजीकरण किया गया है।

संस्थान के सुबह जारी बयान में बताया गया है कि इस शोध का प्रकाशन दो मार्च को एक अंतरराष्ट्रीय वर्गिकी शोध पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। इस अध्ययन में भारतीय वैज्ञानिकों की टीम ने इन नई प्रजातियों का वैज्ञानिक विवरण प्रस्तुत किया है। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण की निदेशक डॉ. धृति बनर्जी ने इस उपलब्धि को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह खोज भारत में पतंगों की जैव विविधता के दस्तावेजीकरण में अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि लेपिडोप्टेरा जैसे कम अध्ययन किए गए समूहों पर शोध पारिस्थितिकी तंत्र की कार्यप्रणाली को समझने और हिमालयी क्षेत्र में वायु प्रदूषण के संकेतक जीवों की पहचान के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह सफलता जैव विविधता वाले क्षेत्रों में निरंतर वर्गिकी अनुसंधान की

आवश्यकता को भी रेखांकित करती है।

इस शोध दल में कोलकाता स्थित भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के वैज्ञानिक डॉ. नवनीत सिंह, जबलपुर स्थित केंद्रीय क्षेत्रीय केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. संतोष सिंह तथा कोलकाता की शोधार्थी सृष्टि भट्टाचार्य शामिल हैं। इन प्रजातियों की पहचान सिक्किम के गोलितार तथा पश्चिम बंगाल के पानीझोरा क्षेत्र से एकत्र नमूनों के अध्ययन के आधार पर की गई।वैज्ञानिकों के अनुसार, इन प्रजातियों की पहचान उनके शरीर की बनावट, पंखों के रंग और पैटर्न, सूक्ष्म शारीरिक संरचनाओं तथा प्रजनन अंगों की विशेष संरचना के आधार पर की गई है। वैज्ञानिकों ने बताया कि लाइकेन पतंगों का पारिस्थितिकी तंत्र में विशेष महत्व है। इनके शिशु लाइकेन पर निर्भर रहते हैं, जो वायु प्रदूषण के प्रति अत्यंत संवेदनशील होते हैं। इस कारण ये प्रजातियां पर्यावरण और वायु गुणवत्ता के प्राकृतिक संकेतक के रूप में भी महत्वपूर्ण मानी जाती हैं।

# आंगन से आसमान तक महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण: विजया रहाटकर

**एजेंसी**

**भोपाल।** वो शक्ति हैं, सशक्त हैं, वो भारत की नारी हैं... न कम हैं, न ज़्यादा हैं, वो सब में बराबरी की अधिकारी हैं।' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस विचार को उद्धृत करते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा कि आज का भारत महिलाओं की शक्ति, क्षमता और नेतृत्व से नई दिशा प्राप्त कर रहा है। आँगन से आसमान तक महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर को भोपाल के रवीन्द्र भवन में 'शक्ति संवाद' कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहीं थी। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, सरकारी नीतियों, सामाजिक पहलों और महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य व समग्र कल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। विजया रहाटकर ने कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग महिलाओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए देशभर में 'आयोग आपके द्वार' के तहत जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, ताकि किसी भी महिला को न्याय मिलने में देरी न हो। उन्होंने बताया कि इस पहल की पहली जनसुनवाई भोपाल से प्रारंभ हुई थी और आज सौवीं जनसुनवाई भी भोपाल में आयोजित होना इस शहर के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि भारत की बदलती तस्वीर में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह परिवर्तन केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि नीतिगत और योजनाओं के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों को सशक्त करने के लिए किए गए कानूनी सुधारों का भी उल्लेख किया। विजया रहाटकर ने बताया कि हाल के वर्षों में 4 नए श्रम

कानून लागू किए गए हैं, जिनमें महिलाओं के हितों का विशेष ध्यान रखा गया है। इसमें महिलाएँ सुरक्षा के साथ नाइट शिफ्ट कार्य भी कर सकती हैं। साथ ही समान वेतन की भी हकदार होंगी। साथ ही लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए 'शक्ति वंदन' अधिनियम के माध्यम से लगभग 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। विजया रहाटकर ने तकनीक और नवाचार की भूमिका पर भी जोर देते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सकारात्मक उपयोग महिलाओं के कौशल विकास, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। महिलाओं के लिए विशेष एआई आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं, ताकि वे अपने व्यवसाय और लक्ष्यों को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकें। राष्ट्रीय महिला आयोग विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही महिलाओं को एआई प्रशिक्षण देकर सशक्त किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास आयुक्त निधि निवेदिता ने कहा कि भारत का संविधान महिलाओं को समान अधिकार और सम्मान प्रदान करता है।

# पीएम मोदी ने पोदनूर-धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी, डीआरएम ने बताई खूबियां

**एजेंसी**

**पोदनूर।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तिरुचिरापल्ली (त्रिची) से कई नई रेल सेवाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी दिखाई। इसमें प्रमुख है पोदनूर-धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन, जो कोयंबटूर के पोदनूर जंक्शन और धनबाद (झारखंड) के बीच हर हफ्ते चलेगी। यह ट्रेन दक्षिण भारत के औद्योगिक क्षेत्र को पूर्वी भारत के कोयला और खनिज क्षेत्रों से सीधे जोड़ेगी। प्रधानमंत्री मोदी त्रिची में मौजूद थे, जहां उन्होंने दो अमृत भारत एक्सप्रेस, दो एक्सप्रेस ट्रेनें और कई पैसेंजर सेवाओं का उद्घाटन किया। पोदनूर-धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस साप्ताहिक सेवा है, जो हर शनिवार सुबह पोदनूर से रवाना होकर सोमवार सुबह धनबाद पहुंचेगी। वापसी यात्रा हर सोमवार धनबाद से शुरू होगी। रूट पर सलेम, रेनीगुंटा, विजयवाड़ा, झारसुगुड़ा, रांची और बोकारो स्टील सिटी जैसे महत्वपूर्ण रेल हब शामिल हैं। यह ट्रेन तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और झारखंड को जोड़ेगी। यह सेवा कोयंबटूर और तिरुप्पुर जैसे टेक्सटाइल एवं मैन्युफैक्चरिंग हब में काम करने वाले हजारों प्रवासी मजदूरों के

लिए वरदान साबित होगी। पहले इन मजदूरों को घर (झारखंड, ओडिशा) पहुंचने के लिए कई बदलाव और लंबा सफर करना पड़ता था, लेकिन अब सीधी, सस्ती और आरामदायक यात्रा संभव हो गई है।

सलेम डिवीजन के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) पन्ना लाल ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, 'यह बहुत खुशी की बात है कि पीएम मोदी ने तमिलनाडु में कई परियोजनाओं और ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। पोदनूर-धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस दक्षिण और उत्तर भारत के लोगों के लिए सुविधाजनक है। यह आधुनिक ट्रेन आम जनता के लिए समर्पित है। ' उन्होंने आगे कहा कि ट्रेन में एलएचबी कोच हैं, जो सुरक्षा के लिहाज से बेहद सुरक्षित माने जाते हैं। इसमें कुशन वाली सीटें, अनारक्षित कोच में भी कुशन, उच्च गुणवत्ता के टॉयलेट, चार्जिंग सॉकेट और आपात स्थिति में क्रू से सीधी बातचीत की सुविधा है। ट्रेन में फायर डिटेक्शन सिस्टम, सीसीटीवी और बेहतर वेंटिलेशन जैसी आधुनिक सुविधाएं हैं। यह नॉन-एसी ट्रेन है, जो किफायती किराए पर लंबी दूरी की यात्रा को आरामदायक बनाती है।

# टी20 विश्व कप के बाद गौतम गंभीर ने गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में टेका माथा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब गए और माथा टेका। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड पर 96 रन की शानदार जीत के बाद भारत ने रिकॉर्ड तीसरा पुरुष टी20 वर्ल्ड कप टाइटल जीतकर इतिहास रच दिया और टाइटल बचाने और इसे अपने देश में जीतने वाली पहली टीम बन गई।

उनका यह दौरा पूर्व भारतीय क्रिकेटर और TMC MP कीर्ति आजाद की आलोचनाओं के बीच हुआ है जिन्होंने रविवार को अहमदाबाद में टीम की जीत के बाद टी20 वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी को मंदिर ले जाने के लिए गंभीर समेत भारतीय लीडरशिप की आलोचना की थी। आजाद के कमेंट्स पर रिएक्ट करते हुए गंभीर ने कहा, ' लगता है कि इस सवाल का जवाब देना भी सही नहीं है। यह पूरे देश के लिए एक बड़ा पल है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह जरूरी है कि हम वर्ल्ड कप जीत का जश्न मनाएं और इसीलिए मैं कुछ बातें कहता हूं; कुछ बातों को उठाने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि ये बातें सिर्फ आपकी कामयाबी को कमजोर करेंगी। अगर आप उन 15 खिलाड़ियों की कामयाबी और उनकी कोशिशों को कमजोर करना चाहते हैं जो लड़कों के साथ सही नहीं है। अगर आप ऐसा बयान देते हैं, तो आप सचमुच अपने ही खिलाड़ियों और अपनी ही टीम को नीचा दिखा रहे हैं, जो नहीं किया जाना चाहिए।'

कीर्ति ने इस कदम पर सवाल उठाते हुए कहा कि कोई खिलाड़ी या खेल किसी धर्म या जाति का नहीं होता। कीर्ति आजाद ने कहा था, 'जब टीम इंडिया जीती जिसमें सभी धर्मों के लोग शामिल थे, तो 140 करोड़ लोग उत्साहित थे। एक खिलाड़ी या खेल किसी धर्म या जाति से नहीं बल्कि सिर्फ खेल से जुड़ा होता है। एक खिलाड़ी के तौर पर मैं कहता हूं कि टीम इंडिया ने भारत को जिताया। टीम इंडिया जीती, और यह भारत के लोगों के लिए गर्व की बात है।'

भारत के हेड कोच के तौर पर गंभीर के पास अब चैंपियंस ट्रॉफी 2025, एशिया कप 2025, और ङ्क20 वर्ल्ड कप 2026 के टाइटल हैं, साथ ही कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के मेंटर के तौर पर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) का टाइटल भी है। अपने खेलने

के दिनों में टी20 वर्ल्ड कप, 50 ओवर का वर्ल्ड कप, एशिया कप और IPL जीतने के बाद दिल्ली में जन्मे इस खिलाड़ी ने अपने लिए कामयाबियों की एक लंबी लिस्ट बनाई है।

# सूर्यकुमार ने अभिषेक से कहा था, 8 बार शून्य पर आउट हुआ तो भी पारी शुरु करेगा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर मुश्किल दौर से गुजर रहे खिलाड़ियों का बचाव करते रहे हैं। इसी का परिणाम है कि टीम को खिताबी जीत मिल रही है। टी20 विश्कप में सूर्या ने खराब दौर से गुजर रहे युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का हौंसला बढ़ाया था। अभिषेक तीन मैच में लगातार शून्य पर आउट होने के कारण भारी दबाव में थे और उन्हें बाहर किये जाने की मांग उठ रही थी पर सूर्यकुमार ने किसी भी बात पर ध्यान नहीं दिया। इसी कारण अभिषेक ने फाइनल में 18 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। सूर्यकुमार के अनुसार उन्होंने इस बल्लेबाज से कहा था कि कि अगर वह 9 में से 8 मैचों में भी खाता नहीं खोल पाएगा तो भी उसे फाइनल में पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाएगा। इसी कारण अभिषेक का आत्मविश्वास बना रहा और वह निडर होकर फाइनल खेलने उतरे।

अभिषेक के लिए टूर्नामेंट की शुरुआत खराब रही थी। शुरुआत में पेट दर्द के कारण वह पहले मैच से बाहर रहे। इसके बाद के मैचों में वह तीन बार शून्य पर आउट हुए। इसी कारण पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर जैसे पूर्व क्रिकेटरों ने भी उन्हें फाइनल से बाहर करने को कहा था। गावस्कर का कहना था कि अभिषेक अपनी गलतियों से नहीं सीख रहे हैं और एक ही गलती को दोहरा रहे हैं। हालांकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने फिर भी उन्हें फाइनल में मौका दिया और अभिषेक ने उनके भरोसे को सही साबित करते हुए 18 गेंदों में ही टूर्नामेंट का सबसे तेज अर्धशतक जड़ दिया था।सूर्यकुमार ने कहा, ÷मैंने उससे कहा था, 'इस विश्व कप में 9 गेम हैं, भले ही आप उनमें से आठ में विफल हो जाएं, फिर भी मैं गारंटी लेता हूं कि आप फाइनल में पहली गेंद खेलोगे।'

# दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीमे सुरक्षित रवाना : आईसीसी

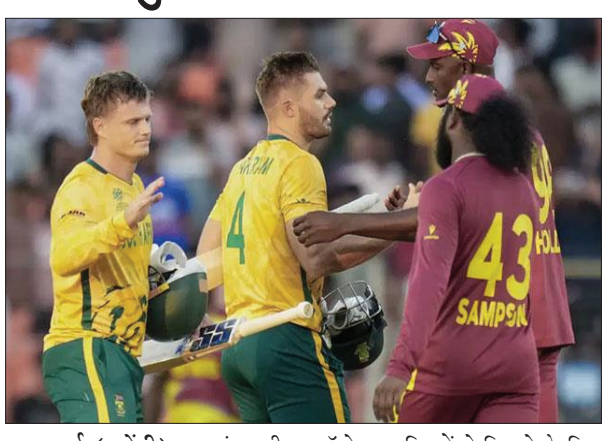

**दुबई (एजेंसी)।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने गुरुवार को कहा कि पुरुष टी-20 विश्वकप अभियान समाप्त होने के बाद दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीमें और उनके सहयोगी सदस्य सुरक्षित स्वदेश रवाना हो गई है। आईसीसी ने आज जानकारी दी है कि दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज टीम के सभी खिलाड़ी और उनके सहयोगी स्टाफ के सदस्य पूरी तरह से अपने घरों के लिए रवाना हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों में, दक्षिण अफ्रीका के बाकी 29 सदस्य और वेस्टइंडीज के आखिरी 16 सदस्य अपने-अपने देशों के लिए उड़ान से रवान हो गये हैं, जिससे एक मुश्किल अभियान खत्म हो गया है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण हमने ऑपरेशनल दिक्कतों से निपटने के लिए सरकारों, एयरलाइंस, चार्टर प्रोवाइडर्स, एयरपोर्ट अथॉरिटीज और हमारे मेंबर बोर्ड्स के साथ लगातार काम किया है।

बाकी सभी खिलाड़ियों और स्टाफ के लिए आगे की सुरक्षित यात्रा पक्की करना हमारा एकमात्र मकसद था और हालात बदलने के साथ-साथ इसमें लगातार बदलाव करने की जरूरत पड़ी। आईसीसी ने कहा कि हम क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका, क्रिकेट वेस्टइंडीज और उनकी पूरी टीम को इस पूरे प्रोसेस में उनके सपोर्ट के लिए धन्यवाद देते हैं। इसके अलावा आईसीसी स्टाफ को भी धन्यवाद देते हैं जिन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत मेहनत की कि सभी खिलाड़ी, स्टाफ और उनके परिवार सुरक्षित घर पहुंच सकें।

# टी20 वर्ल्ड कप : 'बैट उठाया, पानी पिलाया..', मोहम्मद सिराज के बयान ने जीता दिल, टीम स्पिरिट की दी मिसाल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद पूरा देश जश्न में डूबा हुआ है। इस ऐतिहासिक जीत के बीच टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपने मजाकिया अंदाज और शानदार टीम भावना से फैंस का दिल जीत लिया। प्लेइंग इलेवन का नियमित हिस्सा न होने के बावजूद सिराज ने टीम की सफलता को सबसे ऊपर रखा और अपने बयान से बता दिया कि असली टीम मैन किसे कहते हैं।

### मोहम्मद सिराज का मजाकिया जवाब हुआ वायरल

टीम इंडिया की जीत के बाद ब्रॉडकास्टर्स से बातचीत के दौरान सिराज से पूछा गया कि प्लेइंग इलेवन से बाहर रहना निराशाजनक होता है, ऐसे में टीम की जीत में उनकी क्या भूमिका रही?

इस पर सिराज ने हंसते हुए मजाकिया अंदाज में कहा, 'हम दोनों का बहुत बड़ा रोल था... बाहर बैठकर बैक टू बैक पानी पिलाना और बैट उठाना।' सिराज की यह बात सुनकर उनके साथ खड़े कुलदीप यादव भी जोर-जोर से हंसने लगे। सिराज का यह सेल्फ-रोस्ट वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस उनकी सादगी और टीम भावना की खूब तारीफ कर रहे हैं।

### सिराज बोले- व्यक्ति नहीं, टीम सबसे बड़ी

मजाक के बाद सिराज ने टीम स्पिरिट पर बेहद अहम बात भी कही। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी मैदान पर खेलना चाहता है, लेकिन अगर टीम कॉम्बिनेशन के कारण बाहर बैठना पड़े तो उसे भी सकारात्मक तरीके से लेना चाहिए।

सिराज ने कहा, 'नेट में गेंदबाजी करना और ड्रेसिंग रूम का माहौल पॉजिटिव रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। कोई खिलाड़ी बड़ा नहीं होता, टीम सबसे बड़ी होती है।' उन्होंने यह भी कहा कि इस वर्ल्ड कप जीत को वह भगवान की स्क्रिप्ट मानते हैं, क्योंकि शुरुआत में उन्हें टीम में मौका नहीं मिला था और बाद में अचानक कॉल आया।

### वर्ल्ड कप में सिराज और कुलदीप का प्रदर्शन

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में मोहम्मद सिराज को सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला। USA के खिलाफ खेले गए उस मुकाबले में सिराज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 29 रन देकर 3 विकेट झटके थे। वहीं, स्पिनर कुलदीप यादव ने भी टूर्नामेंट में सिर्फ एक मैच खेला, जो चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ था। उस मुकाबले में उन्होंने 1 विकेट हासिल किया था।

भले ही ये दोनों खिलाड़ी नियमित रूप से प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं रहे, लेकिन टीम के लिए उनकी मौजूदगी और सपोर्ट ने ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाई।

# 'द हंड्रेड' में भारतीय महिला क्रिकेटर छायी रहीं

लंदन । इंग्लैंड में 'द हंड्रेड' महिला क्रिकेट लीग के लिए हुई नीलामी में स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा सहित कई भारतीय महिला क्रिकेटर छायी रहीं। वहीं किसी भी फ्रेंचाइजी ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर बोली नहीं लगायी। इस लीग में नीलामी के लिए पाक की बाएं हाथ की बल्लेबाज मुनीबा अली, तेज गेंदबाज डायना बेग, लेफ्ट-आर्म स्पिनर सादिया इकबाल और पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने अपना नाम दर्ज कराया था। इन चारों ही पाक क्रिकेटरों ने 15000 पाउंड के आधारमूल्य के साथ ही अपना नाम नीलामी में दर्ज कराया था। इस चारों में से केवल फातिमा सना और सादिया ही फाइनल नीलामी तक पहुंची थीं। वहीं इससे पहले कहा जा रहा था कि आईपीएल मालिकों वाली 'द हंड्रेड' टीमें शायद ही पाक खिलाड़ियों को शामिल करेंगी। इसके बाद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा था कि किसी भी देश के खिलाड़ियों से भेदभाव नहीं किया जाएगा। साथ ही कहा था कि चयन केवल प्रदर्शन, उपलब्धता और टीम की जरूरत को देखकर किया जाएगा।

# हार्दिक को पीठ पर तिरंगा बांधकर जश्न मनाना भारी पड़ा, वकील ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करायी

पुणे । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को टी20 विश्वकप के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की जीत के बाद अपनी गर्लफ्रेंड महिका शर्मा के साथ जश्न मानना भारी पड़ है। हार्दिक जश्न के दौरान पीठ पर तिरंगा झंडा बांधे हुए थे और महिका के साथ अलग-अलग अंदाज में पोज दे रहे थे। इसी को लेकर एक वकील ने वाजिद खान ने पंड्या के खिलाफ राष्ट्रध्वज की गरिमा को ठेस पहुंचाने की शिकायल दर्ज करायी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भारतीय टीम की जीत के बाद सभी खिलाड़ी खुशी मना रहे थे। इस दौरान सभी तस्वीरें भी खिंचा रहे थे। इसी दौरान हार्दिक और उनकी गर्लफ्रेंड महिका की हरकतों पर शिकायतकर्ता वकील ने आपति जतायी है। उनका कहना है कि पंड्या जश्न मनाते हुए अपनी गर्लफ्रेंड के साथ नाच रहे थे जबकि उनकी पीठ पर राष्ट्रीय ध्वज बंधा हुआ था। वहीं राष्ट्रीय ध्वज अधिनियम के अनुसार, हमें राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा का सम्मान करना चाहिए पर हार्दिक अपनी जीत के जश्न में इतने डूब गये थे कि वे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ राष्ट्रीय ध्वज बांधकर मैदान में लेटे नजर आये। जो राष्ट्रीय ध्वज का अपमान है। गौरतब है कि वाजिद के अलावा कई और लोगों ने भी हार्दिक और महिका की हरकतों को देखते हुए सोशल मीडिया पर इन दोनो को फटकारा है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार महिका के कारण ही हार्दिक पंड्या और उनके बड़े भाई क्रुणाल पंड्या के बीच मतभेद पैदा हो गये हैं। इसी कारण क्रुणाल न तो फाइनल देखने स्टेडियम पहुंचे थे और न ही उन्होंने उन्हें सोशल मीडिया पर ही बधाई दी। हार्दिक का अपनी पहली पत्नी और सर्बियाई मॉडल नताशा स्टानकोविक से तलाक को गया है। उसके बाद महिका उनकी जिंदगी में आयीं।

# विश्व कप में जगह बनाने के बाद भारतीय महिला टीम की नजरें एफआईएच क्वालीफायर जीतने पर

**हैदराबाद (एजेंसी)।** विश्व कप के लिये क्वालीफाई कर चुकी भारतीय महिला हॉकी टीम की नजरें अब एफआईएच विश्व कप क्वालीफायर जीतने पर लगी है और इसके लिये शुक्रवार को इटली के खिलाफ सेमीफाइनल जीतना पहला कदम होगा। भारतीय महिला हॉकी टीम पूल बी में तीन मैचों में सात अंक लेकर शीर्ष पर रही। स्कॉटलैंड के भी सात अंक थे लेकिन गोल औसत में पिछड़ने के कारण वह दूसरे स्थान पर है।

भारत ने पूल चरण में दो मैच जीते और एक ड्रॉ खेला। इटली पूल ए में दूसरे स्थान पर रही जिसने एक मैच जीता, एक ड्रॉ खेला और एक गंवाया। भारत के लिए फॉरवर्ड नवनीत कौर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है जो अब तक चार गोल कर चुकी हैं। उन्होंने वेल्स के खिलाफ आखिरी पूल मैच में हैट्रिक लगाई

थी। इटली की उम्मीदें फेडरिका कार्टा पर टिकी होंगी जो अब तक तीन गोल कर चुकी है। कागजों पर भारत का पलड़ा भारी लग रहा है।

आमने सामने के मुकाबलों में दोनों टीमें 2012 से अब तक एक दूसरे के खिलाफ सात बार खेली हैं जिनमें से पांच भारत ने जीते, एक इटली ने और एक मैच ड्रॉ रहा। भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 में जगह बनाना इस टीम के लिये बड़ी उपलब्धि है। खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में जिस तरह का प्रदर्शन किया, वह काबिले तारीफ है।'

उन्होंने कहा, 'हम यहां सिर्फ क्वालीफाई करने नहीं आए हैं। हम मैच दर मैच प्रदर्शन में सुधार करके टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं। सेमीफाइनल एक और बड़ी चुनौती है और हम पूरे फोकस के साथ खेलेंगे।' मारिन ने कहा, 'इटली काफी प्रतिस्पर्धी टीम है और मजबूत टीमों को चुनौती देने में सक्षम है। हमारा फोकस रणनीति पर अमल पर रहेगा और इसी ऊर्जा तथा आत्मविश्वास के साथ खेलना चाहेंगे।' एफआईएच महिला और पुरूष विश्व कप नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 से 30 अगस्त तक खेला जाएगा।

# जैक ड्रेपर ने पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को हराया, क्वार्टर फाइनल में पहुंचें

इंडियन वेल्स (अमेरिका) (एजेंसी)। मौजूदा चैंपियन जैक ड्रेपर ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को 4-6, 6-4, 7-6 (5) से हराया। हाथ की चोट के कारण आठ महीने तक बाहर रहने के बाद वापसी करने वाले 24 वर्षीय ड्रेपर इस जीत से क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं जहां उनका मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव ने एक अन्य मैच में एलेक्स मिशेलसन को 6-2, 6-4 से पराजित किया। तीसरे सेट में जोकोविच 6-5 से आगे थे, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और ड्रेपर ने वापसी करते हुए मैच को टाईब्रेकर तक पहुंचा दिया। ड्रेपर ने मैच के बाद कहा, 'मुझे अब भी ऐसा नहीं लगता कि मैं उस तरह से खेल रहा हूं जैसा मैं खेलना चाहता हूं। लेकिन मैं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।' रिकॉर्ड 24 बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन 38 वर्षीय जोकोविच ने 2008, 2011, 2014, 2015 और 2016 में इंडियन वेल्स में खिताब जीता था। जोकोविच इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना 11वां खिताब जीतने के करीब पहुंच गए थे, लेकिन फाइनल में कार्लोस अल्काराज़ से हार गए थे।

# आईपीएल में शामिल होने विदेशी खिलाड़ियों के लिए आसान नहीं रहेगा भारत पहुंचना

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के पहले चरण का कार्यक्रम तो घोषित कर दिया है पर उसके लिए टूर्नामेंट का आयोजन काफी कठिन हो सकता है। इसका कारण ये है कि मध्यपूर्व में जारी युद्ध के कारण कई देशों के खिलाड़ियों के लिए आईपीएल टीमों से जुड़ना कठिन हो जाएगा। अमेरिका और इजरायल के ईरान पर किए गए हमले का असर अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा पर पड़ा है जिससे दोहा और दुबई एयरपोर्ट से कई उड़ानें बाधित हुई हैं। इसी कारण दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीम के कुछ खिलाड़ी टी20 विश्व कप के बाद भी भारत में फंसे रहे थे। ऐसे में अब आईपीएल की सभी टीमों में शामिल इन देशों के खिलाड़ियों के लिए भारत आना आसान नहीं होगा। बोर्ड के एक अधिकारी ने भी माना है कि उन्हें समय पर वापस भारत लाना मुश्किल काम होगा। साथ ही कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से हवाई किराए काफी बढ़ गए हैं। पहला मैच जहां आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद। वहीं दूसरा मैच मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच वानखेड़े स्टेडियम में होगा. बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, सत्र के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बेंगलुरु में पांच और रायपुर में दो घरेलू मैच खेलेगी। पंजाब किंग्स की टीम न्यू चंडीगढ़ में चार और धर्मशाला में तीन घरेलू मैच खेलेगी जबकि राजस्थान रॉयल्स गुवाहाटी में तीन और जयपुर में चार घरेलू मैच खेलेगी। बीसीसीआई ने कहा, इस दौरान (पहले 16 दिन) टूर्नामेंट में चार ही डबल-हेडर होंगे।

# युवराज सिंह को टीम से बाहर करने में एमएस धोनी का हाथ था? पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने बता दिया सच

**मुम्बई (एजेंसी)।** पूर्व भारतीय क्रिकेटर और चयनकर्ता संदीप पाटिल ने एक लंबे समय से चल रहे विवाद पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि महेन्द्र सिंह धोनी का युवराज सिंह को भारतीय टीम से बाहर करने के फैसले में कभी कोई हाथ नहीं था। पाटिल ने बताया कि अपने चयनकर्ता कार्यकाल के दौरान उन्होंने कभी भी धोनी को युवराज को ड्रॉप करने की मांग करते नहीं सुना। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब युवराज के पिता लगातार धोनी पर आरोप लगाते रहे हैं।

### चयन बैठकों में कभी नहीं उठी ऐसी मांग

संदीप पाटिल ने एक इंटरव्यू में कहा कि चयन समिति की बैठकों, विदेशी दौरों या मैचों के दौरान कभी भी धोनी ने युवराज सिंह को टीम से बाहर करने की बात नहीं कही। उन्होंने कहा कि वह इस बात को पूरी जिम्मेदारी के साथ रिकॉर्ड पर कह सकते हैं कि धोनी ने ऐसा कोई सुझाव या दबाव नहीं बनाया। पाटिल के अनुसार, धोनी का चयन प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का स्वभाव भी नहीं था और वह चयन समिति के फैसलों का सम्मान करते थे।

### धोनी को था चयन समिति पर पूरा भरोसा

पाटिल ने आगे कहा कि धोनी हमेशा चयनकर्ताओं के निर्णयों का सम्मान करते थे। उन्होंने बताया कि टीम के कप्तान के तौर पर धोनी को चयन समिति की कार्यप्रणाली पर पूरा भरोसा था और वह आमतौर पर टीम चयन के मामलों में ज्यादा दखल नहीं देते थे। इस बयान से यह साफ संकेत मिलता है कि युवराज सिंह को टीम से बाहर करने का फैसला चयनकर्ताओं की रणनीति और उस समय के प्रदर्शन के आधार पर लिया गया होगा।

### योगराज सिंह लगातार लगाते रहे हैं आरोप

दूसरी ओर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह कई बार सार्वजनिक रूप से धोनी को अपने बेटे के करियर में गिरावट के लिए जिम्मेदार ठहरा चुके हैं। योगराज ने कई इंटरव्यू में यह कहा कि धोनी के कारण ही युवराज को टीम से बाहर किया गया। उन्होंने यह भी कहा था कि वह इस मामले में धोनी को कभी माफ नहीं करेंगे।

एक इंटरव्यू में योगराज सिंह ने कहा था कि धोनी ने उनके बेटे के साथ गलत किया और इससे युवराज का करियर प्रभावित हुआ। उन्होंने यहां तक कहा कि युवराज सिंह जैसा खिलाड़ी फिर से देखने को शायद ही मिले और वह चार-पांच साल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल सकते थे। उनके इस बयान ने क्रिकेट जगत में काफी चर्चा पैदा की थी।

### पाटिल ने कहा - पिता का भावुक होना स्वाभाविक

संदीप पाटिल ने योगराज सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एक पिता का अपने

बेटे के लिए भावुक होना बिल्कुल स्वाभाविक है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में आरोप गलत व्यक्ति पर लगाए जा रहे हैं। पाटिल के अनुसार, चयन प्रक्रिया कई पहलुओं को ध्यान में रखकर होती है और किसी एक व्यक्ति को इसके लिए जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है।

# भविष्य में सैमसन को बनाया जा सकता है भारतीय टी20 टीम का कप्तान : कैफ

मुम्बई । सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम के टी20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद अब सवाल उठाता है कि उनके बाद किसे कप्तानी दी जानी चाहिये। इसी को लेकर पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को भविष्य में कप्तानी दी जा सकती है क्योंकि उन्हें घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में कप्तानी का लंबा अनुभव है। कैफ के अनुसार सैमसन के पास वह अनुभव और मानसिक ठहराव है, जो किस कप्तान के पास होना जरुरी है। उन्होंने कहा, संजू ही कप्तान बन सकते हैं उसमें सभी योग्यताएं हैं। मेरा मानना है कि कप्तान वही अच्छा होता है जिसने दुनिया देखी हुई है। कैफ के अनुसार, किसी नए खिलाड़ी को सीधे कप्तानी सौंपना नुकसानदे हो सकता है, क्योंकि उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कठिन हालातों का सामना नहीं किया होता है। कप्तानी के लिए कैफ ने आईपीएल के अनुभव को अहम बताया है। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व करने से पहले खिलाड़ी को आईपीएल जैसे बड़े मंच पर अपने को एक लीडर के रूप में साबित करना चाहिए। सैमसन ने राजस्थान रॉयल्स टीम की ओर से ऐसा किया है। उन्होंने कहा, कप्तान उसी को बनना चाहिए जिसने ट्रॉफी जिताई हो जिसने कप्तानी पहले करी हो जिसने आईपीएल में 100 150 मैच खेले हो। कैफ ने कहा कि संजू राजस्थान रॉयल्स को कप्तानी करते हुए फाइनल तक ले गये। । इस लंबे अनुभव की वजह से उन्हें मैदान पर गेंदबाजी बदलाव करने और दबाव के क्षणों में किसी प्रकार सही फैसले लेते हैं ये पता है। कैफ ने सैमसन की तुलना वर्तमान और पूर्व कप्तानों से करते हुए परिपक्वता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा भी 30-32 साल की उम्र में भारतीय टीम के कप्तान बने थे, जब वे आईपीएल में पांच ट्रॉफियां जीतकर एक परिपक्व कप्तान बन गये थे।

## इम्तियाज अली की 'हीर रांझा' में नजर आएंगी सारा अर्जुन

इम्तियाज अली ने 14 फरवरी के दिन हीर रांझा फिल्म का ऐलान किया था। इसके अनाउंसमेंट वीडिया में हमें लैला मजनू की झलकियां देखने को मिली थी। लेकिन साथ ही हीर रांझा का भी कनेक्शन दिखाई दिया था। अब फिल्म को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं और इसकी कास्ट को लेकर लगातार चर्चाएं जारी हैं।

### 'लैला मजनू' का पार्ट 2

'हीर रांझा' फिल्म मशहूर पंजाबी लोककथा पर आधारित एक भव्य रोमांटिक कहानी होगी। इस प्रोजेक्ट के साथ दोनों भाई एक बार फिर एपिक लव स्टोरी की दुनिया में लौट रहे हैं। फिल्म को एकता कपूर प्रोड्यूस करेंगी, जो इससे पहले इम्तियाज और साजिद के साथ 'लैला मजनू' में काम कर चुकी हैं। दिलचस्प बात यह है कि 'हीर रांझा' को 'लैला मजनू' फ्रेंचाइजी का दूसरा चैप्टर माना जा रहा है, जो लव स्टोरी के पार्ट को आगे बढ़ाएगा। फिल्म की घोषणा के बाद से ही कास्टिंग को लेकर चर्चाएं तेज हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, धुरंधर फेम सारा अर्जुन इस फिल्म में फीमेल लीड के लिए सबसे मजबूत दावेदार मानी जा रही हैं। बताया जा रहा है कि मेकर्स एक फ्रेश चेहरे की तलाश में हैं और सारा इस भूमिका के लिए बिल्कुल फिट बैठती हैं। बता दें कि 2025 में आई आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' से सारा ने खास पहचान बनाई थी और अब वह इंडस्ट्री की उभरती हुई टैलेंटेड एक्ट्रेसेज में गिनी जा रही हैं।

### कौन होगा मेल लीड?

वहीं, मेल लीड के लिए रोहित सराफ का नाम चर्चा में है। हालांकि मेकर्स की ओर से अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन अगर रोहित और सारा की जोड़ी बनती है तो उन्हें बड़े पर्दे पर रोमांस करते देखना दिलचस्प होगा। फिलहाल कास्टिंग प्रक्रिया जारी है।

## मैंने मेहनत की, सीखा और धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई

फिल्मी दुनिया में कलाकारों की चमक-दमक अक्सर लोगों को आकर्षित करती है, लेकिन इस चमक के पीछे कड़ा संघर्ष छिपा होता है। इस कड़ी में अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपने करियर, बचपन और निजी अनुभवों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अभिनय उनके लिए सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। कुछ बातें ऐसी हैं जिन पर वे कभी समझौता नहीं कर सकतीं। भूमि पेडनेकर हाल ही में वेब सीरीज 'दलदल' में नजर आई थीं। इस दौरान उन्होंने 'वुमन ऑफ इम्पैक्ट' कार्यक्रम में हिस्सा लिया और अपने जीवन के कई अहम पहलुओं पर बात की।

उन्होंने कहा, ''जब मैं सिर्फ 12 साल की थीं, तभी मैंने अपनी मां को साफ कह दिया था कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं। उस उम्र में यह सपना बहुत बड़ा था, लेकिन मैंने अपने लक्ष्य को कभी छोड़ा नहीं। मैंने मेहनत की, सीखा और धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई। आज मैं अपनी दमदार भूमिकाओं और मजबूत अभिनय के लिए जानी जाती हूं।''

कार्यक्रम के दौरान भूमि ने अपने स्कूल के दिनों की एक ऐसी घटना भी साझा की, जिसने उन्हें अंदर तक प्रभावित किया था। उन्होंने कहा, ''एक दिन जब मैं अपनी कक्षा में लौटीं तो मुझे एक कागज का टुकड़ा मिला, जिस पर मेरे शरीर को लेकर मजाकिया और अपमानजनक शब्द लिखे थे। उस समय मैं बहुत छोटी थी और ऐसी बातें मेरे मन पर गहरा असर डाल गईं।'' उन्होंने कहा, ''कम उम्र में इस तरह की छींटाकशी और बदमाशी बच्चों को डर और असुरक्षा का एहसास कराती है। यह अनुभव मेरे लिए आसान नहीं था, लेकिन मैंने समय के साथ खुद को मजबूत बनाया।''

भूमि ने कहा, ''मैं किसी भी ऐसी भूमिका का हिस्सा नहीं बनूंगी जिसमें महिलाओं के प्रति अपमान हो। मेरे लिए आत्मसम्मान और महिलाओं का सम्मान सबसे अहम है। मैं ऐसी कहानियों का हिस्सा नहीं बनना चाहती, जहां महिला किरदार को कमजोर या कमतर दिखाया जाए। मैं ऐसे भी किरदार निभाना पसंद नहीं करती जिनमें करने के लिए बहुत कम हो। मैंने अपने करियर में बहुत मेहनत करके एक ऐसी पहचान बनाई है जो उनके अभिनय पर आधारित है, और मैं चाहती हूं कि दर्शक मुझसे मजबूत और प्रभावशाली भूमिकाओं की ही उम्मीद रखें।''

## विद्या बालन की फिल्मों ने मेरा सोचने का तरीका बदल दिया

हिंदी सिनेमा में हर कलाकार को किसी न किसी से प्रेरणा मिलती है, जिसकी मेहनत और काम देखकर वह आगे बढ़ने की हिम्मत पाता है। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू के लिए ऐसी ही प्रेरणा विद्या बालन हैं। तापसी ने बताया कि विद्या बालन की फिल्मों ने उनके सोचने का तरीका बदल दिया। उन्होंने कहा कि जब वह हिंदी फिल्मों में अपना करियर शुरू कर रही थीं, तब विद्या बालन की कुछ फिल्मों ने उन्हें यह भरोसा दिया कि महिला कलाकार भी मजबूत कहानियों के साथ लंबे समय तक इंडस्ट्री में टिक सकती हैं। तापसी ने कहा, ''विद्या बालन ने सिर्फ फिल्मों में अभिनय नहीं किया, बल्कि उन्होंने यह भी दिखाया कि एक अभिनेत्री अपने दम पर कहानी को आगे बढ़ा सकती है। मेरे लिए विद्या बालन एक हीरो हैं। उनकी फिल्मों ने मुझे प्रेरित किया। जब मैंने 'द डर्टी पिक्चर' और 'कहानी' जैसी फिल्में देखीं, तो महसूस हुआ कि सिनेमा में महिलाओं के लिए भी मजबूत और अलग तरह की कहानियां बन सकती हैं। अगर ये फिल्में उस समय नहीं आई होतीं, तो शायद मेरे जैसे कई कलाकारों को यह विश्वास ही नहीं होता कि वे भी लंबे समय तक इंडस्ट्री में काम कर सकते हैं।''

उन्होंने कहा, ''उस समय मैं हिंदी सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत कर रही थी और अक्सर यह सवाल मन में आता था कि एक अभिनेत्री का करियर कितने समय तक चल सकता है पर विद्या बालन की फिल्मों को सफल होते देख मेरा नजरिया पूरी तरह बदल गया। उनकी फिल्मों ने बताया कि कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा में अभिनेत्री भी मुख्य भूमिका निभा सकती हैं और फिल्म की सफलता का केंद्र बन सकती हैं।''

दरअसल, विद्या बालन को हिंदी सिनेमा में महिला प्रधान फिल्मों के लिए जाना जाता है। पिछले दो दशकों में उन्होंने कई ऐसी फिल्मों में काम किया है, जिनमें कहानी का पूरा भार उनके किरदार पर टिका होता है। 'नो वन किल्ड जेसिका', 'तुम्हारी सुलु' और 'शेरनी' जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए और अभिनय के जरिए दर्शकों का दिल जीत लिया। उनकी फिल्मों ने साबित किया कि बॉलीवुड में सिर्फ बड़े हीरो ही नहीं, बल्कि अच्छी कहानी और दमदार अभिनय भी फिल्म को सफल बना सकते हैं। दिलचस्प बात यह है कि तापसी पन्नू और विद्या बालन एक साथ काम कर चुकी हैं। दोनों कलाकारों ने साल 2019 की चर्चित फिल्म 'मिशन मंगल' में एक साथ अभिनय किया था।

## किआरा आडवाणी नहीं होगी 'मधुबाला' की बायोपिक का हिस्सा

भारतीय सिनेमा की सबसे लोकप्रिय और खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक मधुबाला की बायोपिक काफी वक्त से चर्चा का विषय बनी हुई है। बीच में ऐसी चर्चाएं थीं कि किआरा आडवाणी इस बायोपिक में मधुबाला की भूमिका निभाएंगी। जबकि संजय लीला भंसाली इस फिल्म का निर्माण करेंगे। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि किआरा इस फिल्म का हिस्सा नहीं होंगी। इंडस्ट्री से जुड़े एक अदरूनी सूत्र ने इस खबर को खारिज किया है। सूत्र ने बताया कि संजय लीला भंसाली द्वारा निर्मित मधुबाला की बायोपिक में किआरा आडवाणी के अभिनय की खबरों में कतई सच्चाई नहीं है। ये दावे पूरी तरह निराधार और अटकलबाजी पर आधारित हैं। हालांकि, फिल्म के बारे में अधिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। लेकिन यह बताया जा रहा है कि इस फिल्म का निर्देशन जसमीत के. रीन करेंगी। जसमीत ने आलिया भट्ट, शेफाली शाह और विजय वर्मा स्टारर ब्लैक कॉमेडी-ड्रामा 'डार्लिंग्स' का भी निर्देशन किया था।

## अनुभव सिन्हा ने की अहान-अनीत की तारीफ

अपनी फिल्मों में सामाजिक मुद्दों को उठाने वाले निर्देशक अनुभव सिन्हा इन दिनों अपनी हालिया फिल्म 'अस्सी' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म को पसंद किया जा रहा है और क्रिटिक्स से लेकर दर्शक तक इसकी कहानी की तारीफ कर रहे हैं। हालांकि, इस बीच अनुभव सिन्हा ने दो रोमांटिक फिल्मों 'सैयारा' और 'तेरे इश्क में' को लेकर अपनी राय रखी। साथ ही उन्होंने अहान पांडे और अनीत पड्डा जैसे नए सितारों की भी जमकर तारीफ की।जूम के साथ बातचीत में अनुभव सिन्हा ने 'सैयारा' की तारीफ करते हुए बताया कि किस बात ने उन्हें इस फिल्म के लिए आकर्षित किया। निर्देशक ने कहा कि ये दोनों बच्चे बहुत अच्छे हैं। अहान और अनीत, और उनकी फिल्म 'सैयारा' बहुत पसंद आई। दोनों कलाकार बेहद ईमानदार और सच्चे थे और वे दोनों एक ही फिल्म में इतना विश्वास रखते थे।

इस दौरान अनुभव सिन्हा ने बताया कि उन्होंने रणवीर सिंह की 'धुरंधर', कृति सैनन की 'तेरे इश्क में' और सनी देओल की 'बॉर्डर 2' सहित हाल ही में रिलीज हुई ये तीनों फिल्में देखी हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि मैं विभिन्न शहरों का दौरा कर रहा था, इसलिए मैं विभिन्न सिनेमा हॉल में जाता था और 15-20 मिनट के लिए बैठकर फिल्म देखता था। इसलिए मैंने 'धुरंधर' के लगभग 5-20 मिनट देखे हैं। 'तेरे इश्क में' मैंने इसे भोपाल के एक थिएटर में देखी और 'बॉर्डर 2' मैंने हैदराबाद में देखी।

## बड़े पर्दे के लिए बनाई गई है 'सूबेदार'

एवरग्रीन एक्टर अनिल कपूर की हालिया रिलीज फिल्म 'सूबेदार' 5 मार्च को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। इसे क्रिटिक्स की मिली-जुली समीक्षाएं ही हासिल हुई हैं। हालांकि, अनिल कपूर के अभिनय की काफी सराहना हुई। अब फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप ने भी फिल्म देखी है और इसकी समीक्षा की है। अनुराग कश्यप का मानना है कि इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना चाहिए था। उन्होंने कलाकारों के अभिनय, एक्शन और फिल्म की सादगी की प्रशंसा की है।

### इसे बड़े पर्दे पर आना चाहिए था

अनुराग कश्यप ने 'सूबेदार' की तारीफ करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की है। इसमें उन्होंने फिल्म से अनिल कपूर की एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ ही फिल्म का रिव्यू करते हुए अनुराग ने लिखा, 'प्राइम वीडियो पर आई फिल्म 'सूबेदार' को सिनेमाघरों में रिलीज होना चाहिए था। इसे सिनेमाघरों में देखना मुझे बहुत अच्छा लगता। यह साफ तौर पर बड़े पर्दे के लिए एनामोर्फिक तकनीक से शूट की गई है, बड़े पर्दे के लिए ही बनाई गई है। सुरेश त्रिवेणी बुंदेलखंड/चंबल की एक जीवंत दुनिया रचते हैं, जिसमें पितृसत्ता और विशेषाधिकार का भाव साफ झलकता है। जहां महिलाएं पुरुषों के बराबर पितृसत्तात्मक हैं और जो नहीं हैं, वे भी पुरुषों की तरह संघर्ष करती हैं। ये पुरुष प्रधान बीहड़ इलाके हैं, जहां कभी फूलन देवी का जन्म हुआ था।'

निर्देशक ने आगे फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, 'दुनिया तब से बदली नहीं है, बल्कि और भी बदतर हो गई है। इसी दुनिया में हमारा सूबेदार आता है। जिस दुनिया ने पान सिंह तोमर को भी जन्म दिया, उसी दुनिया में यह पूर्व सैनिक पूरी तरह से असभ्य आम लोगों की दुनिया के खिलाफ खड़ा है। पूरी तरह से काल्पनिक, लेकिन इसे देखकर मुझे यकीन करने का मन करता है। तनाव (शोर कम करने वाले हेडफ़ोन लगाकर देखा) और दृढ़ता और खामोशी से भरपूर, और एक सुनियोजित गति के साथ। बहुत मजा आया, लेकिन अगर मैंने इसे दर्शकों से भरे थिएटर में देखा होता तो और भी ज्यादा आनंद आता।'

### कलाकारों के अभिनय को सराहा

कलाकारों के अभिनय की तारीफ करते हुए अनुराग कश्यप ने कहा कि अनिल कपूर ने इस फिल्म में भी अपने अंदर की आग को बरकरार रखा है। फैसल मलिक शानदार हैं, मोना सिंह क्या नहीं कर सकतीं और आदित्य रावल ने छोटे शहर के, सोशल मीडिया से प्रभावित एल्विस यादव जैसे खलनायक का किरदार बखूबी निभाया है। जिससे मुझे नफरत होने का मन करता है। आखिर में मुझे राधिका मदान को और देखना है, जोशीली और संवेदनशील, वो चमक उठीं। मेरे हमेशा भरोसेमंद कल्लू मामा की एक्शन फिल्म 2026 में देखना मेरे कैलेंडर में नहीं था। मजा आया सर।

### ये मेरी वाली कमर्शियल फिल्म है

अंत में टेक्निकल पक्ष की तारीफ करते हुए अनुराग ने कहा कि खूबसूरत दृश्यों की फोटोग्राफी, शानदार हाईवे चेज, शानदार एक्शन। ऐसे समय में जब हर कोई एक्शन के घिसे-पिटे पैटर्न को अपना रहा है, यहां की सादगी वाकई दिल को छू लेती है। इसमें शामिल सभी लोगों को बधाई। इसे एक बार जरूर देखें। खास बात- रणवीर का किरदार निभाने वाला अभिनेता शानदार है। ये मेरी वाली कमर्शियल फिल्म है।

क्या आप भी

# ब्रोकली

## को हफ्तेभर तक रखना चाहते हैं फ्रेश?

### जानें इसे लंबे समय तक स्टोर करने का सबसे आसान तरीका

जब भी हम ब्रोकली खरीदकर घर लाते हैं तो कई बार हम उसे सही तरीके से स्टोर नहीं कर पाते और वह जल्दी खराब हो जाती है। ऐसे में अगर आप इसे एक हफ्ते तक ताजा रखना चाहते हैं तो इसके लिए आप इसे घर पर ही सही तरीके से स्टोर कर सकते हैं। इसे खाने से एक नहीं बल्कि अनेक लाभ हो सकते हैं। यह आपके वजन को नियंत्रित रखता है, मधुमेह के खतरे को कम करता है, ब्रोकली हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करती है, त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है। आइये जानते हैं इसे स्टोर करने का सही तरीका क्या है?

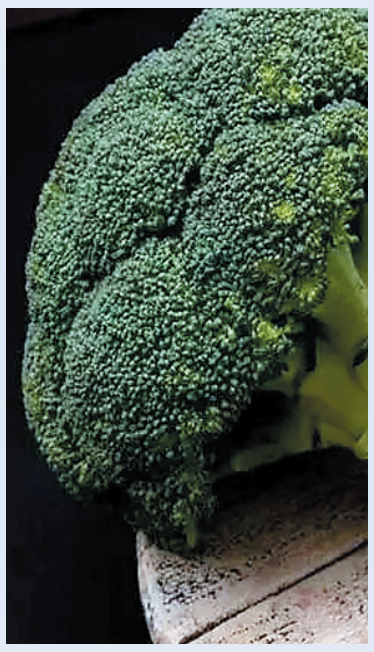

**मध्यम आकार में काटें और एक तरफ रख दें।**

अगर आप ब्रोकली को एक सप्ताह तक ताजा रखना चाहते हैं तो सबसे पहले उसे मध्यम आकार में काट लें और पानी से साफ कर लें। अब इसे निकाल कर एक प्लेट में रख लें और 10 से 15 मिनट तक पानी सूखने के लिए छोड़ दें। अब आप ब्रोकली को दूसरे बर्तन में निकाल कर फ्रिज में रख सकते हैं।

**कांच के जार में स्टोर करें.**

यदि आपके घर में रेफ्रिजरेटर नहीं है, तो आप ब्रोकोली को कांच के जार में रख सकते हैं। इसके लिए आप इसका एक फूल लें। इसके बाद इसके पिछले हिस्से को अच्छे से काटकर साफ कर लें। अब एक कांच के जार में आधे से भी कम पानी भरें और उसमें ब्रोकली डालें। इससे आपकी ब्रोकली एक सप्ताह तक ताजा बनी रहेगी।

**फलों से दूर रखें**

यदि आप ब्रोकली को फ्रिज में रख रहे हैं, तो इसे किसी खट्टे फल या अन्य फलों के साथ न रखें, क्योंकि कई फल एथिलीन गैस छोड़ते हैं, जैसे केला, सेब और नाशपाती, जो ब्रोकली को खराब कर सकते हैं। ऐसे में फलों को फ्रिज में रखने की बजाय बाहर निकालकर रख दें।

# क्या हमेशा घर दिखता है बिखरा और गंदा? तो ऑर्गेनाइज करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

कहा जाता है कि घर एक पारिवारिक जीवन का दर्पण होता है, जिसे देखकर यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि परिवार के सदस्य अपने जीवन में कितने व्यवस्थित हैं। इतना ही नहीं, अगर आप अपने घर को सही तरीके से व्यवस्थित नहीं रख पाते हैं तो इससे आपके दैनिक जीवन में भी काफी मुश्किलें पैदा होने लगती हैं। उदाहरण के लिए, आपको हर समय इस्तेमाल के लिए चीजें ढूंढनी होंगी, घर में मेहमान आने वाले हैं तो लिविंग रूम को जल्दी से साफ करने का तनाव रहेगा, घर में नकारात्मक ऊर्जा आएगी और कई बार तो आपका जल्दी घर आने का भी मन नहीं करेगा। यहां हम आपको बता रहे हैं कि किन 7 टिप्स को अपनाकर आप अपने जीवन को आसान और व्यवस्थित बना सकते हैं।

**बिस्तर की चादर और तकिया कवर**

जब भी आप अपने बिस्तर और तकिये के कवर को साफ करें या बदलें तो उन्हें एक साथ रखें। इसके लिए, इन सभी को मोड़कर एक तकिये के कवर के अंदर रख दें। ऐसा करने से आपको हर बार उन्हें खोजने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

**लेबल**

रसोईघर में रखे सभी जार पर चॉकबोर्ड या पेंट की मदद से लेबल लगाएं और उन्हें सामने की ओर सजाकर रखें। भंडारण के लिए उन्हें अलग-अलग बक्सों में रखने के बजाय एक ही बक्से का उपयोग करना बेहतर होगा। ऐसा करने से वे अच्छे दिखेंगे और व्यवस्थित भी रहेंगे।

**इसे रख दें।**

रसोईघर के दराजों या रैकों में सॉसपैन आदि को एक के ऊपर एक रखने से अधिक जगह घेरती है और यह देखने में भी अव्यवस्थित लगते हैं। बेहतर होगा कि आप इन्हें हैंगर पर लटका दें। इनका उपयोग भी आसान होगा।

**दराज विभाजक का उपयोग करें**

यदि आप अपने दराज में मेकअप, वॉलेट, चाबियाँ या अन्य चीजें एक साथ रखते हैं, तो दराज डिवाइडर का उपयोग करना बेहतर होगा। आपको रसोई के दराजों में भी डिवाइडर का उपयोग करना चाहिए और चाकू, चम्मच, कांटे आदि को अलग-अलग रखना चाहिए। इससे वस्तुएं व्यवस्थित रहेंगी और उनका उपयोग करना भी आसान हो जाएगा।

**मग और कप हैंगर**

कप आदि को रसोई में रखने की बजाय आप उन्हें हैंगर या हुक पर लटका सकते हैं। ऐसा करने से वे एक-दूसरे से टकराकर टूटेंगे नहीं और उन्हें आसानी से उपयोग के लिए निकाला जा सकेगा।

**रैक**

आप अपने दरवाजे के पीछे एक लटकता हुआ जूता रैक लटका सकते हैं। आप इसमें अपने जूते, चप्पल और सैंडल व्यवस्थित तरीके से रख सकते हैं और आसानी से उपयोग के लिए निकाल सकते हैं। आपको हर बार पूरा रैक खाली करने और पहनने के लिए कुछ खोजने की जरूरत नहीं होगी।

**बॉक्स का उपयोग**

आप अलमारी में छोटे-बड़े कपड़े रखने, क्लीनर आदि रखने, डाइनिंग टेबल को व्यवस्थित करने आदि के लिए बक्सों का उपयोग कर सकते हैं। आप ऐसे स्टूल या टेबल का उपयोग कर सकते हैं जिसमें बॉक्स सिस्टम हो। ऐसा करने से आपके पास अधिक भंडारण स्थान होगा और सामान इधर-उधर फैलने के बजाय बॉक्स में ही रहेगा।

# क्या आप भी जा रहे हैं लंबे दिनों के लिए घर से बाहर, तो ऐसे रखें अपने घर को सुरक्षित

कभी-कभी हमें किसी न किसी काम से घर से बाहर जाना ही पड़ता है, लेकिन यहां हम ऑफिस, स्कूल-कॉलेज आदि के लिए ऐसा नहीं कर रहे हैं। बल्कि हम ऐसी चीजों के बारे में बात कर रहे हैं - जैसे कि आपको लंबे समय के लिए या कुछ दिनों के लिए घर से बाहर जाना पड़ता है। इसका कारण यात्रा हो सकती है, किसी की शादी में शामिल होना हो सकता है, कहीं बाहर जाकर कोई त्यौहार मनाना हो सकता है आदि। लेकिन ऐसे में एक सवाल हर किसी के मन में रहता है कि अगर हम घर से निकल रहे हैं तो क्या हमारा घर सुरक्षित है? क्योंकि हमने घर में जो चीजें रखी हैं, वे बहुत मेहनत से कमाई हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि अगर कोई लंबे समय के लिए घर से बाहर जा रहा है तो उसे किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि उसका घर सुरक्षित रह सके। तो आइये जानते हैं इसके बारे में। इसके बारे में आप अगले अंक में जान सकते हैं...

**गैस बंद कर दें.**

लोग सबसे ज्यादा लापरवाही गैस को लेकर करते हैं, जबकि सभी जानते हैं कि हमारी एक छोटी सी गलती बहुत बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए जब भी घर से बाहर जा रहे हों तो गैस चूल्हे के अलावा गैस सिलेंडर को भी रेगुलेटर से बंद कर दें। अगर आप भूल जाते हैं तो इस काम को अपनी लिस्ट में शामिल कर लें या फिर गैस के पास एक स्टीकर भी लगा सकते हैं जिस पर लिखा हो कि गैस बंद कर दें। ऐसा करके आप अपने घर को सुरक्षित करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ सकते हैं।

**लाइटें बंद कर दें.**

यदि आप घर से बाहर जा रहे हैं तो लाइटें बंद करना न भूलें। पंखा, कूलर, फ्रिज और एसी जैसी चीजों को मुख्य स्विच से बंद करें। इससे न केवल आपका बिजली बिल बचेगा बल्कि किसी प्रकार का नुकसान भी नहीं होगा क्योंकि कई बार बिजली की कम या ज्यादा शक्ति के कारण चीजें खराब हो सकती हैं।

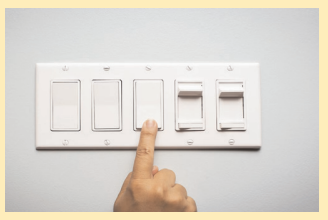

**पैट का ख्याल रखना.**

कई लोग शौक के तौर पर पालतू जानवर (कुत्ते, बिल्ली आदि) पालते हैं, लेकिन जब बात उनकी देखभाल की आती है, तो... तो इसमें उनकी लापरवाही साफ तौर पर दिखाई देती है। अगर आप लंबे समय के लिए घर से बाहर जा रहे हैं तो या तो आप पैट को साथ ले जाएं। आप अपने पालतू जानवर को कुछ शर्तों के साथ ट्रेन, हवाई जहाज और रोडवेज बसों में ले जा सकते हैं। यदि आप किसी अन्य कारण से अपने पालतू जानवर को अपने साथ नहीं ले जाना चाहते हैं, तो आप अपने पालतू जानवर को टेक केयर सेंटर यानी ऐसे स्थानों पर रख सकते हैं जहां पालतू जानवरों की देखभाल की जाती है। यहां आप कुछ शुल्क देकर अपने कुत्ते को जितने दिन चाहें छोड़ सकते हैं।

**सुरक्षा पर ध्यान दें.**

अगर आप घर से बाहर जा रहे हैं तो आपको अपने घर की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा। अपना घर ठीक से बंद करो और जाओ। आप चाहें तो अपने घर में किसी जिम्मेदार पड़ोसी या विश्वसनीय रिश्तेदार को भी रख सकते हैं। इसके अलावा आप अपने घर में सीसीटीवी लगाकर भी उस पर नजर रख सकते हैं।

# अगर आपके भी गुलाब के पौधे बार-बार मुरझा रहे हैं, तो ऐसे करें इनकी केयर

**घर के बाहर आंगन में लगाए गए गुलाब के पौधे घर की सुंदरता बढ़ाने में मदद करते हैं। ऐसे में ज्यादातर लोग अपने घर के बाहर गुलाब के पौधे लगाना पसंद करते हैं, लेकिन कई बार ये पौधे मुरझाने लगते हैं और इस वजह से पूरे घर का लुक खराब होने लगता है। ऐसी स्थिति में अधिकतर लोग परेशान हो जाते हैं। अगर आपके घर के बाहर लगा गुलाब का पौधा मुरझाने लगा है तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको कुछ आसान टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप पौधे को मुरझाने से बचा सकते हैं।**

**गुलाब के पौधों को मुरझाने से बचाएं**

गुलाब के पौधे को मुरझाने से बचाने के लिए आप इन सुझावों का पालन कर सकते हैं। सबसे पहले आपको गुलाब के पौधे को रोजाना पानी देना चाहिए। यदि गर्मी का मौसम है तो आपको गुलाब के पौधे को दिन में 2 से 3 बार पानी देना चाहिए। आपको गुलाब के पौधे को कम से कम 6 घंटे धूप अवश्य देनी चाहिए, लेकिन ध्यान रखें कि सीधी धूप पत्तियों को जला सकती है।

**नियमित रूप से खाद डालें.**

इसके अलावा आपको गुलाब के पौधे में अच्छी मिट्टी डालनी चाहिए, क्योंकि मिट्टी में पर्याप्त पोषक तत्वों का होना बहुत जरूरी है। आपको गुलाब के पौधे को नियमित रूप से खाद देना चाहिए। आपको बाजार में आसानी से खाद मिल जाएगी। उर्वरक खरीदते समय पैकेट पर लिखे सभी निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

**पौधे की छंटाई अवश्य करें।**

इसके अलावा मिट्टी में पानी का अच्छा विकास होना भी बहुत जरूरी है, तभी आपका पौधा मुरझाने से बच सकता है। गुलाब की सभी सूखी हुई शाखाएँ काट दो। इसके अलावा, छंटाई भी करें, इससे नई शाखाओं के विकास में मदद मिलेगी और पौधा अधिक सुंदर बनेगा।

**कीटनाशक का प्रयोग करें**

कई बार कीड़ों के कारण पौधा खराब होने लगता है, ऐसी स्थिति में आपको अपने पौधे की जांच कर कीटनाशक का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। सर्दियों में पौधे को ठंड लग सकती है। ऐसी स्थिति में उसका विशेष ध्यान रखें। वहीं, बरसात के मौसम में पौधे को ज्यादा पानी देने की जरूरत नहीं होती। आप इन सभी सुझावों का पालन करके गुलाब के पौधे को मुरझाने से बचा सकते हैं।